महामुकाबले का 'विराट' खिलाड़ी >> 12

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 361

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, शनिवार, 8 जून, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

न हम हारे थे, न हम हारे हैं : मोदी

कहा– सरकार बनाने के लिए भले बहुमत जरूरी, लेकिन चलाने के लिए सर्वमत बहुत जरूरी

- राजग संसदीय के नेता चुने गए, राष्ट्रपति से मिला सरकार बनाने का आमंत्रण
- रविवार शाम 7.15 बजे लगातार तीसरी बार लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ
- संविधान को माथे से लगाकर जताई उसके लिए प्रतिबद्धता
- विपक्ष पर किया कटाक्ष, कहा– चार जून के बाद ईवीएम जिंदा या मर गया
- पवन कल्याण की प्रशंसा करते हुए कहा– यह पवन नहीं, आंधी हैं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तीन दशक पुराने राजग के सहज (आर्गेनिक) गठबंधन की लगातार तीसरी जीत को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को साफ किया, 'न हम हारे थे, न हम हारे हैं।' राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि कल भी राजग की सरकार थी, आज भी राजग की सरकार है और कल भी राजग की सरकार रहेगी। राजग संसदीय दल की बैठक में सभी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के कामों की प्रशंसा की और उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने सभी नेताओं को भरोसा दिया कि वह 24/7 उपलब्ध हैं। शाम को मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया और राष्ट्रपति ने उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। रविवार शाम 7.15 बजे प्रधानमंत्री मोदी के साथ नया मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण करेगा।

राजग संसदीय दल की बैठक के लिए पहुंचने के बाद संविधान भवन में प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले संविधान को माथे से लगाकर उसके प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। गौरतलब है कि विपक्ष चुनाव के दौरान लगातार भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाता रहा। वैसे प्रधानमंत्री ने बार-बार स्पष्ट किया कि संविधान उनकी सरकार के लिए सबसे पवित्र ग्रंथ है और उसकी रक्षा के लिए वह प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भले ही लोकतंत्र के तकाजे के अनुरूप संख्या बल के साथ वह सरकार बनाने जा रहे हैं, लेकिन उनकी सरकार सर्वसमावेशी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए भले ही बहुमत जरूरी है, लेकिन सरकार चलाने के लिए सर्वमत बहुत जरूरी है। उन्होंने विपक्ष से भी राष्ट्रहित की नीयत से सदन में आने और बहस में हिस्सा लेने की सलाह दी। मोदी ने कहा कि विपक्ष सरकार के विरुद्ध तो हो सकता है, लेकिन राष्ट्र के विरुद्ध नहीं और राष्ट्र में सभी 140 करोड़ देशवासी शामिल हैं। वैसे उन्होंने चार जून के नतीजों के बाद विपक्ष के व्यवहार पर चुटकी भी ली और कहा कि विपक्ष की ओर से लोकतंत्र का सम्मान देखने के लिए और इंतजार करना होगा।

मोदी ने कहा कि आइएनडीआइए की तरह राजग सिर्फ सत्ता के लिए कुछ दलों का साथ आना नहीं है। बल्कि तीन दशक के दौरान इसके दलों का अटूट रिश्ता विश्वास के मजबूत धरातल पर खड़ा हुआ है। राजग को सच्चे अर्थों में भारत के आत्मा का प्रतिबिंब बताते हुए उन्होंने कहा यह देश में सभी क्षेत्रों व वर्गों का भरोसा जीतने सफल रहा है और इसी कारण 22 राज्यों में सरकार में है। 10 आदिवासी बहुल राज्यों में से सात में राजग की सरकार है और गोवा समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भी सत्ता में है। तीन दशक पुराने राजग के 15 वर्ष सत्ता में रहने को असामान्य बताते हुए मोदी ने कहा कि यह जनता का उसके प्रति भरोसा दर्शाता है।

पीएम ने कहा

- विपक्ष की ओर से लोकतंत्र का सम्मान देखने के लिए और इंतजार करना होगा
- राजग ने सभी क्षेत्रों और वर्गों का भरोसा जीता, इसी कारण 22 राज्यों में सरकार
- तीन दशक पुराने राजग का 15 वर्ष सत्ता में होना असामान्य, अगले 10 वर्ष भी रहेगा
- तमिलनाडु में भले सीटें नहीं मिलीं, लेकिन वोट शेयर से दमदार उपस्थिति दर्ज कराई
- साजिश के तहत चुनाव आयोग और ईवीएम पर संदेह खड़ा करने की हुई थी कोशिश

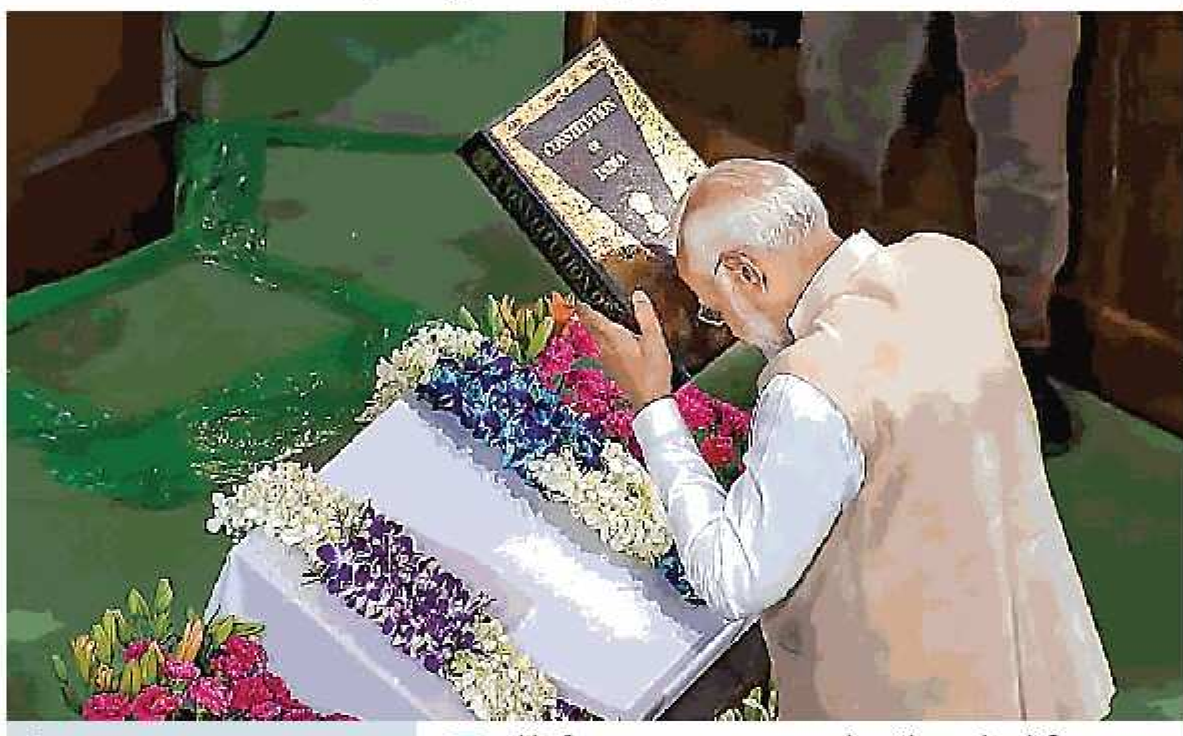

नई दिल्ली में शुक्रवार को संविधान सदन में राजग संसदीय दल की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान को माथे से लगाकर उसके प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। वीडियोग्रैब/प्रेट्र

मेरे जीवन का हर पल डा. बाबा साहेब आंबेडकर के हमें दिए गए भारतीय संविधान में निहित महान मूल्यों को बनाए रखने के लिए समर्पित है। यह संविधान की ही बदौलत है कि गरीबी और पिछड़े परिवार में जन्मा मेरे जैसा व्यक्ति देश की सेवा करने में सक्षम है। हमारा संविधान करोड़ों लोगों को आशा, शक्ति और सम्मान देता है। – नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मोदी ने दिया 'जहां कम, वहां हम' का नारा पेज>>3

विशेष आयोजन (जनादेश) : पेज–3, 4, 5 व 6

पीएम ने लिया आडवाणी और जोशी से आशीर्वाद

नई दिल्ली : राजग संसदीय दल की बैठक में नेता चुने जाने के बाद नरेन्द्र मोदी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी भेंट की। संसद परिसर से निकलकर मोदी पार्टी के वरिष्ठतम नेता व पूर्व अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व अध्यक्ष डा. मुरली मनोहर जोशी के घर पहुंचे। तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने से पहले उन्होंने दोनों नेताओं का आशीर्वाद लेते हुए कुशलक्षेम भी पूछा। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द से भेंट करने गए। कोविन्द ने मोदी को राजग की लगातार तीसरी जीत के लिए बधाई दी।

नीतीश–नायडू ने किया आश्वस्त, हम मोदी सरकार के साथ

नई दिल्ली : राजग सरकार के प्रति भाजपा के सहयोगी दलों ने भी पूरी प्रतिबद्धता दिखाई। जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार एवं तेदेपा अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने मोदी को आश्वस्त किया कि 'सबका साथ, सबका विकास' व विकसित भारत के लिए वे मोदी सरकार के भागीदार बने रहेंगे। (पेज–3)

झूठे विज्ञापन के मानहानि मामले में राहुल गांधी को जमानत

बेंगलुरु : कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के मामले में बेंगलुरु की विशेष अदालत ने शुक्रवार को जमानत दे दी। कर्नाटक में भाजपा के खिलाफ प्रमुख अखबारों में झूठे और अपमानजनक विज्ञापन देने के मुद्दे पर पार्टी की राज्य इकाई ने जून 2023 में राहुल के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया था। इस मामले की सुनवाई के दौरान राहुल कोर्ट में मौजूद थे। (पेज–6)

नीट में धांधली की शिकायत की तत्काल हो जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली : कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' के नतीजे में हुए धांधली के आरोपों को देखते हुए इसकी तत्काल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। पार्टी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट–यूजी) का पेपर लीक होने की शिकायतों की अनदेखी करने पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मोदी सरकार देश के युवाओं को धोखा देकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। (पेज–7)

रूस में चार भारतीय मेडिकल छात्र नदी में डूबे

मास्को : रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक तेज बहाव वाली नदी में डूबने से चार भारतीय मेडिकल छात्रों की मौत हो गई। मरने वाले सभी छात्र हर्षल अनंतराव देसाले, जिशान अशपाक पिंजारी, जिया फिरोज पिंजारी और मलिक गुलामगौस मोहम्मद याकूब महाराष्ट्र के जलगांव के रहने वाले थे। वे नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। स्थानीय लोगों ने उनके साथ मौजूद निशा भूपेश सोनावणे को बचा लिया। (पेज–11)

विश्वास.News

बरेली में नहीं लहराया गया पाकिस्तानी झंडा ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज–6

यात्रा

सीमा दर्शन के साथ कीजिए ऐतिहासिक स्थलों की सैर

गोपेश्वर : उत्तराखंड में सीमा दर्शन यात्रा शुरू होने से नीती घाटी तेजी से नए पर्यटन स्थल के रूप में उभरी है। यहां आप प्रकृति की अनोखी छटा के साथ ऐतिहासिक धरोहरों के दर्शन भी कर सकते हैं। • पेज–7

संपादकीय

स्थानीय कारकों ने बिगाड़ा भाजपा का खेल : प्रत्याशियों के चयन और सोशल इंजीनियरिंग के मोर्चे पर मिली मात ने भाजपा की सीटों की संख्या घटाने का काम किया। **प्रदीप भंडारी** का विश्लेषण।

गठबंधन सरकार की चुनौतियां : गठबंधन सरकार होने के नाते यह देखना रोचक होगा कि भाजपा अपने एजेंडे को कैसे आगे बढ़ाती है? **डा. जगदीप सिंह** का आकलन। • पेज–8

विमर्श

उच्च शिक्षण संस्थानों की उन्नति का मार्ग : क्यूएस रैंकिंग के नवीनतम संस्करण में शीर्ष चार सौ उच्च शैक्षणिक संस्थानों में 10 भारतीय विश्वविद्यालयों का जगह बनाना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। **कैलाश बिश्नोई** का आलेख।

केवल तोड़–फोड़ नहीं कारण : लोकसभा चुनाव में इस बार अयोध्या से भाजपा नहीं जीत सकी। एक बड़ा वर्ग अयोध्या में भाजपा के हारने का कारण विकास की वजह से वहां हुई तोड़–फोड़ को मान रहा है, परंतु केवल इसे ही कारण मानना नादानी होगी। **ओमप्रकाश तिवारी** का दृष्टिकोण। • पेज–9

सप्तरंग

जोश नई राहों का

गुणवत्ता की ओर

छात्रों के लिए बेहतरीन आनलाइन नौकरियां

• पेज–13

T20 विश्व कप 2024

आज के मैच

न्यूजीलैंड vs अफगानिस्तान	
सुबह 5 बजे	स्थान : गुयाना
श्रीलंका vs बांग्लादेश	
सुबह 6 बजे	स्थान : डलास
नीदरलैंड्स vs दक्षिण अफ्रीका	
रात 8 बजे	स्थान : न्यूयार्क
आस्ट्रेलिया vs इंग्लैंड	
रात 10:30 बजे	स्थान : बारबाडोस

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स पर

कोर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एआइसीटीई ने कोर इंजीनियरिंग करने वालों के लिए शुरू की यशस्वी छात्रवृत्ति योजना
- सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक, मैकेनिकल, केमिकल ब्रांच में रुझान बढ़ाने की तैयारी

कंप्यूटर साइंस, एआइ, रोबोटिक्स व मशीन लर्निंग जैसी इंजीनियरिंग की नई विधाओं के सामने कोर इंजीनियरिंग यानी सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक, मैकेनिकल और केमिकल इंजीनियरिंग के प्रति युवाओं के कम होते रुझान को देखते हुए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) ने अहम पहल की है। इसके तहत कोर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्रों को अब वह छात्रवृत्ति देगी। एआइसीटीई ने इसे लेकर यशस्वी (यंग अचीवर्स स्कालरशिप एंड होलिस्टिक एकेडेमिक स्किल्स वेंचर इनीशिएटिव) नाम से नई छात्रवृत्ति योजना शुरू की है।

एआइसीटीई के चेयरमैन प्रोफेसर टीजी सीताराम ने शुक्रवार को इस नई छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ किया और कहा कि इस पहल से देश के मैन्युफैक्चरिंग उद्योग के क्षेत्र में प्रगति देखने को मिलेगी। वैसे भी इस क्षेत्र के विकास में कोर इंजीनियरिंग की अहम भूमिका है। इस पहल से कोर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में और प्रतिभाशाली युवा निखर कर आएंगे। प्रोफेसर सीताराम ने बताया कि इस पहल का बड़ा मकसद कोर इंजीनियरिंग से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित भी करना है। इस मौके पर परिषद के वाइस–चेयरमैन डा. अभय जेरे व सदस्य सचिव राजीव कुमार भी मौजूद थे।

छात्रों को हर साल मिलेंगे 12 से 18 हजार रुपये : इस योजना के तहत कोर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले पांच हजार छात्र–छात्राओं को हर साल यह छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसमें डिग्री और डिप्लोमा की पढ़ाई करने वाले आधे–आधे छात्र होंगे। वहीं डिग्री करने वाले छात्रों को अधिकतम चार वर्षों के लिए प्रति वर्ष 18 हजार रुपये मिलेंगे, जबकि डिप्लोमा छात्रों को अधिकतम तीन साल तक प्रति वर्ष 12 हजार रुपये दिए जाएंगे। छात्रवृत्ति सीधे छात्रों के खातों में डीबीटी के जरिये भेजी जाएगी।

10वीं व 12वीं के अंकों के आधार पर होगा चयन

छात्रवृति के लिए चयन मेरिट के आधार पर होगा। इस दौरान डिग्री स्तर के लिए चयन में छात्रों की 12वीं की योग्यता को आधार माना जाएगा, जबकि डिप्लोमा स्तर के लिए चयन में छात्रों की 10वीं की योग्यता को आधार बनाया जाएगा। प्रत्येक वर्ष छात्रवृत्ति का नवीनीकरण कराने के लिए छात्रों को अपने संस्थान प्रमुख से एक पत्र के साथ उत्तीर्ण प्रमाण पत्र या मार्कशीट जमा करना होगा। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन वर्ष में एक बार आमंत्रित किए जाएंगे। पात्र उम्मीदवारों से आनलाइन आवेदन लिए जाते है।

फास्टैग और यूपीआइ लाइट में अपने आप जमा हो जाएगा पैसा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आरबीआइ ने दोनों में एक निश्चित अवधि में बैंक खाते से पैसा ट्रांसफर की सुविधा दी
- रेपो रेट को एक बार फिर स्थिर रखने का फैसला, सस्ते कर्ज के लिए अभी और इंतजार

टोल टैक्स का भुगतान करने के लिए फास्टैग और डिजिटल पेमेंट के लिए यूपीआइ लाइट का प्रयोग करने वालों को आरबीआइ ने बड़ी सुविधा दी है। इसके तहत आने वाले समय में फास्टैग और यूपीआइ लाइट में उपभोक्ता के बैंक खाते से अपने आप पैसा जमा हो जाएगा। अभी उपभोक्ता जरूरत पड़ने पर फास्टैग और यूपीआइ लाइट में पैसा ट्रांसफर करते हैं।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, अब फास्टैग और यूपीआइ लाइट में तय समय में निर्धारित राशि अपने आप जमा हो जाएगी। इसके लिए उपभोक्ताओं को ई–मेंडेट (इलेक्ट्रानिक तौर पर फंड ट्रांसफर करने से पहले ग्राहकों से मंजूरी लेने की प्रक्रिया) देना होगा। ई–मेंडेट की मौजूदा व्यवस्था में फंड ट्रांसफर से 24 घंटे पहले ग्राहकों को मैसेज भेजने की अनिवार्यता को खत्म किया जा रहा है। यानी अब ग्राहक कितनी राशि और किस समय (हफ्तावार या महीने वार) फास्टैग या यूपीआइ लाइट में ट्रांसफर करना चाहते हैं, इसे पहले ही निर्धारित कर सकते हैं। आरबीआइ गवर्नर ने यूपीआइ लाइट का उदाहरण देते हुए कहा कि ग्राहक इसमें एक सीमा तय कर सकता है। जैसे ही इस वालेट में जमा राशि तय सीमा से नीचे जाएगी, तुरंत ग्राहक के बैंक खाते से पहले से निर्धारित राशि यूपीआइ लाइट के वालेट में जमा हो जाएगी। इससे यूपीआइ लाइट के विस्तार में मदद मिलेगी। यूपीआइ लाइट से एक दिन में दो हजार रुपये और एक बार में अधिकतम 500 रुपये का भुगतान किया जा सकता है।

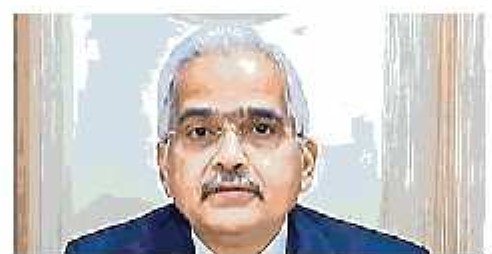

शक्तिकांत दास। फाइल

रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा

आरबीआइ गवर्नर की अध्यक्षता में हुई एमपीसी की बैठक में फिर रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत के स्तर पर स्थिर रखने का फैसला किया गया है। यह लगातार आठवां मौका है जब रेपो रेट स्थिर रखा गया है। इससे होम, आटो लोन व दूसरे कर्ज के ब्याज में कटौती की उम्मीद लगाने वालों को निराशा हुई है। एमपीसी के छह सदस्यों में से दो ने रेपो रेट में 0.25 % कटौती का समर्थन किया, पर आरबीआइ गवर्नर समेत चार सदस्यों ने मौजूदा स्तर का समर्थन किया।

राहुल के आरोपों के बीच शेयर बाजारों में रिकार्ड तेजी

प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से चार जून को शेयर बाजारों में हुई उथल–पुथल को बड़ा स्टाक घोटाला बताने के अगले दिन ही घरेलू बाजारों में बड़ी तेजी रही। इसके साथ ही चार जून को हुई गिरावट की भरपाई भी हो गई। बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 1,618.85 अंक के साथ 76,693.36 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 468.75 अंक या 2.05 प्रतिशत बढ़कर 23,290.15 अंक के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ। (पेज–10)

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में हुई मुठभेड़, सात नक्सली ढेर

नईदुनिया न्यूज, नारायणपुर

- नारायणपुर समेत चार जिलों से लगा है मुठभेड़स्थल, सात से आठ नक्सलियों के घायल होने की भी सूचना

छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ के जंगल में शुक्रवार की शाम सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराया। कई अन्य के घायल होने की भी सूचना है। मौके से कई हथियार मिले हैं। कार्रवाई में तीन जवान भी घायल हुए हैं। ज्ञात हो, इस वर्ष मुठभेड़ में अब तक 120 से अधिक नक्सली मारे जा चुके हैं।

पुलिस के अनुसार, अबूझमाड़ नारायणपुर, दंतेवाड़ा व कोंडागांव जिले के सीमांत क्षेत्र में सौ से अधिक नक्सलियों के होने की सूचना मिली थी। कई जिलों की पुलिस व आइटीबीपी की संयुक्त टीम ने गुरुवार रात तलाशी अभियान शुरू किया। अबूझमाड़ के दुर्गम क्षेत्र में बरसाती नदी–नालों व पहाड़ों को पार कर सुरक्षा बल ने इस अभियान को पूरा किया है। नारायणपुर के एसपी प्रभात कुमार ने कहा कि मुठभेड़ के बाद घटनास्थल को सुरक्षा बल ने सुरक्षित कर लिया है। क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है।

अबूझमाड़ जिले में दो महीने में चौथी बड़ी सफलता पेज>>13

फर्जी एनकाउंटर में पंजाब के पूर्व डीआइजी को सात साल और पूर्व डीएसपी को उम्रकैद

जागरण संवाददाता, मोहाली

- दोषियों ने अदालत से रहम की भीख मांगी, कम सजा देने की अपील की
- जज बोले, यह रेयरेस्ट आफ रेयर की श्रेणी का मामला, दोषी दया के हकदार नहीं

31 साल पुराने फर्जी एनकाउंटर मामले में मोहाली की विशेष सीबीआइ अदालत ने शुक्रवार को पंजाब पुलिस के पूर्व डीआइजी दिलबाग सिंह को सात साल और पूर्व डीएसपी गुरबचन सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनों ने अदालत से न्यूनतम सजा देने की अपील की, पर न्यायाधीश ने कहा, यह केस दुर्लभतम (रेयरेस्ट आफ रेयर) की श्रेणी में आता है। ऐसे में दोषियों पर किसी प्रकार की दया नहीं की जा सकती। गुरुवार को कोर्ट ने दोनों को दोषी करार दिया था।

बता दें कि 1993 में जब इस घटना को अंजाम दिया गया था तब दिलबाग सिंह तरनतारन के डीएसपी और गुरबचन सिंह थानेदार के पद पर तैनात थे। दिलबाग और गुरबचन ने 26 जून, 1993 को तरनतारन के जंडियाला रोड पर सब्जी बेचने वाले गुलशन कुमार, उसके भाइयों प्रवीण कुमार और बोबी कुमार को हिरासत में लिया था। बाद में प्रवीण व बोबी को छोड़ दिया, पर गुलशन को नहीं छोड़ा। पुलिस ने 22 जुलाई 1993 को तरनतारन के पलासौर गांव के समीप आतंकी मुठभेड़ बताकर गुलशन कुमार, मुरादपुरा के हरजिंदर सिंह, जीरा के सगे भाइयों करनैल सिंह व जरनैल सिंह को मार गिराया। अगले दिन गुलशन के पिता चमनलाल चाय लेकर गए तो पता चला कि बेटा एनकाउंटर में मारा गया है। पुलिस ने चारों शवों को लावारिस करार देकर श्मशानघाट में अंतिम संस्कार करा दिया। चमनलाल ने सुप्रीम कोर्ट तथा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र भेजकर एनकाउंटर की शिकायत की थी। आखिर मामले की सीबीआइ जांच कराई गई। सात मई, 1999 को सीबीआइ की जांच में दिलबाग सिंह, गुरबचन सिंह, एएसआइ दविंदर सिंह, अर्जुन सिंह, बलबीर सिंह के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई। केस के दौरान अर्जुन सिंह, बलबीर सिंह और दविंदर सिंह की मौत हो गई। न्याय की आस में 2016 को चमन लाल भी दुनिया को अलविदा कह गए।

फर्जी एनकाउंटर में मारे गए गुलशन कुमार की तस्वीर दिखाते हुए भतीजा शिवा। जागरण

सम्मान

वंदे भारत के कर्मचारी और ट्रांसजेंडर भी समारोह में होंगे शामिल, केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों, विकसित भारत एंबेसडर को भी न्योता

सफाईकर्मियों, श्रमिकों को भी शपथ ग्रहण में शामिल होने का निमंत्रण

नई दिल्ली, आइएएनएस : नरेन्द्र मोदी नौ जून को जब तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रचेंगे तो शपथग्रहण समारोह में आम लोगों का भी प्रतिनिधित्व दिखेगा। समारोह में ऐसे लोग भी दिखेंगे जो भले ही बड़े पद पर न हों लेकिन देशसेवा में योगदान दिया है। सफाईकर्मी, ट्रांसजेंडर और सेंट्रल विस्टा परियोजना में काम करने वाले श्रमिक भी विशेष अतिथियों में शामिल होंगे।

विशेष आमंत्रितों में केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थी और विकसित भारत के एंबेसडर भी होंगे। वंदे भारत और मेट्रो ट्रेनों पर काम करने वाले रेलवे कर्मचारियों को शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। पीएम मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने वाले दूसरे व्यक्ति होंगे। राष्ट्रपति भवन में आठ हजार से अधिक मेहमानों के लिए व्यवस्था की जा रही है।

पहली महिला लोको पायलट सुरेखा शपथ को मिला है न्योता : भारत की पहली लोको पायलट सुरेखा यादव शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगी, सेंट्रल रेलवे के अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि सुरेखा उन 10 लोको पायलटों में शामिल हैं जिन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। सतारा की रहने वाली सुरेखा 1988 में भारत की पहली महिला लोको पायलट बनीं। वह सोलापुर और मुंबई में सीएसएमटी के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली महिला लोको पायलट हैं।

हमारे जागरण संवाददाता के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में रांची रेल डिवीजन के लोको पायलट एएसपी तिर्की को भी आमंत्रित किया गया है। तिर्की रांची– बनारस रांची– हावड़ा वंदे भारत ट्रेन के लोको पायलट हैं। वह पिछले 34 वर्षों से रेलवे में सेवा दे रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बुलावा आने के बाद तिर्की ने कहा–यह मेरे जीवन की बड़ी उपलब्धि है।

सुरेखा यादव। फाइल

एएसपी तिर्की। फाइल

श्रीनी श्रीवास्तव। फोटो–स्वयं

बनारस की लोको पायलट श्रीनी को भी बुलावा

हमारे वाराणसी कार्यालय के अनुसार बनारस रेल मंडल की सहायक लोको पायलट श्रीनी श्रीवास्तव को भी शपथ ग्रहण समारोह के लिए बुलावा आया है। शुक्रवार सुबह उन्हें रेल भवन से उनके मोबाइल पर फोन कर यह जानकारी दी गई। पूर्वोत्तर रेल जोन में पहली महिला सहायक लोको पायलट के रूप में वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन करने के लिए उनका चयन किया गया है। श्रीनी ने बताया कि नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेते देखना जीवन की सबसे बड़ी खुशी होगी।

****

1414 विद्यार्थी इस साल दिल्ली सरकार के सरकारी स्कूलों से नीट की परीक्षा में पास हुए हैं। 2020 में ये संख्या 569 थी, अब 2024 में ये संख्या लगातार बढ़ते हुए 1414 पहुंच गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण दैनिक जागरण शनिवार 8 जून, 2024

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने और हल्की वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
8 जून	42.0	29.0
9 जून	43.0	29.0
नोएडा		
8 जून	43.0	31.0
9 जून	43.0	31.0
गुरुग्राम		
8 जून	43.0	29.0
9 जून	43.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

नीट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के परीक्षा परिणामों में दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के प्रदर्शन को लेकर शिक्षा मंत्री आतिशी ने प्रेस कांफ्रेंस कर विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के शिक्षा माडल ने एक बार फिर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को 1400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने कहा कि इस साल दिल्ली सरकार के स्कूलों के 1414 विद्यार्थी नीट की परीक्षा में पास हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2020 में ये संख्या 569 थी, 2021, 2022, 2023 और अब 2024 में ये संख्या लगातार बढ़ते हुए 1414 पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि डा. बीआर आंबेडकर स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के एसटीईएम विशेषता वाले स्कूल के 255 बच्चों ने नीट की परीक्षा दी और उनमें से 243 बच्चों ने ये परीक्षा उत्तीर्ण की। (जासं)

40 हजार रिश्वत लेते सेल्स टैक्स आफिसर गिरफ्तार

नई दिल्ली: एक कंपनी के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) के मामले का समाधान करने के एवज में कंपनी मालिक से 40 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए सीबीआइ ने सेल्स टैक्स आफिसर क्लास-दो सुनील को गिरफ्तार किया है। सीबीआइ ने एक शिकायत के आधार पर पांच जून को आरोपित सेल्स टैक्स आफिसर क्लास-दो सुनील के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपित ने शिकायतकर्ता के ग्राहक मैसर्स गुप्ता एजेंसी के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के समाधान करने एवं उक्त एजेंसी के पंजीकरण को रद करने की कार्रवाई को समाप्त करने के लिए एक लाख की रिश्वत की मांग की थी। बातचीत के बाद 40 हजार की रिश्वत स्वीकार करने पर सहमत हो गया। (जासं)

'केजरीवाल को आर्थिक अपराध से जोड़ने के लिए पर्याप्त साक्ष्य'

एजेंसी ने कहा ▸ दिल्ली के सीएम की नियमित जमानत याचिका का ईडी ने किया विरोध

182 पन्नों का जवाब दाखिल किया, अब 14 जून को होगी मामले की सुनवाई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल। फाइल

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नियमित जमानत याचिका का ईडी ने विरोध किया है। ईडी ने अदालत के समक्ष दावा किया कि उसके पास केजरीवाल को गंभीर आर्थिक अपराध से जोड़ने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं। साथ ही दलील दी कि अगर केजरीवाल को जमानत पर रिहा किया गया, तो इस बहुस्तरीय षड्यंत्र का पता लगाने के लिए आगे की जांच पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मामले में सुनवाई 14 जून के लिए स्थगित कर दी। अगली सुनवाई अवकाश न्यायाधीश मुकेश कुमार के करने की संभावना है।

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान केजरीवाल और ईडी के अधिवक्ता के बीच तीखी बहस हुई। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने अदालत से शनिवार तक के लिए स्थगन मांगा। दलील दी कि ईडी की ओर से दायर 182 पन्नों के जवाब की प्रति सुनवाई से कुछ समय पहले ही मिली है, जिसे पढ़ने के लिए समय चाहिए। अग्रिम प्रति का मतलब यह नहीं है कि ईडी इसे सुनवाई से आधे घंटे पहले दे। इस पर अदालत ने कहा कि ईडी का यह तरीका ठीक नहीं है।

ईडी की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने सुनवाई शनिवार के लिए स्थगित करने के अनुरोध का विरोध किया। कहा कि शनिवार से कोर्ट की छुट्टियां शुरू हो रही हैं। हमारे पास केवल अरविंद केजरीवाल का मामला नहीं है। बहुत सारे मामले हैं, जिनको देखना होता है। हम पर बहुत अधिक बोझ है। उन्होंने दलील दी कि अगर मामला अवकाश न्यायाधीश के समक्ष रखा जाता है तो उन्हें अपनी छुट्टी कम करनी होगी।

इस पर हरिहरन ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि जमानत के मामले में अभियोजन पक्ष यह कहे कि चूंकि मैं छुट्टी पर हूं, इसलिए जमानत मामले पर सुनवाई नहीं हो सकती है। एएसजी ने कहा कि वे ईडी के जवाब पर भरोसा किए बिना मामले पर बहस कर सकते हैं। सुझाव दिया कि आज प्रस्तुत ईडी के जवाब को रिकार्ड पर लेने की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद हरिहरन ने कहा कि ईडी अदालत की छुट्टियों का हवाला देकर जमानत की सुनवाई को लंबा नहीं खींच सकती और अवकाश पीठ के समक्ष सुनवाई का विरोध भी नहीं कर सकती है। छुट्टियों का मतलब ये नहीं कि विभाग बंद हो जाएं। सवाल किया कि उनके मुवक्किल को इस तरह दो सप्ताह तक जेल में रखकर इंतजार क्यों कराया जाए?। अदालत ने सुनवाई के लिए अगली तारीख शनिवार की जगह 14 जून दी। इससे पहले अदालत ने मेडिकल आधार पर केजरीवाल की ओर से दायर अंतरिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी।

कविता के खिलाफ सीबीआइ के पूरक आरोपपत्र पर कोर्ट लेगी संज्ञान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद बीआरएस नेता के. कविता की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मामले में सीबीआइ ने राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पूरक आरोपपत्र दायर किया। अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेना है या नहीं इसके लिए मामले की अगली सुनवाई छह जुलाई को तय की। वहीं, अदालत ने मामले में कविता की न्यायिक हिरासत भी 21 जून तक बढ़ा दी।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को सीबीआइ ने अप्रैल में तिहाड़ जेल में गिरफ्तार किया था, जहां उन्हें इसी से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी की गिरफ्तारी के बाद रखा गया था। ईडी ने कविता को 15 मार्च को हैदराबाद में उनके बंजारा हिल्स स्थित आवास से गिरफ्तार किया था। कविता फिलहाल दोनों मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई अधिकारियों ने इससे पहले विशेष अदालत से अनुमति प्राप्त करने के बाद जेल के अंदर कविता से पूछताछ की थी। कविता से सह-आरोपित बुची बाबू के फोन से बरामद वाट्सएप चैट और एक भूमि सौदे से संबंधित दस्तावेज के बारे में पूछताछ की गई, जिसके बाद दिल्ली की आबकारी नीति को शराब व्यापारियों के पक्ष में करने के लिए आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई थी।

मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार की जमानत याचिका खारिज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

विभव कुमार।

कहा- आरोपित को रिहा किया जाता है तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में गिरफ्तार सीएम के निजी सहायक विभव कुमार की जमानत याचिका तीस हजारी कोर्ट ने खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि अगर आरोपित को रिहा किया जाता है तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

यह दूसरी बार है जब अदालत ने विभव की जमानत याचिका खारिज की है। सत्र न्यायाधीश एकता गौबा मान ने कहा कि जांच शुरुआती चरण में है और पीड़िता के मन में अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर डर है, क्योंकि उसे लगातार धमकियां मिल रही हैं। ऐसे में इस बात की भी पूरी आशंका है कि आरोपित अगर रिहा हुआ तो गवाहों को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने कहा कि जमानत याचिका में कोई योग्यता नहीं दिखती।

इससे पहले अदालत ने 31 मई को विभव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। विभव को 18 मई को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें उसी दिन मजिस्ट्रेट अदालत ने पांच दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

तेजी से सुनवाई के हाई कोर्ट ने जारी किए निर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आबकारी घोटाला मामले में सीबीआइ द्वारा की जा रही जांच में शीघ्र सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को कुछ निर्देश जारी किए है। आरोपित हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्रन पिल्लई द्वारा दायर याचिका पर निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने निर्णय सुनाया कि लिखित प्रस्तुतियां दाखिल करना पसंद करने वाले अधिवक्ता बहस समाप्त करने वाले दिन ही इसे दाखिल कर सकते हैं। अब यह आरोपी व्यक्तियों पर निर्भर करेगा कि वे त्वरित सुनवाई के उद्देश्य से व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से आरोप पर बहस को संबोधित करने में कितना समय लेंगे। पीठ ने आदेश दिया कि ट्रायल कोर्ट से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि इसके लिए छोटी तारीखें दी जाएं।

एसीबी 44 अस्पतालों में कमियों की रिपोर्ट सतर्कता विभाग को भेजेगी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- एक सप्ताह में एसीबी ने 62 निजी अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं का किया निरीक्षण
- कृष्णा नगर, कोंडली, राजौरी गार्डन व देवली में चार अस्पताल बिना लाइसेंस चलते मिले थे

दिल्ली के 44 अस्पतालों की जांच रिपोर्ट भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने सतर्क विभाग को भेजने की तैयार कर ली है। एसीबी ने एक सप्ताह में 62 अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं, पंजीकरण और नियामक प्रबंधन की जांच की थी। जिसमें से चार अस्पताल बिना लाइसेंस के चलते पाए गए थे जबकि 40 में कमियां पाई गई थीं। विवेक विहार में 25 मई को बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में आग लगने से सात शिशुओं की मौत के बाद उप राज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर एसीबी ने यह जांच की थी।

एसीबी के संयुक्त आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि पहले चरण में 62 निजी अस्पताल एवं नर्सिंग होम की जांच की गई है। कृष्णा नगर, कोंडली, राजौरी गार्डन और देवली स्थित चार अस्पताल बिना पंजीकरण चलते मिले थे। ये अस्पताल लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाणपत्र दिखाने में विफल रहे थे। बाकी 40 अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं के साथ कई अन्य विसंगतियां पाई गई थीं। कुछ स्वीकृत क्षमता से अधिक बेड के साथ संचालित थे। कुछ बिना फायर एनओसी, उचित अग्निशमन उपायों, पुराने अग्निशामक यंत्रों या समाप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र के चल रहे थे।

एसीबी के अधिकारी ने कहा कि पहले चरण के निरीक्षण के बाद बनाई गई रिपोर्ट सतर्कता विभाग को भेजी जाएगी। इस रिपोर्ट के आधार पर सतर्कता विभाग दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई करने का निर्देश देगा। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह इन अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। एसीबी का कहना है कि जल्द ही निरीक्षण का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा।

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध की कोशिश, तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- संसद भवन में पेव कंपनी की तरफ से काम पर रखे गए थे तीनों श्रमिक
- मोनिस के आधार कार्ड में कासिम की फोटो लगाने से पकड़ में आया मामला

संसद भवन में घुसने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपित। सौजन्य-पुलिस

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने के आरोप में तीन श्रमिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान उप्र के हापुड़ के रहने वाले कासिम, शोएब और अमरोहा के मोनिस के रूप में हुई है। तीनों की उम्र करीब 18 साल है, जो संसद भवन में निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार शाहनवाज आलम के अधीन काम कर रहे थे। केस दर्ज कर तीनों को तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। इससे पूर्व पुलिस के अलावा आइबी व रा आदि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने आरोपितों से पूछताछ की। जांच से पता चला है कि तीनों श्रमिक हैं। उनका कोई आतंकी या अन्य संदिग्ध कनेक्शन सामने नहीं आया।

पुलिस के मुताबिक, इन श्रमिकों के पास अस्थायी एंट्री पास थे। गेट संख्या तीन पर संसद की सुरक्षा में तैनात सीआइएसएफ ने तीनों को रोककर जब अस्थायी पास के अलावा आइ-कार्ड दिखाने को कहा तो दो श्रमिकों के पास एक ही नंबर का आधार कार्ड मिला। इसके बाद तीनों को हिरासत में लेकर संसद मार्ग थाना पुलिस को सौंप दिया गया। तीनों श्रमिक पेव कंपनी के लिए काम रहे थे। इस कंपनी पर सांसदों के आराम करने के लिए बनाए जा रहे एमपी लांज के आइजी-सात और टीकेआर दो एरिया में काम करने की जिम्मेदारी थी। पुलिस के मुताबिक, शोएब उमर गेट नंबर वन जामा मस्जिद इलाके में रहता है और मूल रूप से हापुड़ का रहने वाला है। संसद में निर्माण कार्य कराने वाला ठेकेदार शाहनवाज आलम अमरोहा का रहने वाला है। चार जून को शोएब ने कासिम और मोनिस को काम करने के लिए बुलाया था। जब उसे पता चला कि कासिम के पास आधार कार्ड नहीं है तब उसने गलत तरीके से मोनिस के आधार कार्ड में कासिम की फोटो लगा दी और उसको मोनिस बनाकर पेश किया, ताकि वह संसद भवन में जा सके, लेकिन चेकिंग के दौरान सीआइएसएफ स्टाफ को शक हुआ और उन्होंने तीनों को पकड़ कर संसद मार्ग पुलिस को सौंप दिया।

स्वजन बोले, मोनिस के पास असली आधार कार्ड: अमरोहा के हसनपुर निवासी मोनिस के स्वजन ने कहा कि वह अन्य युवकों के साथ दिल्ली गया था। उसके पास असली आधार कार्ड है। ठेकेदार ने ही फर्जी आधार कार्ड बनवाया होगा।

संसद सुरक्षा में सेंध मामले में छह के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले दिल्ली पुलिस ने छह आरोपितों के खिलाफ पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। दिल्ली पुलिस ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष आरोपित मनोरंजन डी, ललित झा, अमोल शिंदे, महेश कुमावत, सागर शर्मा और नीलम आजाद के खिलाफ यूएपीए और आइपीसी की संबंधित धाराओं के तहत 1000 पन्नों का अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया। विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने यह भी प्रस्तुत किया कि आइपीसी की धारा 186 और यूएपीए की धारा 13 के तहत अभियोजन के लिए मंजूरी का इंतजार है। इसके लिए दो सप्ताह में पूरक आरोप पत्र भी दाखिल किया जाएगा। अदालत ने पूरक आरोप पत्र दाखिल करने के लिए मामले को 15 जुलाई को सूचीबद्ध किया है।

कोर्ट में मामला जाने के बाद हरियाणा और कम पानी छोड़ रहा : आतिशी

- हरियाणा पर हिमाचल प्रदेश से दिल्ली तक पानी पहुंचने में बाधा डालने का भी आरोप

‹‹ वजीराबाद बैराज पर जलाशय का निरीक्षण करती दिल्ली की जल मंत्री आतिशी। सौजन्य दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार वजीराबाद बैराज का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार दिल्ली के लोगों के विरुद्ध षड्यंत्र रच रही है। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में पानी की समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहा है, परंतु हरियाणा सरकार लगातार दिल्ली के हिस्से के पानी को रोक रही है। इस कारण वजीराबाद जलाशय का जल स्तर गिर रहा है। दो जून को जल स्तर 671.3 फीट था और सात जून को घटकर 669.7 फीट ही रह गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दो जून को जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में गया, उसी दिन से हरियाणा ने दिल्ली की तरफ पानी छोड़ना कम कर दिया है। दिल्ली जल आपूर्ति के लिए यमुना पर निर्भर है। यमुना में वही पानी आता है, जो हरियाणा से छोड़ा जाता है। पानी वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) को मिलता है। जब हरियाणा से कम पानी छोड़ा जाएगा, तो इसका असर डब्ल्यूटीपी पर पड़ेगा। इससे कम उपचारित पेयजल मिलेगा। हिमाचल से मिलने वाला पानी दिल्ली तक पहुंचे, इसमें हरियाणा सरकार बाधा डाल रही है।

तेजस राजधानी एक्सप्रेस की एक बोगी बेपटरी, कोई आहत नहीं

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर तेजस राजधानी एक्सप्रेस के पटरी से उतरे पहिये। जागरण

भुवनेश्वर से नई दिल्ली को जा रही तेजस राजधानी एक्सप्रेस की एक बोगी शुक्रवार सुबह 9:40 बजे गाजियाबाद जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर चार पर तकनीकी खामियों से बेपटरी हो गई। बोगी के चार पहिये पटरी से उतर गए व करीब 200 मीटर तक बोगी घिसटती चली गई। पहिये ट्रैक से उतरने की जानकारी पर यात्रियों की सांसें अटक गईं। बोगी के बेपटरी होने की सूचना तुरंत रेलवे अधिकारियों को मिल गई। रेलवे के स्थानीय अधिकारियों के साथ ही डीआरएम भी दुर्घटना सहायता यान के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सबसे पहले बेपटरी हुई बोगी को ट्रेन से अलग कर इस बोगी में सवार यात्रियों को दूसरी बोगी में बैठाकर ट्रेन को रवाना किया गया। इसमें एक घंटे का समय लगा।

ट्रैक की जांच के लिए रेलवे के तकनीकी अधिकारियों की टीम भी पहुंची। उसने ट्रैक का तकनीकी मुआयना किया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, जांच में पाया गया है कि तकनीकी खामी से बोगी का पहिया ट्रैक से नीचे उतरा है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई आहत नहीं हुआ है। वहीं 23 डिब्बों में सवार डेढ़ हजार से अधिक यात्रियों को अधिकारियों ने सुरक्षित दिल्ली भिजवाया।

मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरकर पलटे: फरीदाबाद : ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के पास कोयले से लदी मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इससे तीन डिब्बे पटरी से उतर गए और कोयला पटरी पर बिखर गया। अर्थमूवर की मदद से डिब्बों को पटरी से साइड किया गया और कोयले को हटाया गया।

मतदाताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद: टीला मोड़ थाना पुलिस ने लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद मतदाताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले दो युवकों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है।

इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें एक युवक कार में बैठा है। वह लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद मतदाताओं पर अभद्र टिप्पणी व गाली गलौज करता दिख रहा है। युवक की पहचान दिल्ली शास्त्रीनगर के दीपक चौधरी उर्फ दक्ष चौधरी और अशोक वाटिका टीला मोड़ के ईशू चौधरी के रूप में हुई। टीला मोड़ थाना पुलिस के उपनिरीक्षक ओमवीर की ओर से दोनों के खिलाफ टीला मोड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दक्ष चौधरी व ईशू चौधरी हिंदू रक्षा दल से जुड़े हैं। दक्ष चौधरी दिल्ली चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार को थप्पड़ मारने के बाद चर्चा में आया था।

20 करोड़ की प्रापर्टी हड़पने को पार्टनर की हत्या, चार गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

- दिल्ली में 28 फरवरी को मर्डर कर आरोपितों ने शव को मुरादनगर गंग नहर में फेंका

शालीमार गार्डन थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपित। जागरण

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के नीति खंड के प्रापर्टी डीलर राकेश वार्ष्णेय की हत्या 28 फरवरी को उनके पार्टनर ने 20 करोड़ रुपये की प्रापर्टी हड़पने के लिए तीन साथियों के साथ मिलकर दिल्ली में की। शव को मृतक की कार में ले जाकर मुरादनगर गंग नहर में फेंक दिया। दिल्ली में मामले में गुमशुदगी दर्ज थी। फिर प्रापर्टी डीलर राकेश वार्ष्णेय की पत्नी ने 30 मई को शालीमार गार्डन पुलिस ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शुक्रवार को कई चौंकाने वाले खुलासे करते हुए पार्टनर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मृतक के कपड़े, जूते, पर्स आदि बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि पकड़े गए आरोपित यमुना विहार थाना भजनपुरा दिल्ली का राजू उपाध्याय, उस्मानपुर दिल्ली का अनुज गर्ग, गांधीनगर दिल्ली का कृष्ण अग्रवाल और जैनपुर कोतवाली देहात जिला बुलंदशहर का हरीश कुमार शर्मा है। मुख्य आरोपित राजू उपाध्याय है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि राजू उपाध्याय राकेश का पार्टनर था। राजू ने राकेश की मुरादाबाद में 20 करोड़ रुपये की एक जमीन को बेचने के लिए 19 मई 2023 को वसीयत व पावर आफ अटार्नी अपने मिलने वाले मनीष सिंघल के नाम करायी थी। इसी जमीन को हड़पने के लिए राजू उपाध्याय ने दिसंबर में ही राकेश की हत्या करने की योजना बनाई थी।

नए आपराधिक कानून में पीड़ित कहीं से भी करा सकते हैं एफआइआर

जागरूक

एक जुलाई को नया आपराधिक कानून होगा लागू, पहले दिन से ही पुलिस का कामकाज करने का तरीका नए कानून के हिसाब से होगा

विनीत कुमार ● जागरण

- केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान कानून के छात्र, चिकित्सक, पुलिसकर्मी, जेल समेत अन्य जांच एजेंसियों को कर रहा है जागरूक

गाजियाबाद: नए आपराधिक कानून एक जुलाई से लागू होंगे। नए कानून में पीड़ित को मारपीट व चोरी जैसे मामलों में एफआइआर कहीं से भी दर्ज कराने का अधिकार है। मेल पर ई-एफआइआर भेजी जा सकती है। पुलिस के पास जाकर तीन दिन में ऐसी शिकायत का प्रिंट देना होगा। प्रिंट देने के बाद पुलिस को 14 दिन का वक्त प्रारंभिक जांच के लिए तय है। यानी 14 दिन में पुलिस तय करेगी कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज हो या नहीं। इलेक्ट्रानिक साक्ष्य अब जरूरी व अहम हो गए हैं। पुलिस के कामकाज में ऐसे ही कई बदलाव एक जुलाई से प्रभावी होंगे।

भारतीय न्याय संहिता-2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 व भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 एक जुलाई से लागू होंगे। देश के कई राज्यों के पुलिस, न्यायपालिका व जेल अधिकारियों को कमला नेहरू नगर स्थित केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान (सीडीटीआइ) में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नए कानून में फारेंसिक और इलेक्ट्रोनिक साक्ष्य की भूमिका अहम है। घटनास्थल पर पुलिस को आडियो-वीडियो रिकार्डिंग जरूर करानी होगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के प्रावधानों में विदेश में बैठे अपराधियों की संपत्ति भी सरकार कुर्क कर सकती है। कानून में 19 ऐसे अपराध चिह्नित किए गए हैं, जिनमें कोर्ट से घोषित भगोड़ों की संपति कुर्क की जा सकती है। भगोड़ा को रिवीजन दाखिल करने के लिए कोर्ट में उपस्थिति जरूरी किया गया है।

यह भी हुआ बदलाव

- इलेक्ट्रानिक माध्यम से गवाही मान्य, इलेक्ट्रानिक माध्यम से भेजे गए समन भी मान्य
- पहली बार अपराध करते पकड़े जाने पर कोर्ट अपराध की प्रकृति को देख कम्युनिटी सर्विस की सजा भी सुना सकती है
- चिकित्सक को सात दिन में मेडिकल रिपोर्ट जांच अधिकारी को देना होगा। अभी तक इसकी समय-सीमा तय नहीं है
- हर जिले में फारेंसिक लैब खोले जाएंगे। पांच साल की समय-सीमा तय है
- कोर्ट में केस का ट्रायल पूरा करने के 45 दिन में फैसला दिया जाना अनिवार्य किया गया है। फैसला सात दिन में अपलोड करना होगा।

धोखेबाज को अब 420 नहीं कहेंगे जनाब, बदल गई धारा

सीडीटीआइ नए कानून की जानकारी मुहैया कराने के लिए लगातार प्रशिक्षण व कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। जेल, अस्पताल, पुलिस, दमकल, कानून के छात्रों को नए कानून की जानकारी दी जा रही है। - सचिन गुप्ता, निदेशक, राष्ट्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान, गाजियाबाद

- आईपीसी कानून में 511 धाराएं थीं, जबकि भारतीय न्याय संहिता-2023 यानी बीएनएस में 358 धाराएं होंगी। नए कानून में 21 नए अपराधों को भी सम्मलित किया गया है।

50 पौधे लगाने की शर्त पर हाई कोर्ट ने रद की दहेज उत्पीड़न की प्राथमिकी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: वैवाहिक विवाद के बाद हुई दहेज उत्पीड़न से जुड़ी प्राथमिकी को दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को पौधे लगाने की शर्त पर रद करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंहदीरत्ता की पीठ ने कहा कि दोनों पक्षों ने आपसी समझौते से मामले को हल कर लिया है और मामले को जारी रखने से कोई फायदा नहीं होगा। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को तीन फीट ऊंचाई के 50 पौधे डाबरी पुलिस थाना क्षेत्र में लगाने का आदेश दिया जाता है। साथ ही संबंधित एसएचओ को निर्देश दिया जाता है कि पौधे की तस्वीरों सहित रिपोर्ट आठ सप्ताह में अदालत में दाखिल की जाएगी।

अदालत ने निर्देश दिया कि ऐसा नहीं करने पर याचिकाकर्ताओं को दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण में 50 हजार रुपये का भुगतान करना होगा।

****

18 वीं लोकसभा का पहला सत्र 15 जून से प्रारंभ होने की संभावना है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि तिथि पर अंतिम फैसला नई कैबिनेट करेगी। पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों को सदन के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई जाएगी।

नई दिल्ली में शुक्रवार को नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट कर सरकार गठन का दावा प्रस्तुत किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने के साथ मीठी दही खिलाई। एएनआइ

इस कार्यकाल में भी तेज गति से विकास करता रहेगा देश : मोदी

- कहा, 10 वर्षों तक पीएम के रूप में कार्य करने का अनुभव, इसका बखूबी करूंगा उपयोग
- नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए और ज्यादा प्रयास करेगी राजग सरकार 3.0

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 18वीं लोकसभा उन सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जब देश 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। उन्होंने कहा कि 18वीं लोकसभा नई ऊर्जा एवं युवा ऊर्जा का सदन होगी। यह नई सीमाएं तय करेगी। उन्होंने कहा कि उनके इस कार्यकाल में भी देश हर क्षेत्र में तेज गति से विकास करता रहेगा और अब देश को तेज गति से आगे लेकर जाएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद राष्ट्रपति भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में मोदी ने बताया कि राष्ट्रपति ने उनसे नामित प्रधानमंत्री के रूप में काम करने के लिए कहा है। जल्द ही शपथ लेने वाली मंत्रिपरिषद की सूची उन्हें सौंप दी जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजग सरकार 3.0 देश के विकास और नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए और ज्यादा प्रयास करेगी और इसमें कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। राजग सरकार 3.0 नई ऊर्जा और व्यापक दृष्टिकोण से काम करेगी। उन्होंने कहा, ''राजग सरकार 1, 2 और अब 3... यह निरंतरता है। हम अपने संकल्पों, सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और आम लोगों के सपनों को पूरा करने के प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए अधिक दूरदर्शिता और व्यापकता के साथ देश को आगे ले जाएंगे। 10 वर्षों के इस कार्यकाल में भारत दुनिया के लिए विश्वबंधु के रूप में उभरा है। इसका अधिकतम लाभ अब मिलना शुरू हो रहा है। मुझे विश्वास है कि अगले पांच वर्ष वैश्विक परिवेश में भी भारत के लिए बहुत उपयोगी होने वाले हैं। दुनिया कई संकटों, कई तनावों, आपदाओं से गुजर रही है... हम भारतीय सौभाग्यशाली हैं कि इतने बड़े संकटों के बावजूद आज हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में जाने जाते हैं। विकास के लिए दुनिया में हमारी प्रशंसा भी हो रही है। मुझे 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री का कार्य करने का अनुभव है और मैं इस अनुभव का बखूबी उपयोग करूंगा। यह बहुत फायदेमंद होगा क्योंकि हमारे लिए काम को तुरंत ही बहुत तेजी से आगे बढ़ाना काफी आसान हो जाएगा।'इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी को भाजपा संसदीय दल का नेता चुनने संबंधी पत्र राष्ट्रपति को सौंपा। बाद में राष्ट्रपति ने मोदी को नियुक्ति पत्र सौंपा।

> माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजग नेता और नामित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दही खिलाकर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार बनाने का निमंत्रण दिया।
> – भाजपा (एक्स पर पोस्ट)

'मंत्री बनाने वाली फर्जी फोन कालों से सावधान रहें सांसद'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्र में तीसरी राजग सरकार के गठन की तैयारी और संभावित मंत्रियों के नामों को लेकर चल रही अटकलों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसदों को आगाह किया है कि वे मंत्री बनाने वाली फर्जी फोन कालों से सावधान रहें और उनके जाल में न फंसे। राजग सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग मोदी को जानते हैं, उन्हें पता है कि ये प्रयास निरर्थक हैं। उन्होंने कहा, यह देश ब्रेकिंग न्यूज से नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री ने सवा घंटे से अधिक लंबे भाषण के अंत में जब मंत्री पद को लेकर चल रहीं अटकलों की चर्चा की तो लगभग सभी सांसद मुस्कराने लगे। प्रधानमंत्री ने कहा, आप ऐसे फोनों पर भरोसा करने से पहले 10 बार जरूर सोचिएगा। अब तो तकनीक इतनी आगे पहुंच गई है कि लोग मंत्रियों की सूची तक बना डालेंगे जिस पर मेरे फर्जी हस्ताक्षर होंगे, तमाम लोग और विभाग बांटने में व्यस्त हैं, ऐसे लोगों के जाल में मत फंसिए।

पीएम मोदी के शपथ समारोह में आ सकते हैं मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू

नई दिल्ली, जेएनएन: मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने आगामी नौ जून को होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। ऐसे में उनके समारोह में शामिल होने की संभावना है। समारोह के लिए सात पड़ोसी देशों की सरकारों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। उधर, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' रविवार को भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आएंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

'तुलसी भाई' ने दी बधाई, तो पीएम ने उन्हें धन्यवाद दिया

टेड्रोस अधानम गेब्रेसस। फाइल

नई दिल्ली, आइएएनएस : आम चुनावों में जीत हासिल करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वैश्विक नेताओं की ओर से बधाई संदेश मिलने का सिलसिला जारी है। इस क्रम में पीएम को 'तुलसी भाई' ने भी बधाई दी है। इस पर मोदी ने भी उन्हें धन्यवाद दिया है। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अधानम गेब्रेसस 2022 में जब गुजरात में आयोजित 'वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार सम्मेलन' में भाग लेने आए थे, तो उन्होंने पीएम से अपने लिए कोई गुजराती नाम रखने का अनुरोध किया था। पीएम ने कहा था कि एक गुजराती के रूप में मैं आपको 'तुलसी भाई' कहूंगा। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने पोस्ट किया, पीएम मोदी को दोबारा चुने जाने पर बधाई। आशा करता हूं कि 'सबके लिए स्वास्थ्य' की खातिर डब्ल्यूएचओ व भारत के बीच सहयोग जारी रहेगा।

नीतीश–नायडू ने किया आश्वस्त, हम मोदी सरकार के साथ

राजनीतिक चर्चाओं को विराम देते हुए नीतीश ने कहा, अब कहीं नहीं जाएंगे

बिहार के सीएम ने परोक्ष रूप से विशेष राज्य के दर्जे की भी दिलाई याद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नई दिल्ली में शुक्रवार को संविधान सदन में राजग संसदीय दल की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू भी उपस्थित रहे। वीडियोग्रैब/प्रेट्र

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार बनने जा रही राजग सरकार के प्रति भाजपा के सहयोगी दलों ने भी पूरी प्रतिबद्धता दिखाई। जदयू, तेदेपा, लोजपा, रालोद एवं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख नेताओं ने मोदी को आश्वस्त किया कि 'सबका साथ, सबका विकास' और विकसित भारत के लिए वे मोदी सरकार के भागीदार बने रहेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार एवं तेदेपा अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने विपक्ष की उम्मीदों व राजनीतिक चर्चाओं को विराम देते हुए स्पष्ट किया कि वे कहीं नहीं जाएंगे।

राजग संसदीय दल की बैठक में नीतीश कुमार ने नरेन्द्र मोदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। भरोसा है। देश बहुत आगे बढ़ेगा। चंद्रबाबू और नीतीश की कुर्सी मोदी के बगल में लगी थी। दोनों के चेहरे पर उत्साह था। सहजता की झलक थी। उनकी बातों पर केंद्रीय कक्ष में कई बार तालियां भी बजीं।

नीतीश ने विपक्ष पर हमला बोलकर उन चर्चाओं को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि वह विपक्ष के साथ भी जा सकते हैं। नीतीश ने कहा कि विपक्षी दलों ने देश के लिए कुछ नहीं किया। कुछ भी हो जाए। अब कहीं नहीं जाएंगे। जो लोग इधर-उधर जीत गए हैं। अगली बार सब हारेंगे। नीतीश ने सरकार के जल्द गठन का सुझाव देते हुए कहा कि हम चाहते थे कि आप आज ही शपथ लें। किंतु आपने रविवार का दिन तय किया है तो कोई बात नहीं। बिहार लंबे समय से विशेष राज्य के दर्जे का आग्रही रहा है। नीतीश ने संकेतों में मोदी से आग्रह किया कि 10 वर्षों में आपने काफी कुछ किया है। भरोसा है कि अब जो कुछ बचा है उसे भी आप जरूर पूरा कर देंगे। बिहार का तो सब होइए जाएगा।

चंद्रबाबू नायडू ने देश की अर्थव्यवस्था और मोदी की मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी के रूप में देश को सही समय पर सही नेता मिला है। उनके पास विजन है, ऊर्जा है। 10 वर्षों में देश की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत हुई है। विकास की गति जारी रहेगी। आंध्र प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार प्रचार किया। तीन महीने में कभी आराम नहीं किया। जिस भावना के साथ प्रचार अभियान को शुरू किया, उसी के साथ खत्म भी किया। लोजपा (आर) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री की इच्छाशक्ति के सहारे ही राजग को प्रचंड जीत मिली है।

मोदी का विपक्ष पर तंज, ईवीएम जिंदा है या मृत

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि जब चुनाव परिणाम घोषित हुए तो उन्हें चिंता हुई कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) जिंदा है या मृत। मोदी ने कहा कि विपक्ष ईवीएम को दोष देने की कोशिश कर रहा है और इस तरह भारत के चुनाव आयोग को कमजोर करना चाहता है। शुक्रवार को राजग के नवनिर्वाचित सांसदों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, चार जून को जब चुनाव नतीजे आ रहे थे, तो मैं अपने काम में लगा हुआ था। बाद में फोन काल आने लगे। मैंने किसी से कहा कि नंबर अच्छे हैं। मुझे यह बताइए कि ईवीएम जिंदा है कि मृत। मोदी ने कहा, चार जून से पहले ये लोग (विपक्ष) लगातार ईवीएम पर आरोप लगा रहे थे और वे भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों का विश्वास खत्म करने पर तुले हुए थे। मुझे लगा था कि वे ईवीएम की अंतिम यात्रा निकालेंगे। लेकिन चार जून की शाम तक उनको ताले लग गए। ईवीएम ने उनको चुप करा दिया। यह भारत के लोकतंत्र की ताकत है। मुझे उम्मीद है कि मुझे पांच साल तक ईवीएम के बारे में सुनने को नहीं मिलेगा। लेकिन जब हम 2029 में जाएंगे, तो शायद वे फिर से ईवीएम के बारे में बात करेंगे। देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।

बड़े घटक दलों को शपथ ग्रहण में मिलेगा कम से कम एक कैबिनेट पद : सूत्रों ने बताया कि भाजपा के सभी बड़े सहयोगी दलों जैसे तेदेपा, जदयू, शिवसेना और लोजपा (रामविलास) को शपथ ग्रहण के दौरान प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। प्रत्येक के लिए कम से कम एक कैबिनेट मंत्री का पद होगा व भविष्य में मंत्रिपरिषद के विस्तार व फेरबदल में प्रतिनिधित्व मिलेगा।

नई दिल्ली में शुक्रवार को संविधान सदन में राजग संसदीय दल की बैठक के दौरान लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीयतापूर्वक भेंट की। प्रधानमंत्री ने भी चिराग के प्रति इस तरह स्नेह व्यक्त किया। वीडियोग्रैब/प्रेट्र

पीएम मोदी ने दिया 'जहां कम, वहां हम' का नारा

प्रथम पृष्ठ से आगे

पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में आगे भी 10 वर्षों तक केंद्र में राजग की सरकार रहने का दावा किया। मोदी ने कहा, चुनाव प्रचार के दौरान जमीनी स्तर पर भी राजग पूरी एकजुट दिखा और 'जहां कम, वहां हम' की भावना के साथ एक-दूसरे की मदद की। इसी कारण राजग को देश के सभी हिस्सों में मिली सफलता मिली। 2024 के जनादेश से साफ है कि देश को सिर्फ और सिर्फ राजग पर भरोसा है। आंध्र प्रदेश में गठबंधन के सूत्रधार रहे जनसेना के नेता पवन कल्याण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह पवन नहीं आंधी है। तमिलनाडु में भले ही राजग को सीटें नहीं मिलीं, लेकिन वोट शेयर के रूप में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहा। केरल से भी पहली बार सांसद चुनकर आया है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि राजग के सभी दलों के सब प्रतिनिधि उनके लिए समान हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव नतीजों को कांग्रेस की जीत और भाजपा की हार के रूप में पेश किए जाने पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि हर पैरामीटर पर 2024 के नतीजे राजग की महाविजय दिखाती है, लेकिन दो दिन तक ऐसा माहौल बनाया गया जैसे हम हार गए हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान जनता से झूठे वादे करने और भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बदनाम करने की कोशिशों के लिए कांग्रेस और विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों को एक-एक लाख रुपये का लालच देने और चुनाव के बाद लोगों की कांग्रेस दफ्तरों के बाहर कतारों को लोकतंत्र और गरीबों का अपमान बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके लिए देश उन्हें माफ नहीं करेगा।

गैर–भाजपा चेहरे को नई लोकसभा का स्पीकर बनाने का दांव चलेगा विपक्ष

संजय मिश्र ● जागरण

- जदयू या तेदेपा ने दावेदारी की तो आम सहमति पर सोचेगा आइएनडीआइए
- भाजपा ने स्पीकर पद पर दावा किया तो विपक्ष भी मुकाबले की ठोकेगा ताल

नई दिल्ली: 18वीं लोकसभा में भाजपा को अकेले बहुमत नहीं मिलने से उत्साहित विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए ने आगे के राजनीतिक समीकरणों को साधने के विकल्पों पर चर्चा शुरू कर दी है। विपक्ष की सबसे पहले नजर लोकसभा में गैर-भाजपा चेहरे को स्पीकर बनाने के लिए जोर लगाने पर है। इस क्रम में विपक्षी खेमे से इसके संकेत मिल रहे हैं कि तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) या जनता दल यूनाइटेड (जदयू) जैसे राजग के सहयोगी दलों का कोई उम्मीदवार नई लोकसभा के स्पीकर पद के लिए सामने आता है तो उस पर आम सहमति बनाने का विकल्प खुला है। मगर भाजपा ने अपनी पार्टी के चेहरे के साथ स्पीकर पद पर दावेदारी ठोकी तो फिर चुनावी मुकाबले के पूरे आसार हैं और आइएनडीआइए अपना उम्मीदवार उतारेगा।

विपक्षी खेमे के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि आइएनडीआइए के शीर्ष नेताओं की पांच जून को हुई बैठक में चुनावी नतीजों से उभरी राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा के क्रम में जिन कुछ अहम बिंदुओं पर बात हुई उनमें नए स्पीकर का चुनाव भी शामिल था। हालांकि अभी इसको लेकर गठबंधन की साझा रणनीति तय नहीं हुई है, मगर यह तय है कि विपक्ष यह पद भाजपा के हाथ में जाने से रोकने के लिए राजनीतिक दांव-पेंच का हर मोहरा चलने की कोशिश करेगा। विपक्ष की अगुआई कर रही कांग्रेस के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने अनौपचारिक बातचीत में इस बारे में कहा कि पिछली लोकसभा में स्पीकर के सहारे जिस तरह संसद में विपक्ष की आवाज दबाने की तमाम कोशिशें हुईं और आखिर आते-आते 150 से अधिक सांसदों को निलंबित करने का काला इतिहास लिखा गया, उसे देखते हुए नई लोकसभा में स्पीकर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। उनका यह भी कहना था कि खास तौर पर तब जबकि भाजपा के पास 240 सीटें हैं तो छोटी पार्टियों में तोड़-फोड़ के जरिये इसे बढ़ाने के उसके प्रयासों से इन्कार नहीं किया जा सकता और इसीलिए विपक्ष की कोशिश भाजपा से इतर दल से नया स्पीकर बनाए जाने की रहेगी। तेलुगु देसम पार्टी की ओर से स्पीकर पद की मांग किए जाने की अटकलों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राजग की ओर से जदयू या तेदेपा के किसी सांसद को लोकसभा के स्पीकर पद का उम्मीदवार बनाया जाता है तो विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए आम सहमति बनाने को लेकर सकारात्मक रुख अपनाएगा। विपक्षी सूत्रों ने यह भी कहा कि स्पीकर पद की रणनीति में सतर्कता बरतने के साथ ही इस बार तय है कि नई लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद तो आइएनडीआइए ही हासिल करेगा।

थरूर ने विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के नाम की वकालत की

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव का मैन आफ द मैच बताया। साथ ही कहा कि यह उचित होगा कि वह निचले सदन में विपक्ष के नेता का पद संभालें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूरे देश में बड़े पैमाने पर प्रचार किया था। खरगे राज्यसभा में हैं, जहां वह विपक्ष का नेतृत्व करते हैं और यह उचित होगा कि राहुल गांधी लोकसभा में ऐसा ही करें। शशि थरूर ने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि अब हमारे पास सरकार के खिलाफ खड़े होने के लिए एक मजबूत संख्या है और विपक्ष का नेता ऐसा नेता होना चाहिए, जो निस्संदेह पार्टी में सबसे लोकप्रिय हो। उन्होंने कहा कि यह मोदी और शाह के लिए एक चुनौती होगी, जो अपनी सरकार चलाने में बहुत अधिक सलाह-मशविरा करने के आदी नहीं रहे हैं। यह उनके काम करने के तरीके को बदलने व उनकी क्षमता का परीक्षण करने जा रहा है।

नवनिर्वाचित सांसदों का दिल्ली पहुंचना शुरू,

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 274 ने कराए रजिस्ट्रेशन, स्वागत में जुटा हुआ है लोकसभा सचिवालय
- हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन से की जा रही अगवानी

नई सरकार के गठन की तैयारियों के बीच लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का दिल्ली पहुंचना शुरू हो गया है। शुक्रवार देर शाम तक देश के अलग-अलग हिस्सों से 274 नवनिर्वाचित सांसदों ने संसद भवन पहुंचकर न सिर्फ अपना रजिस्ट्रेशन कराया बल्कि बायोमीट्रिक और फेशियल रिकग्निशन भी दर्ज कराई। इस मौके पर सभी सांसदों को पहचान पत्र, सिम कार्ड, सीजीएचएस कार्ड और बैंक खाता खोलकर दिया जा रहा है। पहली बार चुनकर आए सांसदों को अस्थायी आवास की चाभी भी तत्काल मुहैया कराई जा रही हैं। अगले एक-दो दिनों में सभी नवनिर्वाचित सांसदों के दिल्ली पहुंचने की संभावना है। उनके स्वागत के लिए लोकसभा सचिवालय ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के दिल्ली पहुंचने से लेकर उनके रजिस्ट्रेशन, आवास, वाहन आदि की व्यवस्था लोकसभा सचिवालय संभाले हुए है। हवाई अड्डे के तीनों टर्मिनल और दिल्ली के चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर नवनिर्वाचित सांसदों की मदद के लिए हेल्प डेस्क स्थापित की गई है, जहां इन्हें पहुंचते ही रिसीव किया जा रहा है। साथ ही संसद भवन लाकर उनके रजिस्ट्रेशन से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है। सचिवालय की ओर से इस बार नवनिर्वाचित सांसदों के रजिस्ट्रेशन की पूरी व्यवस्था डिजिटल रखी गई है। इसके लिए खास साफ्टवेयर भी तैयार किया गया है। एक टीम लगाई गई है, जो उनके निर्वाचन क्षेत्र से निकलने से लेकर दिल्ली पहुंचने व रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को पूरी कराने में मदद कर रही है। 24 घंटे के लिए हेल्प डेस्क भी बनाई गई है।

पंजीकरण कराने के बाद भाजपा की नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्य कंगना रनौत। प्रेट्र

नवनिर्वाचित सांसदों का अस्थायी ठिकाना होगा वेस्टर्न कोर्ट और राज्यों के भवन

लोकसभा सचिवालय नवनिर्वाचित सांसदों के दिल्ली पहुंचने पर उन्हें अस्थायी आवास की सुविधा भी मुहैया करा रहा है। वेस्टर्न कोर्ट और राज्यों के भवन में नवनिर्वाचित सांसदों के रुकने की अस्थायी व्यवस्था की गई है। सचिवालय ने वेस्टर्न कोर्ट के साथ ही सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के दिल्ली स्थित भवनों व अतिथि गृहों को उनके लिए रिजर्व किया है। इस बार 280 सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं। 116 सदस्य दूसरी बार, 74 तीसरी बार, 35 चौथी बार, 19 पांचवीं बार, 10 छठी बार, सात आठवीं बार व एक नौवीं बार चुनकर आए हैं।

बहस

वरिष्ठ वकील विकास सिंह समेत विशेषज्ञों की संविधान संशोधन की मांग, कहा–जेल में बंद लोग वोट नहीं डाल सकते पर चुनाव लड़ सकते हैं

जेल में बंद अपराधियों के सांसद बनने पर दखल दे संसद

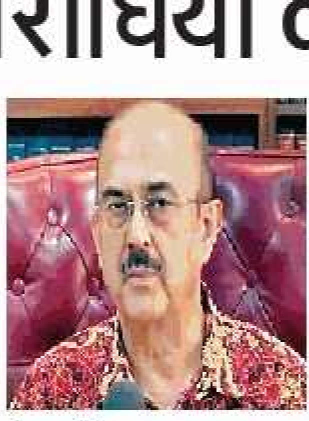

विकास सिंह। एएनआइ

अमृत पाल। फाइल

इंजीनियर रशीद। फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ : वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने जेल में बंद प्रत्याशियों के संसद सदस्य बनने को लेकर संसद से इस प्रक्रिया में दखल देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह अजब विडंबना है कि जेल में बंद लोग वोट तो नहीं डाल सकते लेकिन चुनाव लड़ और जीत सकते हैं। इसीलिए आपराधिक मामलों वाले विधायकों और सांसदों की संख्या बढ़ती जा रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने यह कभी नहीं सोचा होगा कि ऐसे लोग भी संसद में निर्वाचित होकर आएंगे। इसलिए इन आरोपों की पहचान करने को संविधान में संशोधन करने की आवश्यकता है। संशोधन के बाद ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के प्रति अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। विडंबना यह है कि जेल में बंद लोग वोट डालने के अधिकारी नहीं हैं, लेकिन चुनाव लड़ सकते हैं और उसे जीत भी जाते हैं। एक संसदीय सीट को साठ से अधिक दिनों तक खाली नहीं रखा जा सकता है, फिर चाहे उसने शपथ ले ली हो। इसलिए संसद को इसमें दखल देना चाहिए और ऐसे लोगों को निर्वाचित होने से रोकना चाहिए। सिंह ने कहा कि अगर इन लोगों को अपनी सीट खाली करनी पड़ती है तो उन्होंने दोबारा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। चूंकि इन लोगों के हिरासत में रहने तक इनके संसदीय क्षेत्र में जनप्रतिनिधि अनुपस्थित रहता है। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि इस मुद्दे पर एक कानून लाया जाए। ऐसा कोई प्रविधान है जिसके जरिये अपने किसी प्रतिनिधि के माध्यम से अपना नामांकन पत्र भर सकते हैं और इसीलिए यह चुनाव लड़ पाते हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के हवाले से सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत पदमनाभन ने कहा, 'संविधान की खूबसूरती इसी में है कि यह उनकी भी रक्षा करता है जो इसमें विश्वास ही नहीं रखते।' पदमनाभन ने कहा कि संसद में ऐसे मामलों से बचने के लिए एक मैराथन सुनवाई होनी चाहिए। इसके जरिये जेल में बंद उम्मीदवारों को या तो बरी कर दिया जाए या उन्हें सजा दे दी जाए। जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 की धारा-8(3) के तहत अगर किसी व्यक्ति को किसी अपराध में दोषी माना जाता है और उसे कम से कम दो साल या उससे अधिक समय के लिए सजा सुनाई जाती है तो वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाता है।

चुनाव आयोग ने विगत मंगलवार को घोषणा की थी कि एक सिख अलगाववादी अमृतपाल खडूर साहिब संसदीय क्षेत्र से चुनाव जीत गया है। जबकि कश्मीर के बारामुला सीट से शेख अब्दुल रशीद (इंजीनियर रशीद) भी चुनाव जीत गया है।

अमृतपाल को पिछले साल अप्रैल में पुलिस के छापे के बाद फरार होने पर एनएसए लगाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। वहीं इंजीनियर रशीद निर्दलीय चुनाव लड़ा था। एक संविधान विशेषज्ञ का कहना है कि अलगाववादी सांसद अदालत की अनुमति लेकर शपथ ग्रहण करने भी संसद में आ सकते हैं और जरूरी विधेयकों के लिए अपना वोट डालने भी आ सकते हैं।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

नई दिल्ली में राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के चिर पुरोधा और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से भेंट की। लालकृष्ण आडवाणी भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। प्रेट्र

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व अध्यक्ष मनोहर जोशी से भी उनके आवास पर जाकर भेंट की। भाजपा अध्यक्ष के रूप में जोशी के नेतृत्व में पार्टी ने नई ऊंचाइयों को छुआ। प्रेट्र

एनडीए बैठक में इशारे में विशेष राज्य की बात कह गए नीतीश

भुवनेश्वर वात्स्यायन • जागरण

पटना: दिल्ली में एनडीए की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीधे-सीधे तो कुछ नहीं कहा, पर इशारे-इशारे में उन्होंने बिहार के चिर प्रतीक्षित विशेष राज्य के दर्जे की मांग को फिर से आगे कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन्होंने काम करने वाला नेता बताया और उसके बाद यह जोड़ा कि इस बार बिहार का वह सब काम हो जाएगा, जो कुछ बचा हुआ है। प्रधानमंत्री उसे पूरा कर देंगे। बिहार के लिए जो कुछ काम बाकी है उसका आशय राजनीतिक गलियारे में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग है। लंबी अवधि से जदयू की केंद्र से यह मांग रही। चुनाव परिणाम आने के बाद जदयू किंग मेकर के रूप में सामने आया है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग पुनः तेज है। बिहार का यह काम शेष है और केंद्र सरकार को ही इस पर निर्णय लेना है। जिस वक्त मुख्यमंत्री ने यह बात उस समय प्रधानमंत्री गंभीर थे।

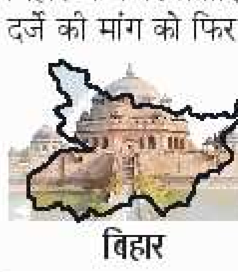

बिहार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति आधारित गणना पर सीधे तो कुछ नहीं कहा पर उनके संबोधन में जदयू का यह स्टैंड भी इशारे में ही मुखर रहा। उन्होंने कहा कि दस साल से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे। पूरे देश की सेवा की है उन्होंने। अब जो कुछ बचा है उसे भी वह पूरा कर देंगे। नीतीश देश स्तर पर जाति आधारित गणना की बात करते रहे हैं। नीतीश विपक्ष पर भी अपने संबोधन में हमलावर रहे। कहा कि उल्टा-पुल्टा बोलकर आ गए हैं। अगली बार सभी हारेंगे। बिना मतलब की बात की है विपक्ष के लोगों ने। आज तक कोई काम नहीं किया है। इधर-उधर कोई करना चाहता है उसका कोई लाभ नहीं है। एनडीए की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संबोधन को घटक दलों ने काफी गंभीरता के साथ सुना। जब उन्होंने यह कहा कि हमारी पार्टी जदयू, भाजपा संसदीय दल के नेता नरेन्द्र मोदी को पीएम पद के लिए समर्थन देती है तो जबर्दस्त तालियां बजीं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह आश्वस्त भी किया कि आप जो चाहेंगे उसके पीछे हमलोग खड़े रहेंगे। हमलोग मिलकर काम करेंगे।

अपने संबोधन को खत्म कर मुख्यमंत्री जब डायस पर पहुंचे तो प्रधानमंत्री मोदी का उन्होंने झुककर अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री खड़े हो गए और नीतीश कुमार के हाथ को अपने हाथ में ले लिया।

नई दिल्ली में शुक्रवार को जदयू के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ पार्टी प्रमुख एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। प्रेट्र

अरुणाचल में खांडू सरकार को समर्थन देगी एनपीपी

थांगवांग वांगम। फाइल

ईटानगर, प्रेट्र: अरुणाचल प्रदेश में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) खांडू सरकार का समर्थन देगी। मेघालय के मुख्यमंत्री कानरेड संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी ने विधानसभा चुनाव में 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और पांच सीटों पर जीत दर्ज की है।

एनपीपी के प्रदेशाध्यक्ष थांगवांग वांगम ने कहा कि पार्टी ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में लोगों के जनादेश को स्वीकार किया है और हम खांडू सरकार को समर्थन देंगे। लोंगडिंग-पुमाओ सीट से जीत दर्ज करने वाले वांगम ने कहा कि पार्टी का राज्य, क्षेत्र और देश के लिए, स्पष्ट दृष्टिकोण है। हमारी राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ क्षेत्रीय आकांक्षाएं हैं और हम राज्य के विकास और लोगों के कल्याण के लिए सदैव काम करते रहेंगे। वांगम ने विकास, युवा रोजगार, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और नशे के खतरे से निपटने के प्रति पार्टी के फोकस को रेखांकित किया।

आइएनडीआइए में आंखें मूंदकर कांग्रेस का अनुसरण करने के पक्ष में नहीं तृणमूल

अभिषेक बनर्जी ने गठबंधन में शामिल दलों के साथ अलग-अलग बैठक कर दिए संकेत

ममता बनर्जी की पार्टी नहीं चाहती कि गठबंधन का कोई भी निर्णय उस पर थोपा जाए

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- अभिषेक ने दिल्ली में अखिलेश यादव व संजय सिंह व राघव से मुलाकात की
- तृणमूल नहीं चाहती कि गठबंधन का कोई भी निर्णय उस पर थोपा जाए
- आइएनडीआइए में माकपा की भूमिका पर भी सवाल उठा चुकी हैं ममता

तृणमूल कांग्रेस हालिया संपन्न लोकसभा (लोस) चुनाव में विरोधी दलों के गठबंधन आइएनडीआइए में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी कांग्रेस का आंखें मूंदकर अनुसरण करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने गठबंधन में शामिल गैर-कांग्रेस दलों के साथ अलग-अलग बैठक कर इस बात के संकेत दिए हैं।

मालूम हो कि तृणमूल ने लोस चुनाव अपने बूते लड़ा था। बंगाल में उसका कांग्रेस से किसी तरह का गठबंधन नहीं था। चूंकि भाजपा विरोधी दलों के गठबंधन में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं इसलिए आइएनडीआइए में उसकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

दूसरी तरफ तृणमूल नहीं चाहता कि गठबंधन का कोई भी निर्णय उस पर थोपा जाए। अभिषेक ने दिल्ली में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव व आम आदमी पार्टी के दो नेताओं संजय सिंह व राघव चड्ढा से मुलाकात की। उसके बाद मुंबई जाकर शिवसेना के उद्धव ठाकरे के साथ भी बैठक की। इससे पहले तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी आइएनडीआइए में माकपा की भूमिका पर भी सवाल उठा चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि अगर माकपा हस्तक्षेप न करे तो उनकी पार्टी को आइएनडीआइए को लेकर कोई परेशानी नहीं है। माकपा गठबंधन के प्रवक्ता की तरह बोल रही है। वहीं तृणमूल के राज्यसभा सदस्य जवाहर सरकार ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस व वाममोर्चा में गठबंधन के कारण भाजपा को छह सीटें जीतने का मौका मिला। प्रश्न उठ रहा है कि तृणमूल क्या आइएनडीआइए के अंदर अलग समीकरण पैदा करने की कोशिश कर रही है? सियासी विश्लेषकों का कहना है कि ममता आइएनडीआइए में बने रहना तो चाहती हैं लेकिन कहीं किसी तरह का समझौता करने के पक्ष में नहीं हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि उन्हें बंगाल में कांग्रेस से भी लड़ाई करनी पड़ी है और उसे उन्होंने जीता है इसलिए आइएनडीआइए में वह कांग्रेस के सामने झुकने को तैयार नहीं है।

पांच जून को हुई आइएनडीआइए की बैठक के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, एनसीपी नेता सुप्रिया सुले और आप राघव चड्ढा के साथ, टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी। प्रेट्र (फाइल)

नई लोकसभा में विपक्ष रहेगा मजबूत : फारूक

राज्य, जागरण • जम्मू: नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि नई लोकसभा में विपक्ष मजबूत रहेगा। उन्होंने कहा कि लोगों ने अपना फैसला सुना दिया है और संविधान बचा लिया गया है। अब तानाशाही के दिन खत्म हो गए हैं।

श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में फारूक ने कहा कि पिछली बार जब मैं संसद में था तो हम (विपक्ष) कमजोर थे। कोई भी हमारी बात नहीं सुनता था, तानाशाही थी, लेकिन भगवान का शुक्र है कि वह सब खत्म हो गया है। एनडीए द्वारा तीसरी बार सरकार बनाने के बारे के सवाल पर नेकां अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें सरकार बनाने दें, फिर हम देखेंगे। इंतजार करते हैं। आप जल्दी में क्यों हैं। संसदीय चुनाव के नतीजों के बारे में उन्होंने कहा कि जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। जनता ने दिखा दिया कि सत्ता लोगों के पास है और यह इन चुनावों में साबित हुआ। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। लोगों के पास वोट देने की ताकत है और वे किसी को बना या बिगाड़ सकते हैं।

कांग्रेस ने ईवीएम को नहीं किया खारिज : चिदंबरम

- पीएम मोदी के ईवीएम वाले तंज का दिया जवाब
- बोले- वीवीपैट में सुधार के पक्ष में हैं कांग्रेस पार्टी

चेन्नई, प्रेट्र: वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को खारिज नहीं किया और पार्टी वीवीपैट में सुधार के पक्ष में है। वह पीएम मोदी के ईवीएम पर विपक्षी गठबंधन की चुप्पी साधने के सवाल का जवाब दे रहे थे।

चिदंबरम ने पत्रकार वार्ता में कहा कि पार्टी ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में ईवीएम को खारिज नहीं किया। कृपया घोषणापत्र पढ़ें। हमने कहा था कि वीवीपैट पर्ची लगभग 4-5 सेकंड के लिए प्रदर्शित होती है और फिर बाक्स के अंदर गिर जाती है। हमने कहा था कि पर्ची के स्वयं बाक्स में गिरने के बजाय वो मतदाता को मिलनी चाहिए। मतदाता उसे देखने के बाद बाक्स में डाले। हम केवल यह सुधार चाहते हैं। जहां तक मेरी बात है तो मैंने कभी भी ईवीएम को दोष नहीं दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने पर पीएम मोदी द्वारा खुद की तुलना पीएम जवाहर लाल नेहरू से किए जाने को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मोदी की तुलना नेहरूजी से नहीं हो सकती है।

'समय बताएगा स्थिर सरकार चला पाते हैं अथवा नहीं मोदी' : पी चिदंबरम ने कहा कि समय बताएगा कि मोदी स्थिर सरकार चला पाते हैं या नहीं। 12 साल तक गुजरात के सीएम व 10 साल तक प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने केवल एक व्यक्ति की सरकार चलाई है। अब वह गठबंधन की सरकार बनाने को विवश हैं।

चेन्नई में शुक्रवार को प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम। प्रेट्र

नतीजों पर आज मंथन करेगी कांग्रेस कार्य समिति

नई दिल्ली, प्रेट्र: कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व शनिवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में आम चुनाव के परिणामों पर मंथन कर भविष्य की रणनीति तय करेगा। पार्टी की शीर्ष निर्णायक संस्था सीडब्ल्यूसी की बैठक शनिवार सुबह 11 बजे होटल अशोक में होगी। बैठक में कांग्रेस विधायक दल के नेता और विभिन्न राज्यों के कांग्रेस अध्यक्ष पार्टी के प्रदर्शन विश्लेषण करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सुझाव देंगे। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पार्टी के शीर्ष नेता शामिल होंगे।

महाराष्ट्र में कांग्रेस की सफलता में राहुल की यात्राओं का हाथ

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

मुंबई : महाराष्ट्र में इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनी, बल्कि किसी भी राज्य में कांग्रेस को सर्वाधिक सीटें दिलवाने वाला राज्य महाराष्ट्र बना है। इस सफलता में बड़ा योगदान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोनों भारत जोड़ो यात्राओं का माना जा रहा है। महाराष्ट्र में जहां-जहां राहुल गांधी की ये यात्राएं पहुंचीं, उन-उन सीटों पर कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शपा) को जीत हासिल हुई है।

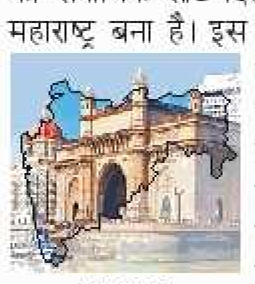

महाराष्ट्र

कांग्रेस महाराष्ट्र में 17 सीटों पर लड़कर 13 सीटें जीती हैं। सांगली में शिवसेना (यूबीटी) द्वारा अपना उम्मीदवार खड़ा करने के कारण वहां कांग्रेस के बागी विशाल पाटिल स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़कर जीते और अब कांग्रेस को अपना समर्थन दे चुके हैं। इस प्रकार राज्य में कांग्रेस की 14 सीटें हो चुकी हैं। इससे पहले 2009 के चुनाव में कांग्रेस को 17 सीटें और 2004 में 13 सीटें हासिल हुई थीं। 2014 में दो और 2019 में एक सीट पर सिमट गई थी। महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ नसीम खान कहते हैं कि महाराष्ट्र में कांग्रेस को मिली सीटों की संख्या किसी भी अन्य राज्य से अधिक है। पार्टी के इतनी सीटें जीतने में राहुल गांधी की यात्राओं का बड़ा योगदान रहा है।

- यात्राएं जहां पहुंचीं, उन सीटों पर कांग्रेस व सहयोगी दलों को जीत मिली
- किसानों से जुड़े मुद्दों पर भाजपानीत महायुति धुले, दिंडोरी, नासिक में हारी

नांदेड से हुआ था प्रवेश

राहुल की पहली भारत जोड़ो यात्रा का महाराष्ट्र में प्रवेश नांदेड जिले से हुआ था। उस समय तक अशोक चव्हाण कांग्रेस में ही थे। बाद में वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए। नसीम खान कहते हैं कि अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने के बावजूद मतदाता कांग्रेस के साथ ही रहे। नांदेड़ से भाजपा सांसद व उम्मीदवार प्रतापराव चिखरीकर को हार का सामना करना पड़ा। पिछली यात्रा में राहुल अहमदनगर भी गए थे। उस क्षेत्र में भाजपा सांसद सुजय विखे पाटिल को राकांपा (शपा) के उम्मीदवार नीलेश लंके के सामने मुंह की खानी पड़ी है।

राहुल गांधी की दूसरे चरण की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन मुंबई के शिवाजी पार्क में हुआ था। इससे पहले उन्होंने नंदुरबार से महाराष्ट्र में प्रवेश किया। न्याय यात्रा के दौरान पहले राहुल गांधी की सभा, फिर चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की सभा के अगले ही दिन प्रियंका वाड्रा की सभा ने ऐसा रंग जमाया कि नंदुरबार में भाजपा की सांसद डा. हिना गावित को करारी हार का सामना करना पड़ा। नंदुरबार से निकलकर राहुल गांधी धुले होते हुए नासिक पहुंचे थे। नासिक के पिंपलगांव में उन्होंने महाविकास आघाड़ी की संयुक्त सभा की थी। इसमें राकांपा (शपा) के अध्यक्ष शरद पवार एवं शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे भी शामिल हुए। पिंपलगांव प्याज उत्पादक किसानों का क्षेत्र है। यहां के किसान एवं व्यापारी पिछले कुछ महीनों से लगे निर्यात प्रतिबंध से नाराज थे। राहुल किसानों से जुड़े इन मुद्दों को उठाने में कामयाब रहे। नतीजतन भाजपानीत महायुति धुले, दिंडोरी और नासिक, तीनों सीटें हार गई।

राहुल गांधी का अगला पड़ाव भिवंडी में था। नसीम खान बताते हैं कि भिवंडी के लोगों में उनके प्रति सहानुभूति थी। इसका असर भिवंडी के चुनाव परिणाम पर नजर आया। भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल हार गए और राकांपा (शपा) के उम्मीदवार सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे जीत गए। मुंबई में भी जहां-जहां से राहुल की यात्राएं निकलीं, वहां महायुति को हार का सामना करना पड़ा। उत्तर-मध्य मुंबई सीट से मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ उज्ज्वल निकम को हराने में सफल रहीं।

मप्र में सफाए के बाद कांग्रेस में सिर फुटव्वल, जीतू, कमल नाथ और दिग्विजय की घेराबंदी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

मध्य प्रदेश में छह महीने के भीतर कांग्रेस की दो बड़ी हार के बाद पार्टी में अफरातफरी और सिर फुटव्वल की स्थिति है। विधानसभा चुनाव में करारी हार का दर्द कम भी नहीं हुआ था और लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदेश में सफाया हो गया। यह स्थिति तक है जब भाजपा शासित दूसरे राज्यों में कांग्रेस और आइएनडीआइ गठबंधन को उम्मीद से अच्छे परिणाम मिले। ऐसे में शांत बैठे पार्टी के बड़े नेता अब खुलकर प्रदेश नेतृत्व के विरोध में उतर आए हैं।

मध्य प्रदेश

सबसे अधिक घेराबंदी पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ व दिग्विजय सिंह के साथ प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की हो रही है। कमल नाथ और दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस विधानसभा चुनाव हारी और जब पार्टी में जान फूंकने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व ने जीतू को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपी तो उनके कार्यकाल में तीन विधायक सहित कई बड़े नेता उन पर आरोप मढ़कर भाजपा में चले गए। अब कांग्रेस नेताओं का बड़ा वर्ग जीतू पटवारी, कमल नाथ और दिग्विजय सिंह को हार का जिम्मेदार बताते हुए आरोपों की बौछार कर रहा है तो दूसरा वर्ग राष्ट्रीय नेतृत्व से संगठन की समीक्षा की मांग कर रहा है। चुरहट से विधायक और विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह 'राहुल' ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि जीतू पटवारी के कार्यकाल की समीक्षा होनी चाहिए कि उनके कार्यकाल में बड़ी संख्या में नेताओं ने पार्टी क्यों छोड़ी। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके दामोदर यादव ने भी जीतू पटवारी पर के सिर पर हार का ठीकरा फोड़ा है।

- छह माह में दो बड़ी हार के बाद पार्टी में अफरातफरी
- नेताओं के एक वर्ग ने संगठन की समीक्षा की मांग उठाई

कमलनाथ। फाइल

दिग्विजय सिंह। फाइल

अजय सिंह 'राहुल' ने ऐसा नहीं कहा है। मेरी इस संबंध में उनसे फोन पर भी बात हुई है। यदि कहा भी है तो वे बड़े भाई हैं। समीक्षा कर हार का कारण जानेंगे और सुधार करेंगे। मेरे तरीके पर किसी नेता ने आपत्ति नहीं ली। दुर्व्यवहार की शिकायत नहीं की। जो छोड़कर गए हैं, उन्होंने भी बुराई नहीं की।

- जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, मप्र

चिंताजनक

बिहार से नव-निर्वाचित 53 प्रतिशत सांसदों के विरुद्ध आपराधिक मामले, 48 प्रतिशत सांसद जघन्य मामलों में आरोपित

बिहार को इस बार भी गहरे हैं दाग

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

बिहार की राजनीति में बाहुबल का जोर कम तो हुआ है, लेकिन खत्म नहीं। इस बार चुने गए सांसदों पर दर्ज आपराधिक मामले इसकी पुष्टि कर रहे। ऐसे सांसदों की संख्या 53 प्रतिशत है। हालांकि, राजनीतिज्ञों के बीच ऐसे दाग अब सामान्य हो गए हैं, लेकिन जब वे गहरे हों तो बदनुमा लगते हैं। बिहार से अधिक इसे कौन समझेगा, जिसके नव-निर्वाचित 48 प्रतिशत सांसदों के विरुद्ध गंभीर श्रेणी के आपराधिक मामले दर्ज हैं।

देश में 170 सांसदों के विरुद्ध गंभीर श्रेणी के आपराधिक मामले हैं। कुल सांसदों में यह संख्या 31 प्रतिशत होती है। बिहार के लिए यह दाग अधिक गहरा है। राष्ट्रीय औसत से यहां 17 प्रतिशत अधिक सांसद जघन्य केस में आरोपित हैं। राजद के चार सांसदों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। भाजपा में ऐसे 26 प्रतिशत सांसद हैं, जदयू में 17 प्रतिशत।

42 मामले पूर्णिया से विजयी रहे पप्पू यादव के विरुद्ध

27 सांसदों पर आपराधिक दोष सिद्ध हो चुका हैं

03 सांसदों सुरेंद्र प्रसाद यादव, राजाराम सिंह और मनोज कुमार गंभीर मामले

हर चुनाव में बढ़े दागी जन-प्रतिनिधि

सर्वाधिक क्षोभजनक हर चुनाव में दागी जन-प्रतिनिधियों की संख्या अपेक्षाकृत बढ़ते जाना है। 2009 की तुलना में 2014 में गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपित सांसदों की संख्या में दोगुनी से अधिक की वृद्धि हुई है। 2009 में ऐसे 14 प्रतिशत सांसद थे, जो बढ़कर 2014 में 21 प्रतिशत हो गए। 2019 में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ यह संख्या 29 प्रतिशत हो गई और इस बार 31 प्रतिशत। बंगाल को छोड़ इस पैमाने पर दूसरे राज्यों की छवि बिहार से बेहतर नहीं। बंगाल के नए 38 प्रतिशत सांसद जघन्य मामलों में आरोपित हैं। उत्तर प्रदेश और झारखंड में यह संख्या क्रमशः 43 और 50 प्रतिशत है।

दागदार सांसद

राज्य	नव-निर्वाचित सांसदों की संख्या	आपराधिक मामलों में आरोपित (प्रतिशत)	जघन्य मामलों में आरोपित (प्रतिशत)
बिहार	40	21 (53%)	18 (48%)
झारखंड	14	10 (71%)	07 (50%)
बंगाल	42	22 (52%)	16 (38%)
उत्तर प्रदेश	80	40 (50%)	34 (43%)
देश	543	251 (46%)	170 (31%)

दलगत दाग

पार्टी	आपराधिक मामलों वाले सांसद	जघन्य अपराध वाले सांसद
राजद	100%	100%
माले	50%	50%
कांग्रेस	49%	49%
लोजपा	40%	40%
भाजपा	39%	26%
जदयू	17%	17%

(स्रोत : एडीआर)

बंगाल में घोटालों को चुनावी मुद्दा बनाने में फिर विफल रही भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार अपने विधायक-मंत्रियोंसे संबद्ध लोस सीटों पर भी तृणमूल ने दर्ज की जीत।

बंगाल में विधानसभा (विस) चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में भी भाजपा घोटालों को मुद्दा बनाने में विफल रही। तृणमूल कांग्रेस ने उन विस क्षेत्रों में भी अच्छी बढ़त हासिल की है, जहां उसकी पार्टी के विधायक भ्रष्टाचार को लेकर इस वक्त जेल में हैं।

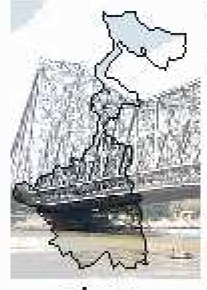

बंगाल

राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की बेहला पश्चिम विस सीट पर कोलकाता दक्षिण लोकसभा सीट से तृणमूल की माला राय ने 15,000 वोटो की बढ़त हासिल की है। पार्थ शिक्षा विभाग में हुए घोटाले को लेकर इस समय जेल में हैं। इसी तरह कृष्णानगर की पलाशीपाड़ा विस सीट पर तृणमूल की महुआ मोइत्रा ने 34,000 वोटों की बढ़त बनाई है। यहां से मानिक भट्टाचार्य विधायक हैं। वे भी इसी घोटाले को लेकर न्यायिक हिरासत में हैं। तृणमूल पार्टी विधायक व राज्य के पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की हाबरा विस सीट पर पिछड़ी है, लेकिन इसका बारासात लोस सीट पर तृणमूल के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा। तृणमूल से काकोली घोष दस्तीदार ने वहां जीत दर्ज की। इसी तरह बहरमपुर लोस सीट पर पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने पांच बार के कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को मात दी है।

****

12 जून को तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो एन. चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। तेदेपा नेता के. रघु राम कृष्ण राजू ने बताया कि वह गन्नावरम एयरपोर्ट के निकट केसरपल्ली आइटी पार्क में नायडू 12 जून को तकरीबन साढ़े ग्यारह बजे पद की शपथ लेंगे।

खुशी के पल

पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुन जाने और तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने देशभर में जश्न मनाया। बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में खुशी मनाते कार्यकर्ता। प्रेट्र

विपक्षी प्रदर्शन रोकने को संसद में प्रतिमाएं हटाईं : कांग्रेस

- जयराम रमेश ने कहा- ऐसे स्टंट मोदी सरकार को गिरने से नहीं बचा सकते
- सुप्रिया सुले ने केंद्र पर लगाया जनता की भावनाओं का अपमान का आरोप

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा ने संसद परिसर से महात्मा गांधी, बीआर आंबेडकर और क्षत्रपति शिवाजी समेत अन्य महान हस्तियों की प्रतिमाओं का स्थान बदलवा दिया है, ताकि विपक्षी दल वहां लोकतांत्रिक तरीके से विरोध-प्रदर्शन नहीं कर सकें। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने चेतावनी के अंदाज में कहा कि ऐसे स्टंट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अस्थिर सरकार को गिराने से नहीं बचा सकते हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लोकसभा सचिवालय के स्पष्टीकरण को पूरी तरह से फर्जी बताते हुए कहा कि इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल से कोई चर्चा नहीं की गई है। विगत गुरुवार को लोकसभा सचिवालय ने बयान जारी करके कहा था कि संसद परिसर में यह सभी प्रतिमाएं अलग-अलग जगहों पर होने के कारण विजिटर उन्हें आसानी से देख नहीं पाते थे। इस कारण इन सभी प्रतिमाओं को आदरपूर्वक संसद भवन के विशाल परिसर 'प्रेम स्थल'' में स्थापित किया गया है। 'प्रेम स्थल'' को इस हिसाब से विकसित किया जा रहा है कि संसद परिसर में प्रवेश करते ही विजिटर

जयराम रमेश। फाइल

इन प्रतिमा को उनकी पूरी भव्यता के साथ देख सकें और उनके जीवन अनुभवों से प्रेरित हो सकें। जबकि जयराम रमेश ने कहा कि संसद भवन के ठीक सामने स्थित प्रमुख स्थलों पर लगाई गई इन प्रतिमाओं को अब उस प्रमुख स्थल से हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हें हटाने की असली वजह यह है कि पिछले दस सालों में विपक्षी दल इन्हीं स्थानों पर धरना-प्रदर्शन करते थे। इन प्रदर्शनों में तेदेपा और जदयू भी शामिल होते थे जो अब मोदी सरकार का हिस्सा हैं। वहीं भाकपा महासचिव डी.राजा ने कहा कि मूल स्थान से प्रतिमाओं को हटाना स्वतंत्रता व समानता की अवमानना है।

वहीं बारामती की नवनिर्वाचित सांसद सुप्रिया सुले ने केंद्र सरकार पर जनता की भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि महात्मा गांधी, बीआर आंबेडकर और क्षत्रपति शिवाजी जैसी हस्तियों की प्रतिमाएं हटाकर केंद्र सरकार ने भड़काने वाला कदम उठाया है। भारत की जनता इन लोगों से प्रेम करती है और इन्हें हटाकर सरकार ने जनता की भावनाओं का अपमान किया है।

'अब एनडीए का मतलब नीतीश, नायडू डिपेंडेंट अलायंस'

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में राजग का इतनी बार जिक्र नहीं किया, जितना शुक्रवार को गठबंधन की बैठक में अपने घंटे भर के भाषण के दौरान किया। कांग्रेस ने एनडीए को नीतीश, नायडू डिपेंडेंट अलायंस (नीतीश, नायडू आश्रित गठबंधन) भी करार दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार को संसद परिसर में राष्ट्रीय हस्तियों की मूर्तियों को ''हटाने'' के बारे में लोगों को स्पष्टीकरण देना चाहिए। बताते चलें, महात्मा गांधी, बीआर आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी सहित अन्य की मूर्तियों को संसद परिसर के भीतर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस कदम की कांग्रेस ने तीखी आलोचना की है और आरोप लगाया है कि इन मूर्तियों को संसद भवन के सामने उनके प्रमुख स्थान से हटा दिया गया है। खेड़ा ने दावा किया कि सरकार ने हताशा के कारण राष्ट्रीय महापुरुषों की मूर्तियां हटा दी हैं और यह भाजपा द्वारा अकेले बहुमत हासिल नहीं कर पाने पर गुस्सा निकालने का प्रयास है। भाजपा महाराष्ट्र में अपनी हार का बदला शिवाजी की मूर्ति को संसद से हटाकर ले रही है। वह अयोध्या में भगवान राम के भक्तों को अपशब्द कह रही है, क्योंकि वह राम मंदिर के आसपास कोई सीट नहीं जीत सकी।

मंत्री असीम अरुण ने अखिलेश यादव को लिखी रोचक बधाई

असीम अरुण

जागरण संवाददाता, कन्नौज : सपा प्रमुख अखिलेश यादव के कन्नौज का सांसद चुने जाने पर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने रोचक अंदाज में बधाई दी है। अखिलेश यादव को भेजे पत्र में असीम अरुण ने लिखा, 'मैं कन्नौज सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हूं। कन्नौज नगर की रोचक स्थिति है कि सदर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी से हैं। मैं भाजपा से विधायक हूं और अब आप सपा से सांसद चुने गए हैं। यह भी मेरी राय में भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती है। आपको शुभेच्छा प्रेषित करते हुए मैं कामना करता हूं कि हम सब मिलकर कन्नौज के विकास को और गति देने में सफल होंगे।' गुरुवार को यह पत्र इंटरनेट मीडिया में प्रसारित होने के बाद हर किसी ने अलग-अलग अंदाज में लिया।

शिअद लीडरशिप के खालीपन ने दी अलगाववादियों को मजबूती

दुविधा ▸ अकाली दल नहीं कर पा रहा फैसला- विशुद्ध पंथक बने या पंजाबी पार्टी बनकर रहे

इन्द्रप्रीत सिंह ● जागरण

- युवा भावुकता में बहकर जो नैरेटिव बना रहे हैं
- प्रकाश बादल जैसे नेताओं के रहते हुए ऐसा नहीं होता

चंडीगढ़ : फरीदकोट से अलगाववादी सोच के सरबजीत सिंह खालसा व खडूर साहिब से अमृतपाल का लोकसभा चुनाव जीतना यह साबित करता है कि आज भी युवा भावुकता में बहकर जो नैरेटिव बना रहे हैं, उसका शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के पास कोई जवाब नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले उनके सुरक्षाकर्मी बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह ने जिस प्रकार अपनी लड़ाई को राहुल गांधी से जोड़ लिया, उसका जवाब न तो शिअद के पास था और न ही कांग्रेस या भाजपा इसका कुछ कर सकीं।

पंजाब

विशेष रूप से शिरोमणि अकाली दल की लीडरशिप तो यह तय ही नहीं कर पा रहा है कि उसे किस ओर जाना है। क्या वह विशुद्ध रूप से पंथक पालिटिक्स करे या फिर पंजाबी पार्टी के रूप में काम करे। पार्टी के नेताओं के समय-समय पर बदलते पैंतरे एक ऐसा राजनीतिक खालीपन पैदा कर रहे हैं जिसको भरना सरबजीत सिंह व अमृतपाल जैसे लोगों के समर्थकों के लिए कठिन नहीं है और ऐसा इस चुनाव में स्पष्ट रूप से दिख गया है। ऐसा नहीं है कि इससे पहले

टिकट नहीं मिलने से नाराज सुखदेव सिंह ढींडसा को मनाने पहुंचे थे सुखबीर सिंह बादल, पर सक्रिय नहीं हुए। फाइल

प्रकाश सिंह बादल, सुखदेव सिंह ढींडसा या गुरचरण सिंह टोहरा जैसे नेताओं के रहते हुए ऐसा नहीं होता था परंतु तब पार्टी में नरम व गरम विचारधाराओं के बीच जो तालमेल बना हुआ था, उससे ऐसे लोगों को पनपने का अधिक अवसर नहीं मिल पाता था। प्रकाश सिंह सिंह बादल व गुरचरण सिंह टोहरा तो अब नहीं रहे जबकि सुखदेव सिंह ढींडसा पुनः अकाली दल में लौट आए हैं परंतु वह बहुत अधिक सक्रिय नहीं हैं।

पंजाब के आंतकवाद के काले दौर में 1989 में हुए चुनाव के समय भी ऐसा ही हुआ था। शिरोमणि अकाली दल के दिग्गज नेताओं की जमानतें पंजाब की सभी सीटों पर जब्त हो गई थीं, जैसा कि इस बार भी हुआ है परंतु वह दौर लंबा नहीं चल सका था। कुछ अर्से बाद ही एक बार फिर कमान प्रकाश सिंह बादल जैसे उदारवादी नेताओं के हाथ में आ गई थी। भाजपा के साथ मिलकर उन्होंने कट्टरवाद का माहौल समाप्त करते हुए 117 में से 93 सीटें जीतकर रिकार्ड जीत हासिल की। उस जीत से सीमावर्ती राज्य पंजाब एक बार फिर मुख्यधारा में लौटता दिखाई दिया। इस दौर में पुलिस ज्यादतियों का शिकार हुए हजारों ऐसे परिवार हैं या उनकी अगली पीढ़ियां हैं जो आम तौर पर सौहार्दपूर्ण तरीके से जीवन व्यतीत कर रहे हैं परंतु जब भी चुनाव में उनसे हुई ज्यादतियों के तार छेड़े जाते हैं तो भावना में बहकर ये लोग मुख्यधारा की राजनीति से हटकर फैसले लेते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह की जीत को उसी रूप में देखा जा सकता है। वह पूरे चुनाव के दौरान केवल यही प्रचार करते रहे कि जिस पीएम ने श्री अकाल तख्त साहिब को ढहाया, यदि उसका पोता सांसद बन सकता है तो उसी अपमान का बदला लेने वाले बेअंत सिंह का बेटा संसद में क्यों नहीं जा सकता। इसी सीट पर आम आदमी पार्टी की ओर से फिल्म अदाकार करमजीत अनमोल मैदान में थे और काफी मजबूत स्थिति में थे। यहां करमजीत अनमोल की 'फिल्मी हीरो' और सरबजीत सिंह को 'रीयल हीरो' के बेटे के रूप में पेश किया गया। यह नैरेटिव शिरोमणि अकाली दल तोड़ नहीं पाया क्योंकि वह खुद पंथक दल होने के बावजूद श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी का समाधान नहीं कर सका। भाजपा के प्रत्याशी किसान संगठनों के विरोध के कारण इस नैरेटिव का जवाब नहीं दे सके। मात्र चार से पांच दिन में ही इस मुहिम ने इतना जोर पकड़ लिया कि जिस सरबजीत सिंह को पांच से दस हजार वोट मिलने की भी उम्मीद नहीं थी, वह भारी मतों से दिग्गजों को हराकर जीत गया।

आपको बता दें कि अकाली दल का गठन दिसंबर 1920 को 14 शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, सिख धार्मिक शरीर के एक कार्य बल के रूप में किया गया था। अकाली दल खुद को सिखों के प्रमुख प्रतिनिधि मानता है। सरदार सरमुख सिंह चुब्बल एकीकृत अकाली दल के पहले अध्यक्ष थे।

शिअद के हाशिये पर जाने से पार्टी में फिर उठने लगे विरोध के सुर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- अब विधायक अयाली बोले- जब तक झूंदा कमेटी की रिपोर्ट लागू नहीं होती, तब तक पार्टी गतिविधियों से दूर रहूंगे
- बीबी जगीर कौर और प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा भी पार्टी की स्थिति पर जता चुके हैं चिंता

लोकसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को केवल एक सीट मिलने और उसके दस प्रत्याशियों की जमानत तक जब्त होने से पार्टी में फिर विरोध के सुर उठने लगे हैं। पार्टी के इस तरह हाशिये पर जाने से इसके नेताओं की चिंता बढ़ गई है। श्री आनंदपुर साहिब से पार्टी के प्रत्याशी प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा के बाद अब विधानसभा में पार्टी के विधायक दल के नेता मनप्रीत अयाली ने भी कहा कि जब तक झूंदा कमेटी की रिपोर्ट लागू नहीं होती, तब तक वह पार्टी गतिविधियों से दूर रहेंगे।

अयाली ने इंटरनेट मीडिया पर डाली पोस्ट में लिखा है कि शिअद पंथ और पंजाब का सबसे बड़ा संगठन है। इसका गौरवमयी इतिहास रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से पार्टी नेताओं की ओर से लिए गए निर्णयों के कारण पार्टी में बड़े स्तर पर सैद्धांतिक गिरावट आई है। पार्टी पहले किसानी और अब पंजाब में चल रही पंथक सोच की पहचानने में असफल रही है। किसानी और पंथ व पंजाबियों का भरोसा हासिल करने के लिए अब बड़े निर्णय लेने की जरूरत है, ताकि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके।

प्रो. चंदूमाजरा भी पार्टी की स्थिति पर चिंता जता चुके हैं। उन्होंने बीरवार को कहा था कि लोकसभा चुनाव में हम कोई भी राष्ट्रीय एजेंडा सेट नहीं कर पाए। हम लोगों को यह नहीं बता पाए कि हम किस ट्रेन की सवारी हैं। हम न इधर के रहे, न ही उधर के रहे। इससे पहले एसजीपीसी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जगीर कौर ने चुनाव मुहिम के बीच ही पूर्व मंत्री आदेश प्रताप सिंह कैरों के निलंबन पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सुखबीर बादल को देखना चाहिए कि वह कैसे सलाहकारों से घिरे हुए हैं। उन्होंने कैरों को निलंबित करने के निर्णय की सख्त आलोचना की थी। संगरूर में अपने बेटे परमिंदर सिंह ढींडसा को टिकट न दिए जाने के कारण सुखदेव सिंह ढींडसा भी सुखबीर से नाराज हैं। परमिंदर ढींडसा ने भी चुनाव में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। वह केवल पार्टी प्रत्याशियों प्रो. चंदूमाजरा और एनके शर्मा के पक्ष में ही प्रचार करने के लिए गए थे।

बजट पूर्व की बैठक में उप मुख्यमंत्री को नहीं बुलाया

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राजस्थान में सत्ता और संगठन के बीच आपसी खींचतान को लेकर उठने लगे सवाल, कांग्रेस बोली खींचतान है

लोकसभा चुनाव में 25 में से 11 सीटों पर हार के बाद राजस्थान भाजपा सत्ता और संगठन में तालमेल को लेकर सवाल उठने लगे हैं। प्रदेश के कृषिमंत्री डा.किरोड़ी लाल मीणा जैसे दिग्गज नेता सरकार के कामकाज से नाखुशी जता चुके हैं। साथ ही स्वायत्त शासन मंत्री हरलाल सिंह खर्रा ने टिकट वितरण में गड़बड़ी और आपसी तालमेल के अभाव को हार का कारण बताया है।

राजस्थान

इस बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के बीच दूरी सार्वजनिक हो गई। जुलाई में पेश होने वाले बजट से पहले बुलाई गई बैठकों में दिया कुमारी को नहीं बुलाया गया,जबकि उनके पास वित्त विभाग का जिम्मा है। सीएम शर्मा ने गुरूवार को बजट पूर्व चर्चा के लिए कर्मचारियों संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया था। साथ ही बजट को लेकर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श भी किया। लेकिन दोनों बैठक को लेकर जारी किए गए नोटिस में दीया का नाम शामिल नहीं था। बैठक सीएम की अध्यक्षता में होने और उसमें मुख्य सचिव सुधांश पंत व वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित करीब एक दर्जन अधिकारियों के मौजूद रहने का नोटिस में उल्लेख था, लेकिन दिया का नाम नहीं था। इस मुद्दे को लेकर जब चर्चाओं का दौर शुरू हुआ और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने सवाल उठाया तो आनन-फानन में दिया को बैठक में आमंत्रित किया गया। पता चला कि वे जयपुर से बाहर है। उन्हे बैठक से आनलाइन जुड़ने का आग्रह किया गया। लेकिन वे बैठक से नहीं जुड़ी।

दीया कुमारी। फाइल

यह उठ रहे सवाल

अब यह सवाल उठ रहा है कि दो दिन पहले ही बैठक में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों के नाम और एजेंडा तय हो गया था तो फिर दिया को उसमें शामिल होने के लिए क्यों नहीं कहा गया। जबकि कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों व अधिकारियों को दो दिन पहले ही बैठक की सूचना दे दी गई थी।

कांग्रेस बोली, आपसी खींचतान है: कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा,बजट से जुड़ी बैठक में वित्त मंत्री का मौजूद नहीं होना आश्चय की बात है। इससे यह साफ होता है कि मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री में तालमेल नहीं है। उन्होंने कहा, या तो दिया कुमारी को पहले सूचना ही नहीं दी गई और यदि सूचना देने के बावजूद भी वे बैठक में नहीं पहुंची तो खींचतान साफ नजर आती है।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय की ओर से सांसदों को गुरुवार को जयपुर स्थित पार्टी कार्यालय बुलाया गया।

राहुल को दो सप्ताह के भीतर एक सीट से देना पड़ेगा इस्तीफा

- कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में वायनाड और रायबरेली सीट से जीते हैं
- संविधान विशेषज्ञ पीडीटी अचारी ने कहा, 14 दिन के अंदर एक सीट से इस्तीफा जरूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में जीती गई दो सीटों में से एक से दो सप्ताह के भीतर इस्तीफा देना होगा। पूर्व लोकसभा महासचिव और संविधान विशेषज्ञ पीडीटी अचारी ने बताया कि जो भी उम्मीदवार दो सीटों से जीतता है, उसे चुनाव परिणाम के 14 दिनों के भीतर एक सीट छोड़नी पड़ती है।

17वीं लोकसभा के भंग होने के बाद भी गांधी मौजूदा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना इस्तीफा भेज सकते हैं, क्योंकि 18वीं लोकसभा के लिए प्रोटेम स्पीकर नियुक्त होने तक वह पद पर बने रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा नई लोकसभा के गठन के लिए सदन को भंग करने की केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह स्वीकार करने के बाद पांच जून को 17वीं लोकसभा भंग हो गई है। आचारी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद खाली होने की स्थिति में सदस्य चुनाव आयोग को इस्तीफा भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सदस्य दो सीटों में से एक से इस्तीफा नहीं देता है, तो उसे दोनों सीटें खोने का खतरा होता है। नई लोकसभा में कांग्रेस की सीटें 99 हैं,

राहुल गांधी। फाइल

जिसमें राहुल गांधी की वायनाड और रायबरेली दोनों सीटें शामिल हैं। आयोग लोगों को दो सीटों से चुनाव लड़ने से रोकने के लिए कानूनों में संशोधन करने के लिए सरकार से मांग की थी। आयोग ने कहा था कि उपचुनाव की आवश्यकता वाली सीट खाली करने वाले उम्मीदवार से राज्य के खजाने में उचित राशि जमा कराने का प्रविधान किया जाए।

उप्र के विधानसभा चुनाव में भी रहेगा कांग्रेस- सपा का गठबंधन : अजय राय

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ

- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह गठबंधन है स्वाभाविक
- परिणाम ने बढ़ाया दोनों दलों के कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मिली जीत से कांग्रेस व सपा के कार्यकर्ता उत्साहित हैं। इनका आत्मविश्वास बढ़ा है। कांग्रेस व सपा का गठबंधन स्वाभाविक गठबंधन है। उत्तर प्रदेश में भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए अगला विधानसभा चुनाव भी दोनों दल मिलकर लड़ेंगे। राय ने कहा कि वह शनिवार को दिल्ली जाएंगे। उनका पूरा प्रयास रहेगा कि राहुल गांधी रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व बरकरार रखें।

लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन के चलते कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इनमें अजय राय तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध चुनाव मैदान में उतरे थे। कांग्रेस अमेठी व रायबरेली समेत कुछ छह सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही, पिछले चुनाव में कांग्रेस एकमात्र

अजय राय। फाइल

रायबरेली पर जीत सकी थी। इस बार 63 सीटों पर सपा ने अपने उम्मीदवार उतारे थे और उसके 37 प्रत्याशी जीत दर्ज करने में कामयाब रहे। अजय राय ने आरोप लगाया कि वाराणसी में भाजपा ने अपने कार्यों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया, जबकि जमीनी सच कुछ और है।

दुखद

अयोध्या पर हार का ठीकरा फोड़े जाने से रामनगरी के संतों में क्षोभ, कहा- रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, विहिप व आरएसएस से पूछें- क्यों हारे

भाजपा की पराजय के दोषारोपण से आहत है रामनगरी

जागरण संवाददाता, अयोध्या

कोई कह रहा है कि अयोध्यावासियों ने सीता पर भी संदेह किया तो कोई कह रहा कि अयोध्या जाएंगे तो प्रसाद-पानी लेकर जाएंगे।

उत्तर प्रदेश

लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार को लेकर लोग तरह-तरह के कटाक्ष रामनगरी पर कर रहे हैं। इस दोषारोपण से अयोध्या आहत है। रामनगरी की शीर्ष पीठ दशरथमहल के पीठाधीश्वर बिंदुगाद्याचार्य देवेंद्रप्रसादाचार्य इंटरनेट मीडिया पर छिड़े उस अभियान से बेहद दुखी हैं, जिसके तहत भाजपा की पराजय के लिए रामनगरी को कलंकित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव में किसी की जय और किसी की पराजय न केवल आम बात है, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी पक्ष अथवा

अयोध्या के हरिधाम पीठ में बैठक करते बिंदुगाद्याचार्य देवेंद्रप्रसादाचार्य(बाएं से तीसरे), महंत जन्मेजयशरण (बाएं से चौथे), महंत अवधेशदास(दाएं से तीसरे), जगद्गुरु स्वामी रामदिनेशाचार्य(दाएं से दूसरे), डा. सर्वेश्वरदास(बाएं से प्रथम), महंत मनीषदास(दाएं से प्रथम), महंत कृष्णकुमार दास(बाएं से दूसरे) : जागरण

व्यक्ति को चुनने की स्वतंत्रता नागरिकों का मौलिक अधिकार है। ऐसे में फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की पराजय का ठीकरा अयोध्या और यहां के लोगों पर फोड़ा जाना अलोकतांत्रिक एवं अन्यायपूर्ण है।

अयोध्या स्थित हरिधाम पीठ में बैठक को संबोधित करते हुए देवेंद्रप्रसादाचार्य कहते हैं कि भाजपा ने अयोध्या के लिए बहुत कुछ किया और भाजपा की पराजय हमें भी व्यक्तिगत रूप से बहुत दुख देने वाली है, किंतु इस पराजय के लिए अयोध्या पर आक्षेप लगाना तो और भी दुखद है। जानकीघाट के महंत जन्मेजयशरण याद दिलाते हैं कि भाजपा प्रत्याशी ने स्वयं कोई प्रयास नहीं किया, वह कहीं वोट मांगने नहीं गए, हनुमानजी का दर्शन तक करने नहीं आए। उनकी पराजय का दूसरा पहलू यह है कि यहां आए दिन सत्ताधीशों के आगमन के प्रोटोकाल का बोझ भाजपा से ऊबन पैदा करने वाला रहा। अयोध्या के लोगों को अपने ही नगर में बेगाना बन जाना पड़ा। बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेशदास दो टूक कहते हैं कि अयोध्या को लांछित करने वालों को रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, विहिप और आरएसएस से पूछना चाहिए कि अयोध्या में भाजपा को क्यों पराजित होना पड़ा।

रामनगरी में सर्वाधिक प्रभावी रामानंद संप्रदाय के आचार्य एवं प्रख्यात कथाव्यास जगद्गुरु स्वामी रामदिनेशाचार्य ने कहा कि आज जब आत्ममंथन की जरूरत है तो अयोध्या को गाली देना पराजय के वास्तविक कारणों को अनदेखा करना है। सच यह है कि भाजपा के तथाकथित भक्त अयोध्या को गाली देकर रामजी को अपमानित करने का अपराध कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने की उप्र-राजस्थान के लोगों का बहिष्कार की अपील

राज्य ब्यूरो, जागरण ● अहमदाबाद

सूरत शहर भाजपा उपाध्यक्ष तेजल कापडिया के पति विक्रांत कापडिया ने उत्तर प्रदेश व राजस्थान में भाजपा प्रत्याशियों की हार के बाद इन राज्यों के लोगों का बहिष्कार करने की इंटरनेट मीडिया पर अपील की है। वहीं,आप ने अयोध्या में हार के बाद भाजपा नेता द्वारा अयोध्यावासियों को भला बुरा कहने पर कड़ी आपत्ति जताई है।

विक्रांत कापडिया ने इंटरनेट मीडिया पर लिखा कि इन उत्तर प्रदेश और राजस्थान के लोगों का बहिष्कार करो, भैयाजी से खाने-पीने की किसी भी तरह की चीजें खरीदना बंद करो। उनकी इस पोस्ट पर कई हिंदीभाषी लोगों ने कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि बनारस के लोगों ने गुजराती नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार चुना है। इस मामले में विवाद बढ़ने पर कापडिया ने कहा कि तीन दिन से उनका अकाउंट हैक हो गया था, ये पोस्ट मेरी नहीं है। कोई भी विवादित पोस्ट की गई है तो माफी मांगता हूं। वहीं, गुजरात भाजपा प्रभारी रत्नाकर की एक पोस्ट खूब प्रसारित हो रही है। उन्होंने गीली सीसी रोड पर चलते हुए निशान छोड़ते एक कुत्ते की फोटो पोस्ट की, इस पर लिखा है कि चित्र से हमें शिक्षा मिलती है कि कुत्तों को विकास से कोई मतलब नहीं होता। गुजरात आम आदमी पार्टी अध्यक्ष ईसुदान गढवी ने कहा कि चुनाव जीतो तो मोदी की जीत और हारने पर हिंदुओं को बदनाम करते हैं।

रत्नाकर। फाइल

विवाद बढ़ने पर मांगी माफी, कहा- मेरा अकाउंट हो गया था हैक

****

45 वर्ष पुराना राजनीतिक संगठन है पीपुल्स कान्फ्रेंस। वर्ष लगभग, जो 1987 के बाद अलगाववाद की तरफ मुड़ गया था, लेकिन सज्जाद गनी लोन ने वर्ष 2009 में एक बार फिर अलगाववाद को गुडबाय बोल मुख्यधारा की सियासत में इसे जोड़ दिया।

एक कैनवस पर देश के अब तक के प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इस मौके पर अमृतसर में प्रसिद्ध पेंटर जगजोत सिंह रूबल ने आठ फीट की अनूठी पेंटिंग बनाई है जिसमें उन्होंने देश के अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों के चित्र उकेरे हैं। यह पेंटिंग वह पीएमओ को भेंट करेंगे। राघव शिकारपुरिया

आंध्र प्रदेश में जारी रहेगा मुस्लिम आरक्षण : तेदेपा

नई दिल्ली, एएनआइ : तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) के नेता के. रविंद्र कुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। इसमें कोई समस्या नहीं है। इससे पहले, तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने भी राज्य में मुस्लिम कोटा आरक्षण बरकरार रखने की बात कही थी। आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में तेदेपा और उसकी सहयोगी पार्टियों भाजपा-जनसेना ने 164 सीटों पर जीत दर्ज की।

आंध्र प्रदेश

दिल्ली में राजग की बैठक में तेदेपा द्वारा मांगें रखे जाने के सवाल पर रविंद्र कुमार ने कहा कि हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा हैं। यह चुनाव से पूर्व का गठबंधन है और इसमें मांगों का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता आंध्र प्रदेश का पुनर्निर्माण है।

'चुनाव से पूर्व बिना शर्त राजग में हुए थे शामिल, बने भी रहेंगे'

अमरावती, प्रेट्र : तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) के महासचिव नारा लोकेश ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले पार्टी राजग में शामिल हुई थी और बिना शर्त राजग में बनी रहेगी। तेदेपा सुप्रीमो के आवास पर लोकेश ने कहा कि अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, आरक्षण, बजट आवंटन, विकास और अन्य जैसी 100 चीजें होंगी जिन पर एक मेज पर बातचीत की जा सकती है। हम तेलुगु लोगों के लिए खड़े हैं।

नारा लोकेश। फाइल

कश्मीर में आसान नहीं नए क्षेत्रीय दलों का राह

नवीन नवाज ● जागरण

श्रीनगर : लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर की पांच संसदीय सीटों के परिणाम ने साबित कर दिया है कि प्रदेश की राजनीति में नए क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए राह आसान नहीं है। बीते चार वर्षों में उभरे जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी, नेशनलिस्ट पीपुल्स फ्रंट और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी जैसे दल तमाम प्रयासों के बावजूद मतदाताओं में अपनी पकड़ बनाने में असमर्थ रहे। नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी जैसे दलों का विकल्प बनने का दावा करने वाले ये दल गठबंधन के सहारे भी कहीं भी चुनौती नहीं बन सके। उमर अब्दुल्ला की हार के बावजूद नेकां का कश्मीर की चुनावी राजनीति में दबदबा बरकरार है। निर्दलीय तौर पर मैदान में उतरे अलगाववादी इंजीनियर रशीद उमर अब्दुल्ला को हराकर अपना प्रभाव छोड़ते जरूर नजर आए। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी कश्मीर में तीसरे नंबर पर और सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कान्फ्रेंस चौथे नंबर पर हैं। कश्मीर में श्रीनगर, बारामुला और अनंतनाग-राजौरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 54 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। लोकसभा चुनाव में मिले वोटों के आधार पर नेकां 34 विधानसभा क्षेत्रों में, इंजीनियर रशीद 14 विधानसभा क्षेत्रों, पीडीपी पांच और सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कान्फ्रेंस एक ही विधानसभा क्षेत्र में आगे रही है। इन तीनों सीटों पर नेकां, पीडीपी का अन्य दलों के साथ मुकाबला हुआ। इन सीटों पर भाजपा ने चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन जम्मू और ऊधमपुर की सीटों पर भाजपा बनाम कांग्रेस मुकाबला हुआ। दोनों पर नेकां व पीडीपी ने कांग्रेस का साथ दिया, लेकिन दोनों भाजपा की झोली में आईं।

जम्मू-कश्मीर

अपनी पार्टी। फाइल

नेशनलिस्ट पीपुल्स फ्रंट

डीपीएपी। फाइल

▸ अपनी पार्टी, नेशनलिस्ट पीपुल्स फ्रंट, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी जैसे दल उभरे

कश्मीर में ये रही दलों की स्थिति

- बारामुला सीट पर नेकां सिर्फ बड़गाम, गुरेज और पट्टन में आगे रही, जबकि सज्जाद गनी लोन सिर्फ हंदवाड़ा में आगे रहे। इंजीनियर रशीद ने अन्य 14 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी बढ़त बनाई। पीडीपी इस पूरे क्षेत्र में पिछड़ी रही।
- श्रीनगर में पीडीपी सिर्फ दो क्षेत्रों राजपोरा और शोपियां में आगे रही, अन्य 16 क्षेत्रों में नेकां आगे रही। अल्ताफ बुखारी श्रीनगर के रहने वाले हैं और उनके उम्मीदवार मोहम्मद अशरफ मीर भी श्रीनगर के सोनवार इलाके के रहने वाले हैं, लेकिन एक भी क्षेत्र में वह अपने विरोधियों से पार नहीं पा सके।
- अनंतनाग-राजौरी सीट पर जहां महबूबा हारी हैं, पीडीपी ने सिर्फ अनंतनाग, अनंतनाग पश्चिम और बिजबिहाड़ा में बढ़त ली, जबकि अन्य 15 विधानसभा क्षेत्रों में नेकां आगे रही। डीपीएपी, अपनी पार्टी व जेकेएनपीएफ के उम्मीदवार स्थानीय थे। अपनी पार्टी को पीपुल्स कान्फ्रेंस व भाजपा का भी समर्थन था, लेकिन उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई।

गढ़ में ही नहीं मिली बढ़त

हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में अपनी पार्टी और पीपुल्स कान्फ्रेंस का गठबंधन रहा है। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ अपने उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारे और इनके साझा प्रतिद्वंद्वी दल नेकां-पीडीपी ही रहे। डीपीएपी ने बारामुला सीट पर इंजीनियर रशीद का समर्थन करने के अलावा अन्य सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे। इंजीनियर रशीद चुनाव जीतने में कामयाब रहे और सज्जाद लोन बारामुला सीट पर तीसरे स्थान पर रहे। अन्यत्र अपनी पार्टी, डीपीएपी और जेकेएनपीएफ के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। अपनी पार्टी के उम्मीदवार उन विधानसभा क्षेत्रों में भी बढ़त बनाने में भी असमर्थ रहे, जहां के वह निवासी हैं। इस स्थिति में राजनीतिक दलों के लिए यह चिंता का विषय है।

पहले तैयार करना होगा कैडर

कश्मीर मामलों के जानकार रमीज मखदूमी ने कहा कि अपनी पार्टी, डीपीएपी, जेकेएनपीएफ और पीपुल्स कान्फ्रेंस को कश्मीरियों ने केवल नेकां-पीडीपी जैसे पुराने दलों के वोट बैंक में सेंध के रूप में लिया। यह चुनाव परिणाम साबित करता है कि कश्मीर में नेकां-पीडीपी का अगर किसी दल को विकल्प बनना है तो उसे जमीनी स्तर पर मेहनत करते हुए पहले अपना कैडर तैयार करना होगा।

गठबंधन में मेरा अपमान हुआ : हनुमान बेनीवाल

हनुमान बेनीवाल। फाइल

जासं, जयपुर : आइएनडीआइए में शामिल होकर राजस्थान की नागौर लोकसभा सीट से चुनाव जीतने वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने गठबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बेनीवाल ने कहा कि गठबंधन की दिल्ली में हुई बैठक में मुझे नहीं बुलाया गया। जब मैंने इस बारे में पूछा तो कहा कि आप छोटे दल हैं, इसलिए नहीं बुलाया गया। यह मेरा अपमान है। प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष ने यह तक नहीं कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की जीत में बेनीवाल का बड़ा योगदान है। जबकि मैं लगातार कह रहा हूं कि मुझे जो तीन लाख वोट मिले हैं। वह कांग्रेस के साथ गठबंधन करने के कारण मिले हैं। सच तो यह है कि आरएलपी के कारण कांग्रेस को 20 लाख मिले हैं।

बसपा चली न झापा, माकपा व ओवैसी की पार्टी भी फिसड्डी

झारखंड में दम नहीं दिखा सके छोटे दल, ज्यादातर की जमानत जब्त

बसपा 14, झापा चार, भाकपा चार, माकपा एक, सपा तीन व एआइएमइएम एक सीट पर लड़ी थी चुनाव

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

झारखंड में इस बार के लोकसभा चुनाव में न मायावती की बहुजन समाज पार्टी चली न पूर्व मंत्री एनोस एक्का की झारखंड पार्टी ही कोई असर दिखा सकी। वाम दलों में कोडरमा सीटर पर दूसरे नंबर पर रहे भाकपा माले प्रत्याशी की बात छोड़ दें तो अन्य सीटों पर भाकपा और माकपा के प्रत्याशी भी हाशिये पर रहे। उत्तर प्रदेश में दमखम दिखाने वाली अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी भी झारखंड में असर नहीं दिखा सकी। वहीं असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम भी फिसड्डी साबित हुई। इन तमाम दलों के ज्यादातर प्रत्याशी अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। इससे इतर भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल झारखंड की क्षेत्रीय पार्टी आजसू एक सीट गिरिडीह में चुनाव लड़ी और वहां जीत दर्ज की। इसके अलावा नए क्षेत्रीय दल के रूप में उभर रहे संगठन झारखंड भाषा खतियानी संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) ने गिरिडीह, हजारीबाग, धनबाद और रांची में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई।

झारखंड

राज्य में बहुजन समाज पार्टी सभी 14 सीटों पर चुनाव लड़ी, जबकि भाकपा चार, माकपा एक, सपा तीन व एआइएमइएम एक सीट पर चुनाव लड़ी थी। राजमहल संसदीय सीट पर माकपा के गोपीन सोरेन चौथे स्थान पर रहे। राजमहल में ही बसपा के मरियम मरांडी आठवें तथा एआइएमइएम के पाल सोरेन नौवें स्थान पर रहे। दुमका की बात करें तो भाकपा के राजेश किस्कू यहां पांचवें व बसपा के परेश मरांडी सातवें स्थान पर रहे। गोड्डा में बसपा के बजरंगी महथा सातवें स्थान पर रहे। चतरा में भाकपा के अर्जुन कुमार चौथे, बसपा के नागमणि आठवें व झापा के दर्शन गंझू 18वें स्थान पर रहे। कोडरमा में महागठबंधन सीट पर भाकपा माले के प्रत्याशी विनोद सिंह दूसरे स्थान पर रहे, वहीं बसपा के सितन रविदास पांचवे स्थान पर रहे। गिरिडीह में बसपा के कमल प्रसाद चौथे स्थान पर रहे। धनबाद में बसपा के मोहन सिंह सातवें व समाजवादी पार्टी के कृष्णा चंद्र सिंह राज 12वें स्थान पर रहे। रांची में बसपा के मनोज कुमार आठवें व समाजवादी पार्टी की हेमंती देवी 13वें स्थान पर रहीं। जमशेदपुर में बसपा के प्रणव कुमार महतो छठे स्थान पर रहे।

▸ एनडीए में शामिल आजसू एक सीट जीती, जयराम महतो के नए संगठन ने दिखाई ताकत

आठ सीटों पर लड़ी जयराम महतो की पार्टी

जयराम महतो की पार्टी जेबीकेएसएस ने पहली बार झारखंड की राजनीति में कदम रखा और इस लोकसभा चुनाव में आठ सीटों पर चुनाव लड़ा। इन आठ सीटों में गिरिडीह, रांची, हजारीबाग, चतरा, सिंहभूम, दुमका, धनबाद व कोडरमा सीट शामिल थी। इनमें चार सीट गिरिडीह, हजारीबाग, धनबाद व रांची में इस पार्टी ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

जयराम महतो

चुनाव नतीजे के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट पर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी

जाब्यू, नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट और निवेशकों को हुए नुकसान का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत में एक अर्जी दाखिल हुई है, जिसमें कहा गया है कि चुनाव परिणाम के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट पर केंद्र सरकार और सेबी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी जाए। यह अर्जी सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने दाखिल की है। अर्जी में हिंडनबर्ग अदाणी मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए सेबी से रिपोर्ट मांगने की मांग की गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोस चुनाव के बाद शेयर बाजार में अचानक आई तेजी व गिरावट का मुद्दा उठाया था। अर्जी में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग मामले में रेगुलेटरी सिस्टम को मजबूत करने की बात कही थी, ताकि भविष्य में निवेशकों को अचानक कोई बड़ा नुकसान ना उठाना पड़े।

भूल सुधार

गत 6 जून को प्रकाशित राष्ट्रीय संस्करण के अंक में 'सबसे पुरानी पार्टी के सामने नई चुनौतियां' शीर्षक से जारी इन्फोग्राफ में 1989 में कांग्रेस की सीटों की संख्या 1997 छपी है। सही संख्या 197 है। पाठकों को हुई असुविधा के लिए खेद है।

राष्ट्रीय फलक

झूठे विज्ञापन के मानहानि मामले में राहुल गांधी को जमानत

बेंगलुरु, प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में यहां की एक विशेष विशेष अदालत ने जमानत दे दी है। भाजपा के खिलाफ प्रमुख अखबारों में झूठे और अपमानजनक विज्ञापन देने के मुद्दे पर कर्नाटक भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया है।

बेंगलुरु की एक विशेष अदालत के जज केएस शिवकुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हर हालत में सात जून से पहले अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। इसलिए शुक्रवार को कोर्ट में पेश होते ही राहुल गांधी ने पिछली दो सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेशी होने में छूट लेने के लिए अदालत से माफी मांगी। कोर्ट ने उनकी माफी को स्वीकार करते हुए 75 लाख रुपये के मुचलके पर उनकी जमानत मंजूर कर दी है। राहुल की पेशी के दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी कोर्ट में मौजूद थे।

बताया जाता है कि कांग्रेस की ओर से प्रकाशित यह विज्ञापन कर्नाटक में 2019-2023 के बीच भाजपा शासन पर व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाले थे। मानहानि के इसी मामले में अदालत ने सिद्दरमैया और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार को एक जून को जमानत दे दी थी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जून में भाजपा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपित ने 5 मई, 2023 को कर्नाटक में मुख्यधारा के सभी अखबारों में विधानसभा चुनाव के प्रचार के समय 'करप्शन रेट कार्ड' और '40 प्रतिशत कमीशन सरकार' के शीर्षक से विज्ञापन प्रकाशित कराए थे।

कर्नाटक कांग्रेस के प्रदर्शन की समीक्षा : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कुल 28 लोकसभा सीटों वाले कर्नाटक में कांग्रेस के प्रदर्शन की समीक्षा की है। प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नौ सीटें जीती हैं। जबकि राजग की भाजपा व जदएस ने 17 और दो यानी कुल 19 सीटें जीती हैं। राहुल गांधी ने नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसदों को संबोधित किया। सिद्दरमैया, डीके शिवकुमार और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला भी उपस्थित थे।

▸ बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 75 लाख के मुचलके पर दी बेल

▸ कांग्रेस नेता ने दो सुनवाई में पेश नहीं होने पर कोर्ट से माफी मांगी

मानहानि से संबंधित प्रकरण में शुक्रवार को बेंगलुरु में न्यायालय में प्रस्तुत होने पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी। प्रेट्र

भाजपा की तीखी प्रतिक्रिया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अदालत में पेशी से पहले शुक्रवार को भाजपा ने एक्स पर एक पोस्ट जारी करके कहा, 'आरोपित नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर है। मिस्टर@राहुल गांधी, आपका नम्मा बेंगलुरु में स्वागत है। हम आपका भारतीय कानून के तहत गुमराह करने वाले और अपमानजनक विज्ञापन देने के नतीजों का भी स्वागत करते हैं। आपने इन विज्ञापनों का इस्तेमाल हमारे नेताओं के खिलाफ किया जिन पर लगाए आरोपों को आप आज तक साबित नहीं कर पाए हैं।'

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफार्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

बरेली में नहीं लहराया गया पाकिस्तानी झंडा

विश्वास.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली : देश में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में हरे रंग के झंडे को देखा जा सकता है। इस वीडियो को यूपी के बरेली का बताया जा रहा है। साथ ही यह दावा किया जा रहा है कि वहां चुनावी नतीजों के बाद पाकिस्तानी झंडा लहराया गया।

पड़ताल : विश्वास न्यूज ने प्रसारित पोस्ट के आधार पर कीवर्ड बनाकर गूगल ओपन सर्च टूल में सर्च किया। हमें एक भी ऐसी खबर नहीं मिली, जो इस बात की पुष्टि कर सके कि लोकसभा चुनाव के बाद बरेली में पाकिस्तानी झंडे को लहराया गया है। सर्च के दौरान प्रसारित वीडियो हमें इंस्टाग्राम पर भी मिला। इसे 19 मई को अपलोड करते हुए लिखा गया कि बरेली बना पाकिस्तान। जांच को आगे बढ़ाते हुए हमने पाकिस्तानी और इस्लामिक झंडे के अंतर को देखा। हमें पता चला कि पाकिस्तानी झंडे में एक सफेद रंग की पट्टी होती है, जबकि इस्लामिक झंडा पूरी तरह से हरे रंग का होता है। पड़ताल में पुष्टि हुई कि वीडियो लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले का है और वीडियो में दिख रहा झंडा पाकिस्तानी नहीं, बल्कि इस्लामिक झंडा है। बरेली के एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने भी इसे भ्रामक बताया।

निष्कर्ष : विश्वास न्यूज की जांच में पाकिस्तानी झंडा लहराने के नाम पर प्रसारित हुई पोस्ट फर्जी साबित हुई।

क्या हो रहा है प्रसारित

एक्स हैंडल फादर पीटर ने पांच जून को एक वीडियो को पोस्ट करते लिखा, 'बरेली बना पाकिस्तान!! उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी की 37 सीटें आते ही बरेली में शांति प्रिय कम्युनिटी के लोगों ने लहराया पाकिस्तान का झंडा।'

झूठी खबर और अफवाहों का सच जानने के लिए विश्वास न्यूज के वाट्सएप चैनल को फालो करने के लिए कोड स्कैन करें।

आलोचना सुन पादरी पर विफरे केरल के मुख्यमंत्री विजयन

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आम चुनाव में हार के लिए इंटरनेट मीडिया पर सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) की आलोचना करने वाले पादरी को 'अज्ञानी व्यक्ति' करार दिया। जेकोबाइट सीरियन क्रिश्चियन चर्च के मेट्रोपालिटन बिशप गीवर्गीस मार कोरिलोज ने गुरुवार को आम चुनाव में खराब प्रदर्शन के लिए केरल सरकार के अहंकार और फिजूलखर्ची को जिम्मेदार ठहराया था।

पिनराई विजयन।

मुख्यमंत्री पी. विजयन ने कहा कि पादरी के अनुसार एलडीएफ को बाढ़ के कारण सत्ता में आने का दूसरी बार मौका मिला। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी दिखाती है कि पादरियों में भी कभी-कभी अज्ञानी व्यक्ति होते हैं। हममें से कोई भी राज्य में एक और बाढ़ आने की इच्छा नहीं रखता है।

मुख्यमंत्री चम्पाई ने आलमगीर आलम से वापस लिए सभी विभाग

राज्य ब्यूरो, रांची

कार्यादेश कमीशन घोटाला में न्यायिक हिरासत में रह रहे मंत्री आलमगीर आलम से सभी विभाग वापस ले लिए गए हैं। ये सभी विभाग अब मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन स्वयं संभालेंगे। मुख्यमंत्री के पास पूर्व में आवंटित विभागों के साथ-साथ संसदीय कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग तथा पंचायती राज विभाग भी रहेगा। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी।

बता दें कि कार्यादेश कमीशन घोटाला में ईडी द्वारा आलमगीर को गिरफ्तार करने तथा रिमांड में पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेजे जाने के बाद संबंधित विभागों का कामकाज ठप था। संबंधित विभागों का राज्य के समेकित विकास में बड़ी भूमिका रही है। खासकर ग्रामीण विकास तथा ग्रामीण कार्य का बजट बड़ा है तथा मानसून से पहले इन विभागों में जुड़े सैकड़ों कार्य पूरे किए जाने हैं। वहीं, दो माह बाद झारखंड विधानसभा का बजट सत्र भी है। बताते चलें कि जेल भेजे जाने के बाद भी आलमगीर आलम ने मंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, मुख्यमंत्री द्वारा उनसे विभागों को वापस लेने को बड़ा निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। अब सवाल उठ रहा है कि आलमगीर बिना विभाग के मंत्री पद पर बने रहेंगे या फिर मंत्री पद से इस्तीफा देंगे। जानकारों के अनुसार जल्दी ही इसपर फैसला होगा।

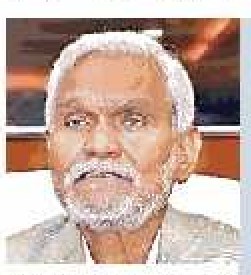
चम्पाई सोरेन। फाइल

संसदीय कार्य, सहित अन्य सभी विभाग झारखंड के मुख्यमंत्री को आवंटित

चार सरकारें मिलकर खोजेगी पोलावरम विवाद का हल

विनोद सिंह ● नईदुनिया

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ सीमा से लगभग डेढ़ सौ किलोमीटर दूर आंध्रप्रदेश में गोदावरी नदी में निर्माणाधीन पोलावरम बहुउद्देशीय राष्ट्रीय परियोजना के डूबान क्षेत्र को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा का केंद्र और आंध्रप्रदेश के साथ जारी विवाद के समाधान की उम्मीद बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है और ओडिशा में भी जीत दर्ज कर भाजपा सरकार बनाने जा रही है। इसी तरह आंध्रप्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) की सत्ता में वापसी हो गई है। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में टीडीपी के शामिल होने से माना जा रहा है कि तीनों राज्यों की सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर डूबान को लेकर जारी विवाद का हल खोज सकती हैं।

बता दें कि पोलावरम परियोजना का काम अंतिम चरण में है। बांध में एक लेबल तक जलभराव भी किया जाने लगा है। मानसून काल में गोदावरी नदी में बाढ़ की स्थिति में इसके बैक वाटर से छग में सुकमा जिले में सबरी और ओडिशा में मलकानगिरी जिले में सिलेरू नदी के तटीय बसाहट क्षेत्र डूब जाते हैं। पिछले तीन सालों से यहां सुकमा जिले की कोंटा तहसील में सबरी नदी के बैकवाटर से मानसून काल में डूबान की स्थिति बन रही है। कोंटा नगर पंचायत का दो तिहाई क्षेत्र डूब जाता है।

छत्तीसगढ़ को आंध्रप्रदेश को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-30 भी कई दिनों के लिए बाधित हो जाता है। संबंधित राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकार होने से आपस में टकराहट की स्थिति बनती रही है।

▸ छग और ओडिशा का डूबान को लेकर केंद्र और आंध्रप्रदेश से है विवाद

▸ विरोध के कारण जनसुनवाई नहीं, पुनर्वास व विस्थापन पर भी एकराय नहीं

निर्माणाधीन पोलावरम।

पोलावरम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में केस दायर है। छग के हितों को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। परियोजना को लेकर केंद्रीय जल आयोग और आंध्रप्रदेश द्वारा हमारी आपत्तियों का निराकरण जल्दी कर दिया जाएगा इसकी पूरी उम्मीद है।
– केदार कश्यप – जल संसाधन मंत्री छग शासन

केंद्र में यूपीए की सरकार थी तब दायर किया था केस

- लंबे समय तक गतिरोध के बाद पोलावरम परियोजना का काम यूपीए सरकार के समय 2005 में दोबारा प्रारंभ किया गया।
- बीजेडी की सरकार ने 2006 में व छग की भाजपा सरकार ने 20 अगस्त 2011 को आंध्रपदेश के खिलाफ परियोजना के निर्माण में समझौते का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए केस दायर किया।
- छग पर्यावरण संरक्षण मंडल ने भी 2012 में इसी मुद्दे पर एक और केस दायर किया।
- 2014 में पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया, वित्तीय सहायता बढ़ाई।
- केंद्रीय जल आयोग ने सात अक्टूबर 2022 को संबंधित राज्यों की बैठक बुलाई।
- बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा कि जब तक डूबान क्षेत्र का चिन्हांकन नहीं हो जाता तब तक जनसुनवाई नहीं की जाएगी।

****

8.5 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की है असम पुलिस ने गुरुवार को मिजोरम सीमा के निकट धोलेखाल क्षेत्र से। इस संबंध में अब्दुल अहद लस्कर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। तलाशी के दौरान लस्कर के पास साबुन के 139 डिब्बे बरामद हुए, जिनमें हेरोइन भरी थी।

महिला की झोपड़ी जलाने में सपा विधायक को सात साल की कैद

इरफान सोलंकी के साथ उनके भाई व अन्य चार को भी सात-सात वर्ष की कैद

कानपुर के विधायक की कुर्सी जाना तय, वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किए गए इरफान

जागरण संवाददाता, कानपुर

इरफान सोलंकी। फाइल फोटो जागरण

रिजवान सोलंकी। जागरण

कानपुर में जमीन विवाद में महिला की झोपड़ी जलाने के मामले में सपा विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सहित पांच को एमपी-एमएलए कोर्ट ने शुक्रवार को सात-सात साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। महाराजगंज जिला जेल में बंद सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के विधायक वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किए गए, जबकि अन्य चारों दोषी कोर्ट रूम में थे। फैसले के बाद इरफान सोलंकी की विधायकी जाना तय हो गया है। इरफान और रिजवान पर अलग-अलग 30,500, अन्य दोषियों पर 29,500 रुपये जुर्माना लगाया है। जुर्माने का 40 प्रतिशत हिस्सा पीड़िता को दिया जाएगा।

न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी ने सजा सुनाते हुए यह भी कहा कि दोनों पक्ष विवादित प्लाट के मालिकाना हक को लेकर भी तस्वीर साफ नहीं कर सके। कोर्ट ने शाम साढ़े छह बजे सजा सुनाई। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। इरफान पर अभी 17 मामले और चल रहे हैं। बता दें, कोर्ट ने तीन जून को बलवा, विस्फोटक पदार्थ या आग से घर नष्ट करने, आर्थिक क्षति पहुंचाने, धमकाने और गाली गलौज प्रकरण में पांचों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाए जाने के लिए सात जून की तारीख तय की थी।

यह है मामला : जाजमऊ की नजीर फातिमा ने आरोप लगाया था कि सात नवंबर, 2022 को विधायक, उनके भाई और अन्य लोगों ने रात आठ बजे उनके प्लाट में बनी झोपड़ी में आग लगा दी थी। उनकी गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के समय वह शादी में गई थीं। आठ नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने केस दर्ज किया था। करीब दो दिनों तक फरार रहने के बाद इरफान सोलंकी ने दो दिसंबर, 2022 को भाई के साथ पुलिस के सामने समर्पण कर दिया था। छह मार्च, 2023 को आरोप तय हुए थे।

विधायक लोक सेवक हैं, समाज में कानून व्यवस्था बनी रहे यह उनकी जिम्मेदारी है, उन्होंने यह जिम्मेदारी नहीं निभाई। -कोर्ट की टिप्पणी

राजस्थान में कन्हैयालाल की गर्दन काटने वालों के तार पाकिस्तान से जुड़े

जासं, उदयपुर : राजस्थान के कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में उनके छोटे बेटे यश शुक्रवार को जयपुर की एनआइए की विशेष कोर्ट में बयान देने पहुंचे। इस दौरान उसने खुलासा किया कि उसके पिता के हत्यारों के तार पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं। गौरतलब है कि घटना के 2 साल बाद मामले का ट्रायल शुरू हुआ है।

बता दें कि 28 जून 2022 को कन्हैयालाल की मोहम्मद रियाज अंसारी और गौस मोहम्मद ने निर्मम तरीके से गला काटकर हत्या कर दी थी। आरोपी फरहाद मोहम्मद को एनआइए की विशेष कोर्ट से करीब 9 महीने पहले जमानत मिल चुकी है। वहीं शेष 8 आरोपी अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद हैं।

यश ने यह भी सवाल उठाया कि अब तक कुल 166 में से केवल दो गवाह के ही बयान दर्ज हुए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि केस का फैसला होने में कितना समय लगेगा। सरकार ने कहा था कि केस को हम फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाकर आरोपियों को छह महीने में सजा दिलाएंगे। एनआइए की विशेष अदालत में अन्य मामले के चलते केस की रोजाना सुनवाई नहीं हो पा रही है। समय कम होने से कन्हैयालाल के बेटे यश से बचाव पक्ष जिरह नहीं कर पाया था। ऐसे में अब बचाव पक्ष को जिरह के लिए कोर्ट ने 20 जून की तारीख दी है। इस केस से जुड़े पुलिसकर्मी भानुप्रताप सिंह और राजेंद्र के बयान दर्ज हुए।

केंद्र से केन-बेतवा परियोजना के लिए 45 हजार करोड़ रुपये जारी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

- परियोजना का मैदानी काम जल्द शुरू होगा

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 45 हजार करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। केंद्र सरकार से लागत की 90 प्रतिशत राशि मिलने के बाद अब दोनों राज्य सरकारों को बकाया पांच-पांच प्रतिशत राशि देनी होगी। इसी के साथ परियोजना के मैदानी काम को शुरू करने की तैयारी भी तेज हो गई है। संभवतः जुलाई माह में परियोजना का शिलान्यास अब केंद्र की नई सरकार द्वारा किया जाएगा। इस परियोजना से दोनों ही राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी।

परियोजना के अंतर्गत बनने वाले दौधन बांध के लिए तकनीकी निविदा पूरी हो गई है। दौधन बांध की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक होगी। दौधन बांध को पूरा करने में छह वर्ष लगेंगे। इससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में साढ़े आठ लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई क्षमता का विकास होगा तो लाखों लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी।

केन-बेतवा लिंक परियोजना अथारिटी के भोपाल स्थित कार्यालय ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर परियोजना की प्रक्रिया पूरी कर ली है। जल्दी ही काम शुरू हो जाएगा।

दोनों राज्यों के ये जिले होंगे लाभान्वित

मध्य प्रदेश : छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, दमोह, विदिशा, सागर, शिवपुरी, दतिया और रायसेन।

उत्तर प्रदेश : महोबा, बांदा, झांसी और ललितपुर।

परियोजना-एक नजर में

केन-बेसिन से उत्तर प्रदेश में सिंचाई : 2.27 लाख हेक्टेयर

केन-बेसिन से मध्य प्रदेश में सिंचाई : 4.47 लाख हेक्टेयर

बेतवा बेसिन से मप्र में सिंचाई : 2.06 लाख हेक्टेयर

मध्य प्रदेश के हिस्से में जाएगी : बिजली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान की संकल्पना को मूर्तरूप देते हुए केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश को 45 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं। इस परियोजना से सूखी धरती बुंदेलखंड को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और वहां जीवन सरल होगा।

- डा. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

मणिपुर के दो जिलों में विरोध प्रदर्शन के बाद लगाया गया कर्फ्यू

इंफाल, आइएएनएस : मणिपुर के जिरीबाम और तामेंगलोंग जिलों में अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि एक व्यक्ति की हत्या के विरोध में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद यह फैसला लिया गया है।

पुलिस के अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात जिरीबाम जिले के सोइबाम इलाके में सरतकुमार सिंह का शव मिला था। शव पर जख्म के कई निशान थे। इसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। आगजनी भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने जिरीबाम में अपने लाइसेंसी हथियारों को वापस करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के मद्देनजर लोगों के लाइसेंसी हथियारों को जमा करा लिया गया था। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिरीबाम जिले में असम राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और मणिपुर पुलिस के अधिकारियों का संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

जिरीबाम और निकटवर्ती तामेंगलोंग जिले में हालात को बिगड़ने से रोकने के लिए प्रशासन की ओर से पुलिस और केंद्रीय बलों की बड़ी संख्या में तैनात की गई है। शुक्रवार को स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में रही।

नेपाल ने बांग्लादेशी सांसद की हत्या के प्रमुख आरोपित को भारत को सौंपा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- बंगाल सीआइडी ने आरोपित को कोलकाता लाने की प्रक्रिया शुरू की
- नेपाल के सीमावर्ती इलाके से गिरफ्तार किया गया था

नेपाल की इंटरपोल शाखा ने गत माह कोलकाता में हुई बांग्लादेशी सासंद अनवारुल अजीम अनार की हत्या के मुख्य आरोपितों में से एक मो.सियाम हुसैन को भारतीय अफसरों को सौंप दिया है। शुक्रवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बंगाल सीआइडी ने सियाम को कोलकाता लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ज्ञात हो, हत्या के बाद नेपाल भाग गए सियाम को गुरुवार को नेपाल के सीमांत क्षेत्र से पकड़ा गया था।

बांग्लादेशी सासंद के परिचित द्वारा 18 मई को दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार अवामी लीग के सांसद अनार 12 मई को इलाज के लिए कोलकाता गए थे, 17 मई के बाद उनसे संपर्क नहीं हो सका। सांसद की न्यूटाउन इलाके के एक फ्लैट में हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिसने सासंद के शव को 80 टुकड़ों में काटा और उसे न्यूटाउन के आसपास विभिन्न स्थानों पर फेंक दिया। संदेह है कि अनार के व्यापारिक साझेदार अख्तरुज्जमां ने हत्या की साजिश रची थी। अख्तरुज्जमां अमेरिकी नागरिक है।

बांग्लादेश पुलिस चाहती थी कि हुसैन को उसे सौंपा जाए पर उसे भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया क्योंकि वह भारत से आया था। नेपाल पुलिस ने कहा, नेपाल की इंटरपोल शाखा ने हुसैन की गिरफ्तारी के संबंध में स्थानीय पुलिस को जानकारी नहीं दी है। बांग्लादेश की ढाका पुलिस की चार सदस्यों की एक टीम हुसैन को लेने के लिए काठमांडू आई थी। टीम ने नेपाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की और उनसे हुसैन को वापस भेजने का अनुरोध किया लेकिन उनके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया गया क्योंकि नेपाल की ढाका के साथ प्रत्यर्पण संधि नहीं है।

नीट के नतीजे में धांधली की शिकायत की तत्काल हो जांच : कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- खरगे, प्रियंका समेत पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने बच्चों व परिजनों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की सरकार से की मांग
- पेपर लीक-नतीजों में अनियमितता के आरोपों को कांग्रेस ने बताया बच्चों के साथ बड़ा धोखा, कहा-यह अक्षम्य कृत्य

मल्लिकार्जुन खरगे। फाइल

प्रियंका गांधी। फाइल

कांग्रेस ने मेडिकल पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 'नीट' के नतीजे में हुए धांधली के आरोपों को देखते हुए इसकी तत्काल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। पार्टी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक-पूर्व (नीट यूजी) का पेपर लीक होने की शिकायतों की अनदेखी पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मोदी सरकार देश के युवाओं को धोखा देकर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत पार्टी के कई नेताओं ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को पेपर लीक और नतीजों में गड़बड़ी के लिए आड़े हाथों लेते हुए आशंका भी जताई कि कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए आम परिवारों के बच्चों को धोखा दिया जा रहा है।

नीट के नतीजों को लेकर देशभर से बच्चों तथा उनके परिजनों की कांग्रेस के पास आ रही शिकायतों के मद्देनजर मल्लिकार्जुन खरगे ने खुद एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट सहित कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गए हैं। इसकी सीधी जिम्मेदारी मोदी सरकार की है। अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर अनेक अनियमितताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फंसना उनके भविष्य से खिलवाड़ है। भाजपा ने देश के युवाओं को ठगा है। हमारी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट की देख-रेख में उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए, जिससे नीट व अन्य परीक्षाओं में भाग लेने वाले हमारे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिले।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, पहले नीट का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके रिजल्ट में भी घोटाला हुआ है। एक ही सेंटर के छह छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर रिजल्ट आने के बाद देश भर में कई बच्चों के आत्महत्या करने की खबरें हैं। यह बहुत दुखद और झकझोरने वाला है। प्रियंका ने सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लाखों छात्रों से जुड़ा यह 'घोटाला' पूरी तरह से अस्वीकार्य और अक्षम्य है, जिसकी सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नीट में पेपर लीक होने की खबर आई थी, जिसे दबा दिया गया और अब छात्रों का आरोप है कि कुछ लोगों के नंबर बढ़ा दिए गए, जिसके कारण रिकार्ड 67 अभ्यर्थियों ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। कांग्रेस की ओर से गुरुवार को ही महासचिव रणदीप सुरजेवाला तथा इंटरनेट मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत की ओर से नीट के नतीजों पर गंभीर सवाल उठाते हुए धांधली की आशंका जाहिर कर दी गई थी। कांग्रेस की युवा इकाई तथा एनएसयूआइ के प्रभारी कन्हैया कुमार और एनएसयूआइ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए सुप्रीम कोर्ट से नीट के नतीजों में हुई कथित धांधली की जांच कराने की पार्टी की ओर से आधिकारिक मांग की।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने अनियमितताओं के आरोप पर एनटीए से मांगा जवाब

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने नीट यूजी-2024 में अनियमितताओं के आरोप को लेकर दायर जनहित याचिका पर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) से जवाब मांगा है। शुक्रवार को मामले पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता तन्मय चट्टोपाध्याय के अधिवक्ता सुनील कुमार राय की ओर से तर्क दिया गया कि इस परीक्षा में बैठने वाले कुछ अभ्यर्थी वर्तमान अंकन/स्कोर प्रणाली के अनुसार, संभावित अधिकतम 720 अंकों में से 718 अथवा 719 अंक अर्जित नहीं कर सकते। ज्ञात हो, नीट यूजी-2024 के नतीजे गत चार जून को घोषित हुए थे, जिसमें रिकार्ड 67 अभ्यर्थियों को शीर्ष रैंक (99.99 प्रतिशत अंक) मिला है। वहीं, एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लेख करते हुए इसे न्यायोचित ठहराने का प्रयास किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायाधीश कौशिक चंदा और अपूर्व सिंह राय की खंडपीठ ने एनटीए को 10 दिन में जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही हलफनामे में इसका भी जिक्र करने को कहा है कि मेधा तालिका तैयार करने में राज्य-केंद्र सरकार की आरक्षण नीति का किस तरह से पालन किया गया है। पीठ ने कहा, काउंसलिंग प्रक्रिया का परिणाम याचिका के नतीजे पर आधारित होगा। अब इस मामले पर दो हफ्ते बाद नियमित पीठ सुनवाई करेगी।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने भवानी रेवन्ना को दी अंतरिम जमानत

बेंगलुरु, आइएएनएस : कर्नाटक हाई कोर्ट ने सेक्स स्कैंडल के आरोपित प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना को अपहरण के एक मामले में शुक्रवार को अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। हाई कोर्ट का यह निर्णय अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी की ओर से भवानी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट के जवाब में आया है। कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने या हिरासत में लेने से परहेज करने का निर्देश दिया है।

जस्टिस कृष्ण एस दीक्षित ने जमानत का जश्न मनाने के खिलाफ चेतावनी दी और चल रही जांच में सहयोग सुनिश्चित करने की शर्त भी रखी। न्यायालय की ओर से तय शर्तों के तहत भवानी को जांच में पूर्ण सहयोग करना होगा और जांच अधिकारी के समक्ष पेश होना होगा। साथ ही उन विशिष्ट क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करने का निर्देश दिया गया, जहां कथित अपहरण हुआ था। उन पर एक महिला के अपहरण में शामिल होने का आरोप है, जिसका कथित तौर पर उसके बेटे प्रज्वल ने यौन उत्पीड़न किया था।

वंदे भारत की औसत गति 3 वर्षों में 84 से घटकर 76 किमी प्रति घंटे रह गई

- आरटीआइ के जवाब में रेल मंत्रालय ने दी जानकारी
- मंत्रालय ने ट्रेन की गति कम होने का बताया कारण

नई दिल्ली, प्रेट्र: रेल मंत्रालय ने एक आरटीआइ के जवाब में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की गति को लेकर नई जानकारी दी है। इसके अनुसार, वंदे भारत ट्रेनों की औसत गति 2020-21 में 84.48 किमी प्रति घंटे थी। 2023-24 में यह घटकर 76.25 किमी प्रति घंटे पर आ गई है। अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत के साथ ही कई दूसरी ट्रेनों की गति भी प्रभावित हुई है, खास तौर से जिनके रास्तों पर निर्माण कार्य जारी हैं। इसके अलावा, कुछ वंदे भारत ट्रेनों की आवाजाही ऐसे इलाकों में शुरू की गई है, जहां भौगोलिक कारणों या मौसम के चलते उनकी गति पर असर पड़ा है।

सेंट्रल रेलवे जोन के अधिकारी ने इसे लेकर मुंबई सीएसएमटी और मडगांव के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, कोंकण रेलवे जोन का अधिकांश हिस्सा घाट खंड है जहां ट्रेनें कम ऊंचाई वाली पर्वत श्रृंखलाओं से होकर गुजरती हैं। यह कठिन इलाका है। जहां तेज गति के साथ सुरक्षा को लेकर समझौता करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान भी हालात चुनौतीपूर्ण हो जाते हैं। इस दौरान हमें सभी ट्रेनों की अधिकतम गति 75 किमी प्रति घंटे तक रखनी होती है। मध्य प्रदेश के रहने वाले चंद्र शेखर गौड़ नाम के शख्स ने आरटीआइ दायर किया था। इसके जरिए उन्होंने देश में दौड़ रहीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की गति के बारे में जानकारी मांगी थी।

'हमारे बारह' को बांबे हाई कोर्ट की हरी झंडी

मुंबई, एएनआइ : बांबे हाई कोर्ट ने फिल्म 'हमारे बारह' को रिलीज करने की शुक्रवार को अनुमति दे दी। कोर्ट की मंजूरी के बाद यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इससे पहले फिल्म निर्माताओं ने याचिकाकर्ताओं द्वारा आपत्ति जताए गए दो संवादों को हटाने पर सहमति जताई। फिल्म की रिलीज को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई थी। फिल्म जनसंख्या वृद्धि के विषय पर आधारित है। आरोप है कि फिल्म में इस्लाम को अपमानजनक तरीके से दर्शाया गया है। निर्माताओं ने पिछले महीने घोषणा की थी कि फिल्म का नाम ''हम दो हमारे बारह'' से बदलकर ''हमारे बारह'' कर दिया गया है।

कर्नाटक सरकार ने लगाई रोक: कर्नाटक सरकार ने राज्य में फिल्म 'हमारे बारह' की स्क्रीनिंग पर दो हफ्ते के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इलेक्ट्रानिक मीडिया, इंटरनेट मीडिया, फिल्म थियेटर, प्राइवेट टीवी चैनलों में फिल्म और इसके ट्रेलर की रिलीज पर रोक लगाई गई है। मुस्लिम संगठनों ने फिल्म की स्क्रीनिंग की अनुमति नहीं देने की मांग की थी।

1.5 डिग्री ज्यादा गर्म रही इस मई माह में चली लू

- विज्ञानियों ने कहा, कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कदम उठाना जरूरी
- भारत में जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण गर्मी असहनीय होती जा रही

नई दिल्ली, प्रेट्र : उत्तर भारत में गर्मी का प्रकोप जारी है। इस बीच जलवायु विज्ञानियों और शोधकर्ताओं के एक स्वतंत्र समूह ने कहा है कि इस वर्ष मई में चली लू अबतक रिकार्ड की गई लू से 1.5 डिग्री ज्यादा गर्म रही। विज्ञानी इसे लेकर विश्लेषण कर रहे थे कि भारत में मई के दौरान उच्च तापमान जैसी घटनाएं अतीत (1979-2001) की तुलना में वर्तमान में कैसे बदल गई हैं।

क्लिमामीटर के विश्लेषकों ने कहा कि मई में भारत में तीव्र और लंबे समय तक चलने वाली लू अल नीनो और ग्रीनहाउस की तेजी से बढ़ती सांद्रता का परिणाम थी। फ्रेंच नेशनल सेंटर फार साइंटिफिक रिसर्च से जुड़े डेविड फरांडा ने कहा कि भारत में जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण गर्मी असहनीय होती जा रही है। उन्होंने कहा कि 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने वाले तापमान के लिए कोई तकनीकी उपाय नहीं है। हम सभी को अब साथ मिलकर कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्य करना चाहिए, जिससे और अधिक क्षेत्र में तापमान को बढ़ने से रोका जा सके।

नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर के जियानमार्को मेंगाल्डो ने कहा कि यह निष्कर्ष प्राकृतिक परिवर्तनशीलता और जलवायु परिवर्तन के बीच जटिल परस्पर क्रिया को दर्शाता है। यह निकट भविष्य में लू को काफी हद तक बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अल नीनो और मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव के कारण दुनिया चरम मौसम का सामना कर रही है। बढ़ते तापमान को लेकर यूरोपीय जलवायु एजेंसी कापरनिकस ने कहा कि मई अब तक का सबसे गर्म महीना रहा। साथ ही पिछले 12 लगातार महीनों में प्रत्येक महीने तापमान का रिकार्ड टूटा है।

आइआइटी पाठ्यक्रम में बदलाव की जरूरत : कांत

नई दिल्ली, प्रेट्र : जी-20 के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा, कई इंजीनियरिंग कालेजों और आइआइटी के पाठ्यक्रम को वर्तमान मांग के अनुरूप फिर से तैयार करने की जरूरत है।

बेंगलुरु में इंडिया ग्लोबल इनोवेशन कनेक्ट (आइजीआइसी) 2024 कार्यक्रम में अमिताभ कांत ने कहा, उद्योग की मांग व उपलब्ध टैलेंट पूल (योग्य उम्मीदवारों की उपलब्धता) के बीच की खाई को पाटने और भारत में कुशल इंजीनियरों की संख्या बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। अमिताभ कांत ने कहा, भारत को स्वयं को नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना होगा, जिसकी शुरुआत अनुसंधान व विकास के प्रति बदलते दृष्टिकोण से होनी चाहिए। इस तथ्य के बावजूद कि अनेक भारतीय कंपनियां अनुसंधान एवं विकास में पिछड़ रही हैं, सरकार एक लाख करोड़ रुपये के कोष की शुरुआत करके इसमें बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें औद्योगिक मांगों के लिए इंजीनियरों को जल्दी से तैयार करने के लिए आइआइटी व अन्य प्रमुख संस्थानों के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम को फिर से तैयार करने की आवश्यकता है।

प्रथम गांव में सीमा दर्शन के साथ कीजिए ऐतिहासिक स्थलों की सैर

यात्रा

पर्यटन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रही है उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित चीन सीमा से लगी नीती घाटी

देवेंद्र रावत • जागरण

गोपेश्वर : उत्तराखंड में सीमा दर्शन यात्रा शुरू होने के बाद सीमांत चमोली जिले की नीती घाटी तेजी से नए डेस्टिनेशन के रूप में पर्यटन मानचित्र पर उभरी है। जोशीमठ-मलारी-नीती हाईवे पर जोशीमठ से 88 किमी दूर नीती गांव पहुंचकर आप सीमा दर्शन के साथ पर्यटन का भी आनंद ले सकते हैं। समुद्रतल से 11,811 फीट की ऊंचाई पर स्थित नीती चीन सीमा से लगा देश का अंतिम गांव है, जिसे अब प्रथम गांव भी कहा जाता है। यहां जाने के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी है। नीती घाटी के गांवों में भोटिया जनजाति के अलावा अनुसूचित जाति के लोग भी रहते हैं, जो शीतकाल शुरू होते ही निचले स्थानों पर आ जाते हैं। शीतकाल में नीती घाटी बर्फ से लकदक रहती है। तब यहां सिर्फ सेना व आइटीबीपी रहती है। पर्यटक नीती गांव तक ग्रीष्मकाल में ही आवाजाही कर सकते हैं।

हनुमान ने तपोवन में किया था कालनेमी का वध: नीती घाटी की यात्रा जोशीमठ से शुरू होती है। यहां से 15 किमी की दूरी पर तपोवन नामक स्थान है। द्रोणागिरी पर्वत पर संजीवनी लेने जा रहे हनुमानजी को कालनेमी नामक राक्षस ने यहीं साधु भेष में भ्रमित किया था, तब हनुमानजी को उसका वध करना पड़ा था। द्रोणागिरी गांव जाने के लिए जुम्मा से रुइंग गांव तक सड़क है। इसके बाद आठ किमी का पैदल ट्रेक है। यहां पर्यटकों के लिए हनुमानजी की तस्वीर व सिंदूर ले जाना, उनकी पूजा करना, यहां तक कि उनका नाम लेना भी वर्जित है क्योंकि हनुमानजी द्रोणागिरी पर्वत का एक हिस्सा ही उखाड़कर ले गए थे, इसलिए गांव के लोग आज भी उनसे नाराज हैं।

घाटी की सैर और भविष्य बदरी के दर्शन: नीती घाटी में आप भगवान भविष्य बदरी के दर्शन भी कर सकते हैं। भविष्य बदरी धाम के लिए तपोवन से 14 किमी लंबा संपर्क मार्ग है। मान्यता है कि कलयुग के अंत में जोशीमठ स्थित नृसिंह मंदिर में प्रतिष्ठित भगवान नृसिंह की मूर्ति की कलई टूटने पर विष्णु प्रयाग के पास जय-विजय नामक पर्वत आपस में मिल जाएंगे। इससे बदरीनाथ धाम की राह अवरुद्ध हो जाएगी। तब भगवान बदरी विशाल भविष्य बदरी धाम में ही अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

चिपको आंदोलन की कर्मभूमि के दीदार: तपोवन से आगे नीती हाईवे पर आठ किमी का सफर तय कर ऐतिहासिक चिपको आंदोलन की कर्मभूमि रैणी गांव का भी दीदार कर सकते हैं। वर्ष 1974 में यहां गौरा देवी के नेतृत्व में 27 महिलाओं ने जंगल को कटने से बचाने के लिए पेड़ों से चिपककर साइमंड कंपनी को बैरंग लौटने के लिए मजबूर कर दिया था। ऋषिगंगा की तलहटी में रैणी गांव के पास महिलाओं के बचाए जंगल को देखने हर साल बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी यहां पहुंचते हैं। रैणी के पास ही लाता की नंदा का पौराणिक मंदिर भी है।

बाबा बर्फानी परिवार के साथ देते हैं दर्शन

मलारी से 22 किमी दूर नीती गांव में बाबा बर्फानी परिवार के साथ दर्शन देते हैं। बाबा बर्फानी की गुफा तक जाने के लिए नीती गांव के पास हाईवे से डेढ़ किमी का सफर पैदल तय करना पड़ता है। इस गुफा में फरवरी के बाद बर्फ के पांच से अधिक शिवलिंग उभरते हैं और अप्रैल आखिर तक बने रहते हैं। यहां भी जाने के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी है।

टिम्मरसैंण महादेव की इसी गुफा में उभरते हैं बर्फ के शिवलिंग • जागरण आर्काइव

ऐसे पहुंचें, खाने की भी है पर्याप्त सुविधा

जोशीमठ नीती घाटी का आधार शिविर है। ऋषिकेश से जोशीमठ तक सार्वजनिक व निजी वाहन से पहुंचा जा सकता है। यहां से आगे जाने के लिए जोशीमठ में बुकिंग पर वाहन उपलब्ध हो जाते हैं। गर्म कपड़े अवश्य साथ ले जाएं। साथ ही जरूरी दवाइयां भी अपने पास रखें। नीती घाटी के हाईवे से लगे सभी 13 गांवों में 500 रुपये से लेकर दो हजार रुपये तक में आसानी से कमरे उपलब्ध हो जाते हैं। खाने में आलू, फाफर, राजमा, कुटु आदि से बने स्थानीय व्यंजनों को प्राथमिकता दी जाती है। खाने की थाली सौ से दो सौ रुपये तक में मिल जाती है।

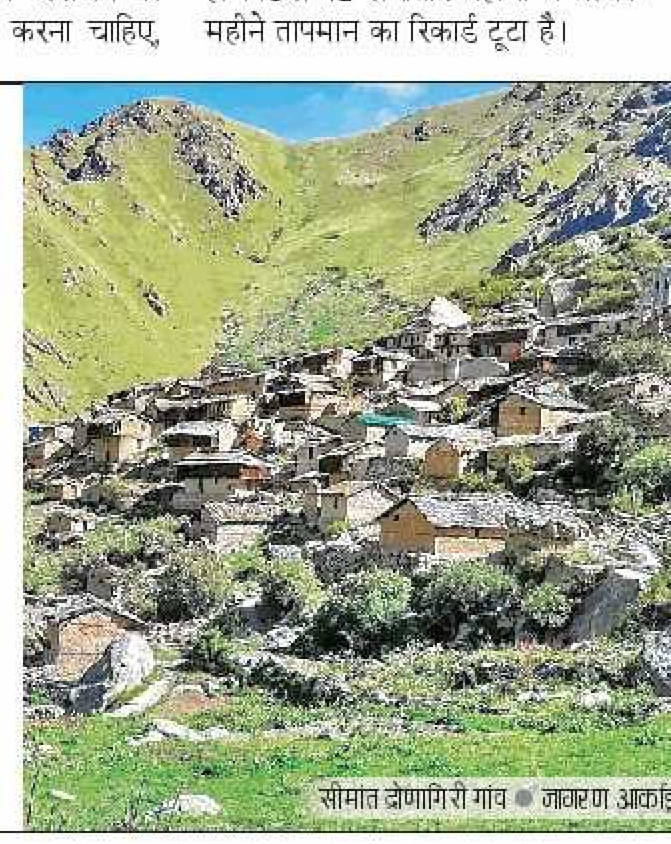

सीमांत द्रोणागिरी गांव • जागरण आर्काइव

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

मानसून के नौ-10 जून तक मुंबई पहुंचने की संभावना

मुंबई, एएनआइ : मानसून के नौ-10 जून तक मुंबई पहुंचने की संभावना है। मुंबई के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के उप महानिदेशक ने कहा कि मानसून छह जून को महाराष्ट्र के दक्षिणी कोंकण क्षेत्र में पहुंच गया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में मानसून के आगे बढ़ने के लिए अगले चार दिन अनुकूल हैं। इसके नौ - 10 जून तक मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले गुरुवार को हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र ने जानकारी दी कि तेलंगाना में समय से पहले मानसून आया है। पिछले साल की तुलना में तेलंगाना में अच्छी बारिश होगी।

****

Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464
Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464

दैनिक जागरण

हमारे जीवन की दिशा का निर्धारण हमारी संगति से होता है

राजग सरकार

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा और सहयोगी दलों के नेताओं एवं नवनिर्वाचित सांसदों को संबोधित करते हुए इस गठबंधन को जिस तरह सहज-स्वाभाविक राजनीतिक समूह बताया, उससे यही स्पष्ट होता है कि वह गठबंधन सरकार चलाने की तैयारी करने के साथ ही देश को यह संदेश भी दे रहे हैं कि ऐसा करते हुए कहीं कोई समस्या आने वाली नहीं है। चूंकि अतीत की गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने वाले दलों के मुकाबले इस बार भाजपा के पास कहीं अधिक संख्या बल है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि गठबंधन सरकार का संचालन करने का अनुभव न होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल को आगे बढ़ाने में किसी बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह उम्मीद इसलिए भी की जाती है, क्योंकि पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में उनके पास सत्ता के संचालन का व्यापक अनुभव है। उनके पास गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव भले न हो, लेकिन उनके राजनीतिक अनुभव का कोई सानी नहीं है। यह उल्लेखनीय है कि वह तमाम चुनौतियों के बावजूद बड़े और कड़े फैसले लेने में सक्षम हैं। अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे बड़े फैसले लिए, जिनमें राज्यसभा में गैर-राजग दलों के सहयोग-समर्थन की आवश्यकता थी। वह अपने राजनीतिक कौशल से यह सहयोग हासिल करने में समर्थ भी रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह राजग के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रकाश सिंह बादल, बाला साहब ठाकरे, जार्ज फर्नांडिस और शरद यादव का स्मरण किया, उससे यह भी संकेत मिलता है कि वह सुखबीर सिंह बादल और उद्धव ठाकरे को यह संदेश देना चाह रहे हैं कि वे भाजपा के स्वाभाविक सहयोगी हैं। कहना कठिन है कि ये नेता उनके संदेश को सुनने के लिए तैयार होते हैं या नहीं, लेकिन उन्होंने जिस तरह विपक्षी दलों को निशाने पर लिया, उससे यह भी पता चलता है कि वह उनके अनुचित दबाव का प्रतिकार करने को तैयार हैं। यह समय ही बताएगा कि विपक्षी दल रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाते हैं या नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री ने जिस प्रकार इन खबरों पर कटाक्ष किया कि सहयोगी दलों की ओर से अमुक-अमुक मांगें की जा रही हैं, उससे यही रेखांकित हुआ कि वह इस प्रचलित धारणा को खारिज कर अपनी भावी सरकार की मजबूती बयान करना चाहते हैं कि ऐसी सरकारों को घटक दलों के दबाव की राजनीति का सामना करना पड़ता है। फिलहाल तो सहयोगी दलों के नेताओं और विशेष रूप से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें भरपूर सहयोग देने का वादा किया, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि गठबंधन सरकार के कुछ नकारात्मक पक्ष होते हैं। प्रधानमंत्री के संबोधन से यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इसका अच्छी तरह भान है।

तनाव में काम नहीं होता

बिहार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक इन दिनों छुट्टी पर हैं और उनकी अनुपस्थिति से शिक्षा जगत को काफी राहत महसूस हो रही है। कह सकते हैं कि शिक्षक, छात्र और अभिभावक तनाव मुक्त महसूस कर रहे हैं। प्रभार में चल रहे अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ताबड़तोड़ पाठक के उन आदेशों का संशोधित प्रारूप जारी कर रहे हैं, जिनके चलते शिक्षा जगत में बेचैनी महसूस की जा रही थी। हम यह नहीं कह सकते कि केके पाठक के सभी आदेश तनाव देने वाले ही हैं। उनके कई आदेशों से पठन पाठन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। काम के वरीयता क्रम में पठन-पाठन को नीचे रखने वाले शिक्षकों में सुधार देखा गया है। लेकिन स्कूलों की समय सारिणी को लेकर हमेशा विवाद ही होता रहा है। शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों का बड़ा वर्ग इनमें काम से अधिक परेशान करने के उद्देश्य को देख रहा है। आप अपने अधीनस्थों से काम लीजिए। उनकी क्षमता से अधिक काम लीजिए। लगे हाथ यह भी देखिए कि कार्य स्थल पर काम करने के लायक उचित माहौल है या नहीं। शिक्षण ऐसा कार्य है, जिसमें एकाग्रता और मनोयोग की जरूरत होती है। शिक्षक और छात्र प्रतिदिन भारी मन से स्कूल या कालेज पहुंचें तो इसमें पठन पाठन क्या होगा। इसे भी समझा जाना चाहिए। हां ड्यूटी पूरी होगी, जिससे शिक्षकों और छात्रों का कुछ भी भला नहीं होगा। देखना यह होगा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है या नहीं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जरूरत इसलिए भी है कि सरकारी स्कूलों में आम लोगों के बच्चे पढ़ते हैं। इन बच्चों का एक समूह ऐसा है, जिसे सरकारी स्तर पर शिक्षा न मिले तो पढ़ ही नहीं पाएंगे। इस तथ्य को ध्यान में रखकर ही शिक्षा विभाग को कोई निर्णय लेना चाहिए। यह तथ्य भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि राज्य के बजट का करीब बीस प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर ही खर्च होता है। यह राज्य के खजाने के व्यय-अपव्यय से भी जुड़ा हुआ है।

स्थानीय कारकों ने बिगाड़ा भाजपा का खेल

प्रदीप भंडारी

प्रत्याशियों के चयन और सोशल इंजीनियरिंग के मोर्चे पर मिली मात ने भाजपा की सीटों की संख्या घटाने का काम किया

नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में यह एक विराट उपलब्धि है, लेकिन आम चुनाव के परिणाम में भाजपा के लिए अपेक्षा से कुछ कम सीटों ने विश्लेषण को एक नया विमर्श दिया है। भाजपा जहां जीतने के बाद भी चिंतन-मंथन की मुद्रा में है, वहीं विपक्ष हारकर भी उत्साहित दिख रहा है। जिस भाजपा के लिए अपने दम पर सामान्य बहुमत हासिल करना सहज लग रहा था, उसकी गाड़ी बहुमत के आंकड़े से पहले कैसे अटक गई? इस सवाल की पड़ताल करें तो कम से कम 70 ऐसी सीटें रहीं, जहां स्थानीय कारकों ने भाजपा के राजनीतिक समीकरण बिगाड़े। ये सीटें मुख्यतः उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल, हरियाणा और राजस्थान की हैं। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में गत आम चुनाव में भाजपा को 49.5 प्रतिशत वोट मिले थे, जो इस बार 41.37 प्रतिशत रहे। इसी दौरान बसपा का वोट प्रतिशत भी 19 से घटकर नौ प्रतिशत रह गया, जिसका सीधा लाभ सपा को मिला और वह 34 प्रतिशत वोट ले गई। इन छिटके मतदाताओं ने अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर, जौनपुर, बलिया और चंदौली जैसी सीटों पर सपा के लिए निर्णायक असर डाला। कुर्मी, कुशवाहा, निषाद और राजभर जैसी गैर-यादव ओबीसी जातियां भी सपा के पक्ष में लामबंद हुईं। कुछ सीटों पर ब्राह्मणों ने भी भाजपा के लिए कम मतदान किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर और कैराना जैसी सीटों पर ठाकुर मतदाताओं ने भाजपा से मुंह तो नहीं मोड़ा, लेकिन पिछले चुनाव की तुलना में कम संख्या में बूथ तक पहुंचे। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश में स्थानीय कारक, जातिगत समीकरण और अधिकांश संख्या में पुराने उम्मीदवार उतारना भाजपा को भारी पड़ा। अग्निपथ योजना के चलते युवा भी उससे कुछ कट गए। सपा ने गैर-यादव पिछड़ों और दलितों को चतुराई के साथ टिकट बांटकर अपने राजनीतिक हित साधे। पार्टी ने 27 ओबीसी, 15 दलित और 11 सवर्णों को टिकट दिया।

बंगाल में ममता बनर्जी अपना राजनीतिक किला न केवल बचाने, बल्कि उसे और मजबूत बनाने में सफल हुईं। 2018 के पंचायत चुनाव में उपजी हिंसा के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यहां 40 प्रतिशत वोट मिले थे। भाजपा इस आंकड़े को बढ़ाने में सफल नहीं रही, उलटे उसका मत प्रतिशत और घट गया। दूसरी ओर ममता विधानसभा चुनाव का अपना 45 प्रतिशत मत कायम रखने में कामयाब रहीं। संदेशखाली जैसे मुद्दे के बावजूद ममता को महिलाओं के 58 प्रतिशत वोट मिले। महिला केंद्रित योजनाओं का उन्हें लाभ मिला। ममता के खिलाफ जो कुछ आक्रोश था, उसे भाजपा अच्छे प्रत्याशियों के अभाव में भुना नहीं पाई। बैरकपुर सीट पर तृणमूल के टिकट से वंचित उम्मीदवार को भाजपा ने प्रत्याशी बना दिया, जो हार गया। आसनसोल, दुर्गापुर और मेदिनीपुर की स्थितियां भी अलग नहीं रहीं। लगता है भाजपा ने विधानसभा चुनाव में मिली हार से सबक नहीं सीखा। विधानसभा हारे कई उम्मीदवारों को भाजपा ने लोकसभा का टिकट पकड़ा दिया। इससे मतदाताओं में भरोसा नहीं जगा और मोदी के पक्ष में बने माहौल का लाभ भाजपा उठाने से वंचित रह गई। वहीं, ममता ने सरकारी मशीनरी और प्रशासन के रणनीतिक उपयोग से सत्ता विरोधी रुझान को मात दी।

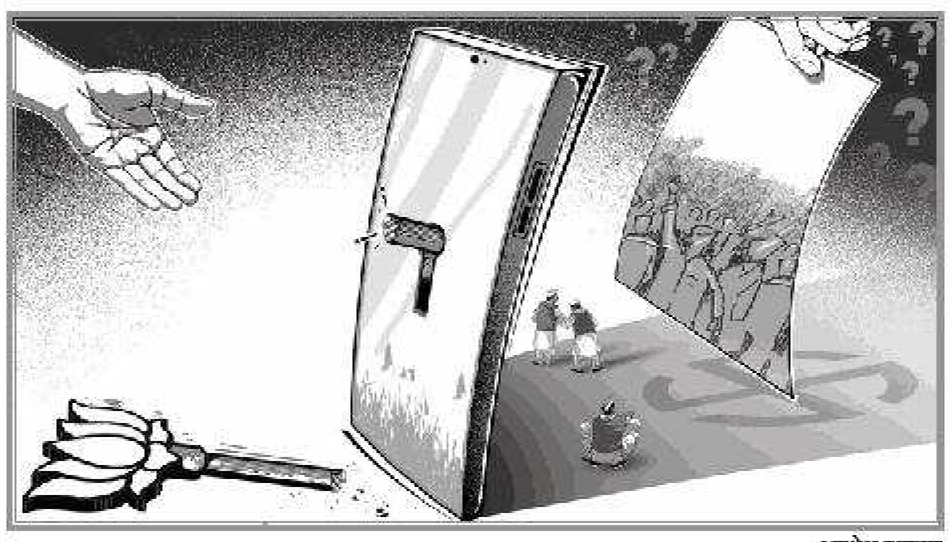

अवधेश राजपूत

हरियाणा और राजस्थान में भाजपा ने पिछले चुनाव में शत प्रतिशत सफलता हासिल की थी, लेकिन इस बार यहां करीब आधी सीटें उसके हाथ से फिसल गईं। राजस्थान में नागौर, सीकर, झुंझुनूं, चूरू और बाड़मेर में जाट मतदाताओं ने भाजपा के खिलाफ मोर्चाबंदी की। टोंक-सवाई माधोपुर और दौसा जैसी सीटों पर मीणा समुदाय का भाजपा से मोहभंग हुआ। राजस्थान में सरकार बनने के बाद कुछ वर्गों की अपेक्षाओं पर खरा न उतर पाने का खामियाजा भी उसे भुगतना पड़ा। भरतपुर, धौलपुर जैसी सीटों पर पार्टी के प्रतिबद्ध मतदाता भी उसका साथ छोड़ कांग्रेस के पाले में चले गए। लगता है राज्य में मोदी फैक्टर के आगे उम्मीदवारों का चयन और जातिगत समीकरण भारी पड़े। राजस्थान में भाजपा का मत प्रतिशत 58.02 से घटकर 46.11 प्रतिशत रह गया। हरियाणा में रोहतक और सोनीपत में जाट भाजपा के खिलाफ लामबंद हुए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कांग्रेस के पक्ष में मतदान बढ़ा। सिरसा सीट पर दलित मतदाताओं ने कांग्रेस को प्राथमिकता दी। यहां पिछले चुनाव में भाजपा को 58 प्रतिशत वोट मिले, जबकि इस चुनाव में 46.11 प्रतिशत। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में जहां पिछले चुनाव में भाजपा को 27.59 प्रतिशत वोट मिले, वहीं इस बार 26.18 प्रतिशत। कांग्रेस का वोट प्रतिशत लगभग स्थिर रहा, लेकिन उसकी सीटों की संख्या एक से बढ़कर 13 हो गई। यहां भी स्थानीय कारकों ने भाजपा की मुसीबतें बढ़ाने का काम किया। उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के वोटों के पूरी तरह से हस्तांतरण की उम्मीद तो पहले से ही थी, लेकिन भाजपा मुंबई और विदर्भ में पिछले चुनाव जैसा करिश्मा नहीं दोहरा पाई।

राष्ट्रीय परिदृश्य की बात करें तो भाजपा का वोट प्रतिशत पिछले चुनाव के बराबर ही रहा। दक्षिण भारत में उसे कांग्रेस के मुकाबले अधिक मत मिले। कांग्रेस से सीधे मुकाबले में भी भाजपा का पलड़ा खासा भारी रहा। हालांकि प्रत्याशियों के चयन और उत्तर प्रदेश में सोशल इंजीनियरिंग के मोर्चे पर मिली मात ने भाजपा की सीटों की संख्या घटाने में अहम भूमिका निभाई। यदि उसके खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान होता तो उसे पिछली बार के लगभग बराबर मत नहीं मिलते।

चुनाव परिणाम आने के बाद एक्जिट पोल्स को भी निशाने पर लिया गया, लेकिन ऐसा करने वाले जान लें कि इन सर्वेक्षणों में जनता की धारणा के अनुपात में ही आकलन प्रस्तुत किया जाता है। दुनिया भर में एक्जिट पोल कई बार सटीक साबित होते रहे हैं तो कभी कभार गलत भी। हालिया एक्जिट पोल्स ने दो धारणाओं को समाहित किया था। एक पीएम की लोकप्रियता कायम है और उनकी योजनाओं को व्यापक रूप से, विशेषकर महिलाओं द्वारा सराहा जा रहा है। दूसरे, स्थानीय प्रत्याशियों के विरुद्ध आक्रोश के साथ महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी गौर किया गया था।

(लेखक चुनाव विश्लेषक और 'जन की बात' संस्था के संस्थापक हैं)

response@jagran.com

गठबंधन सरकार की चुनौतियां

डा. जगदीप सिंह

गठबंधन सरकार होने के नाते यह देखना रोचक होगा कि भाजपा अपने एजेंडे को कैसे आगे बढ़ाती है?

देश में केंद्रीय स्तर पर एक बार फिर गठबंधन सरकार की शुरुआत हो गई है। चुनाव में जब कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं कर पाती तो गठबंधन के माध्यम से सरकार बनाना एक मजबूरी बन जाती है। गुजरात और फिर केंद्र में लगभग ढाई दशक तक बहुमत वाली सरकारों की अगुवाई करने के बाद नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल में पहली बार एक गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने जा रहे हैं। नई सरकार में टीडीपी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू और जदयू प्रमुख तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मोदी को इस दौरान लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले अपने अन्य सहयोगी दलों के साथ समन्वय बनाए रखना होगा। ऐसे में देखना होगा कि उनके नेतृत्व में नई सरकार किस प्रकार के शासन माडल को अपनाती है। भाजपा की योजना प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाकर देश में समान नागरिक संहिता लागू करने और सभी प्रकार के चुनाव एक साथ कराने की थी। गठबंधन सरकार होने के नाते यह देखना रोचक होगा कि भाजपा इन एजेंडे पर कैसे आगे बढ़ती है?

वैसे तो देश में 1967 से गठबंधन की राजनीति शुरू हुई थी। तब से क्षेत्रवाद के उदय के साथ भारत में गठबंधन आधारित राजनीति में काफी परिवर्तन आया है। गठबंधन सरकार का देश की व्यवस्था पर सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों प्रकार के प्रभाव पड़ सकते हैं। इसके सकारात्मक पहलू को देखें तो गठबंधन सरकार में एक दल की मंत्रिपरिषद के बजाय कई दलों को मिलाकर मंत्रिपरिषद का गठन होता है। जब कई दलों के सदस्यों को मंत्रिपरिषद में शामिल किया जाता है तो इससे अधिक योग्य लोगों की टीम बनती है। इससे सभी दलों के वरिष्ठ सदस्यों की योग्यता का लाभ देश को मिलता है। गठबंधन में शामिल दलों की संख्या जितनी अधिक होती है, सरकार को उतना ही अधिक जन समर्थन प्राप्त होता है। इससे सरकार की स्वीकार्यता भी बढ़ती है। गठबंधन की राजनीति से अतिवादी दृष्टिकोण से भी बचा जा सकता है। एक दल की सरकार जनता पर अपने दृष्टिकोण को थोपने का प्रयास कर सकती है, जबकि गठबंधन में कोई भी दल अकेले अपनी नीतियां और सिद्धांत थोप नहीं सकता, क्योंकि अन्य दल विरोध कर सकते हैं। गठबंधन राजनीति का एक लाभ यह भी है कि एक राजनीतिक दल अकेले सत्तारूढ़ दल का उतना प्रभावशाली प्रतिरोध नहीं कर सकता, जितना कई दलों का गठबंधन कर सकता है। जैसे जब संप्रग की सरकार थी, तब राजग ने प्रभावशाली ढंग से उसका प्रतिरोध किया। वर्तमान में राजग की सरकार बनने जा रही है तब आइएनडीआइए नामक गठबंधन उसकी मनमानी को प्रभावी ढंग से रोक सकता है। गठबंधन सरकार की मंत्रिपरिषद को प्रायः एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के अनुसार काम करना होता है। वह मनमाने तरीके से कार्य नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री को भी कोई फैसला लेते समय गठबंधन के सभी दलों की नीतियों और सिद्धांतों का ध्यान रखना पड़ता है।

मोदी के नेतृत्व में पहली गठबंधन सरकार। फाइल

यह ठीक है कि गठबंधन सरकार में विभिन्न पार्टियां मिलकर सरकार चलाती हैं और हर फैसले से पहले सबकी राय ली जाती है, ताकि किसी एक पार्टी का वर्चस्व न हो, लेकिन अक्सर ऐसा होता नहीं है। गठबंधन सरकार में जब मंत्रालयों का बंटवारा होता है, तो अधिक सीटों वाली पार्टी महत्वपूर्ण मंत्रालयों की मांग करती है। सत्ता की मजबूरी में बड़ी पार्टी इसे स्वीकार भी लेती है। अगले पांच साल तक समर्थन देने वाली पार्टी उस मंत्रालय में मनमानी करती है और बड़ी पार्टी विरोध नहीं कर पाती, क्योंकि ऐसा करने पर उसके द्वारा समर्थन वापस लेने का डर रहता है। इस कारण कई बार सरकार कठिन और महत्वपूर्ण फैसले नहीं ले पाती। जब सरकार महत्वपूर्ण फैसले नहीं लेती और केवल सत्ता में बने रहने की कोशिश करती है, तो गठबंधन की राजनीति से उसकी स्थिति कमजोर पड़ जाती है। ऐसी सरकार देश-विदेश से जुड़े मामलों में दृढ़ निर्णय लेने में असमर्थ रहती है। गठबंधन में विभिन्न विचारधाराओं और सिद्धांतों वाले दल शामिल होते हैं, जो कई बार राष्ट्र के बजाय अपने हित साधने वाली नीतियां बनाने की मांग करते हैं। इससे सरकार स्पष्ट नीति निर्धारित नहीं कर पाती और इसका प्रभाव उसके कार्यों पर पड़ता है। गठबंधन सरकार में स्थिरता की भी कमी होती है। देखा जाता है कि छोटे दल गठबंधन सरकार पर अपने हितों की पूर्ति के लिए दबाव बनाते रहते हैं। क्षेत्रीय दल अक्सर राष्ट्रीय हितों के बजाय क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे देश के हितों को हानि पहुंचती है। प्रधानमंत्री को अक्सर सहयोगी दलों के दबाव में काम करना पड़ता है। कई बार तो उन्हें विदेशी समझौतों और संधियों में भी उनकी सलाह लेनी पड़ती है। इससे वैश्विक मामलों में देश की स्थिति कमजोर हो जाती है।

चूंकि गठबंधन सरकार के मंत्री अपने दल के नेतृत्व के निर्देशों का पालन करते हैं, इस कारण कई अवसरों पर पीएम अनिर्णय की स्थिति में रहते हैं। गठबंधन शासन में सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में समन्वय की भी कमी देखी जाती है। गठबंधन छोटे दलों के उदय को भी प्रोत्साहित करता है, जो स्थायी सरकारों के गठन में एक बाधा है। गठबंधन सरकार का संचालन मोदी के लिए चुनौती है। साथ ही चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के साथ काम करना भी बड़ी चुनौती है। ये दोनों नेता अनुभवी हैं और अपनी बातें मनवाने में सक्षम हैं, जिससे मोदी को दबाव की राजनीति का सामना करना पड़ सकता है। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की राजनीतिक प्रगति इसी पर निर्भर करेगी कि वे इस दबाव के बीच कैसे आगे बढ़ते हैं। उनके तीसरे कार्यकाल की सफलता भी इसी पर निर्भर करेगी।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

आत्मा का भोजन

हमारे दार्शनिक ग्रंथों का चिंतन है कि जिस प्रकार इस पंच भौतिक शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार इस शरीर के भीतर रहने वाले नित्य, अनादि तत्व आत्मा का भी अपना भोजन होता है। हमारे वैदिक ग्रंथों में बताया गया है कि ध्यान में अवस्थित होकर ईश्वर की उपासना ही जीवात्मा का भोजन है। इसी भोजन से आत्मा में आत्मिक तथा आध्यात्मिक बल एवं शक्ति का संचार होता है जिससे जीवात्मा सत्, चित्त और आनंद के गुणों से परिपूर्ण होकर ईश्वर के आनंद की अनुभूति करने की क्षमता प्राप्त करता है।

हमारे ऋषियों ने ध्यान को ईश्वर से जुड़ने का परम साधन माना है। एकाग्रचित्त ध्यान के माध्यम से की गई ईश्वर की उपासना से आत्मा को अलौकिक एवं दिव्य आनंद रूपी भोजन की प्राप्ति होती है। मनुष्य संसार में आकर इस भौतिक शरीर को प्राप्त करके केवल इसी की सजावट एवं संवर्धन में लगा रहता है और नाना प्रकार के व्यंजनों से शरीर को तृप्त करने में लगा रहता है, परंतु इस शरीर के भीतर विद्यमान आत्म तत्व के भोजन से वह सदैव अनभिज्ञ ही रहता है।

उपासना रूपी आध्यात्मिक संपत्ति से ही आत्मा के भोजन का प्रबंध होता है। तीनों लोकों की संपत्ति में भी आत्मा के भोजन का प्रबंध करने की क्षमता नहीं है। वैदिक ग्रंथों का स्वाध्याय करके, ध्यान एवं उपासना के पथ पर अग्रसर होकर ही हम इस आत्मा को आनंद से परिपूर्ण तृप्ति प्रदान कर सकते हैं। ज्ञान के माध्यम से ईश्वर के आनंद की अनुभूति ही जीवात्मा का वास्तविक भोजन है। इसी दिव्य भोजन से आत्मा के अंदर आध्यात्मिक एवं साधना के पथ पर ले जाने वाली विभूतियों का उदय होता है। शरीर के भोजन के साथ आत्मा के भोजन का भी प्रबंध करना चाहिए। बिना इस दिव्य भोजन के आत्मा निर्बल, अशक्त, ज्ञानहीन होकर ईश्वर के सान्निध्य से सदैव वंचित ही रहता है।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज

साइबर अपराध से बचाव के उपाय

सुनीता मिश्रा

डीपफेक वीडियो और वाइस चेंजर एप के ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें कई बड़ी हस्तियां भी निशाना बनी हैं

बीते दिनों मध्य प्रदेश के सीधी में वाइस चेंजर एप (आवाज बदलने वाले एप) के माध्यम से महिला प्रिंसिपल की आवाज में छात्राओं को बुलाकर उनके साथ लूट एवं दुष्कर्म जैसे घिनौने अपराध को अंजाम दिया गया। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह ऐसी सात और घटनाओं को अंजाम दे चुका है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन करने का आदेश दिया है। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने वाइस चेंजर एप पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र भी भेजा है। ताकि प्ले स्टोर से इस तरह के एप जल्द से जल्द हटा दिए जाएं।

वर्तमान में जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसका दुरुपयोग भी बढ़ता जा रहा है। इन दिनों डीपफेक वीडियो के अलावा वाइस चेंजर एप के भी कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसकी शिकार कई बड़ी हस्तियां भी हुई हैं। आधुनिक तकनीक के जरिये फर्जी वीडियो बनाना और आवाज को बदलना अपराधियों के लिए बहुत आसान हो गया है। वाइस चेंजर एप का उपयोग कर बहुत ही आसानी से किसी अन्य व्यक्ति, महिला, बुजुर्ग या किसी बच्चे की आवाज में काल पर बात की जा सकती है। ये एप आपके जानने वालों की आवाज की हूबहू नकल कर सकते हैं। हालांकि जागरूकता और थोड़ी सी सावधानी रखकर इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है। अपराधी पहले आपके बारे में जानकारी एकत्रित करेगा फिर आपके रिश्तेदार या किसी परिचित की आवाज में आपको काल करके किसी स्थान पर बुलाकर अपराध कर सकता है। ऐसे में सतर्क हो जाएं। जब तक आप फोन पर काल करने वाले की पहचान के बारे में आश्वस्त न हो जाएं, तब तक किसी को कोई भी व्यक्तिगत जानकारी न दें। यदि आपको किसी भी तरह से कोई भी गतिविधि संदिग्ध लगे तो बिना देर किए तत्काल पुलिस को रिपोर्ट करें। ऐसा करके आप किसी बड़ी घटना का शिकार होने से बच सकते हैं।

इस तरह की घटनाओं पर विराम लगाने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार के साथ-साथ समाज को भी आगे आना होगा। परिवार में लड़कों को भी अच्छे संस्कार देने की जरूरत है। उन्हें बताना होगा कि लड़कियों को धमकाना नहीं चाहिए। उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने वाले लड़कों को कमजोर समझा जाता है। ऐसे लड़के समाज में तरक्की नहीं कर सकते हैं और न ही कोई उनका सम्मान करता है। अध्यापकों को भी उन्हें बेहतर इंसान बनाने की ओर अग्रसर करना चाहिए। उन्हें लड़कों को बताना होगा कि हमारी संस्कृति में महिला का स्थान आदरणीय है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

गठबंधन सरकार की वापसी

'भाजपा को बदलनी होगी रीति-नीति' शीर्षक से प्रकाशित अवधेश कुमार का लेख पढ़ा। भाजपा को गठबंधन सरकार चलाने के लिए अब अपने सहयोगियों को साथ लेकर चलने की रीति-नीति अपनानी होगी। दस वर्षों के कार्यकाल में भाजपा के पास खुद का पूर्ण बहुमत था। ऐसे में पार्टी का शीर्ष नेतृत्व जो रोडमैप तैयार कर आगे बढ़ जाता था, सभी सांसद कदमताल मिलाते हुए उसका समर्थन करते थे, किंतु अब स्थिति बदल गई है। भाजपा को अपने सहयोगियों को खुश रखना होगा। उनके अनुरूप ही रोडमैप तैयार करना होगा, अन्यथा सरकार पर संकट के बादल कभी भी छा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आश्वस्त थे कि उन्हें इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलेगा, किंतु ऐसा नहीं हुआ, जो भाजपा के लिए निश्चित रूप से बड़ा आघात है। अब मोदी अपने संबोधनों में शब्दचयन का विशेष ध्यान रख रहे हैं। भाजपा की जगह ज्यादा से ज्यादा एनडीए का प्रयोग कर रहे हैं। निश्चित रूप से गठबंधन सरकार को ठीक ढंग से चलाने और भविष्य में अच्छा प्रदर्शन के लिए भाजपा को अपनी रीति-नीति में बदलाव करने होंगे। राजनीति में कौन कब और कहां बैठ जाए इस बात का कोई अंदाजा नहीं होता। ऐसे में नेताओं को जनसभाओं और भाषणों में विशेष ध्यान रखना होगा कि अपने सहयोगियों के प्रति कटुता के ऐसे शब्द मुंह से न निकलें जिससे भविष्य में उन्हें बड़ा नुकसान हो जाए और अफसोस जताना पड़े।

harishtutor1@gmail.com

भाजपा को अपेक्षित सफलता क्यों नहीं

एनडीए की सरकार तीसरी बार शपथ ग्रहण करने जा रही है। इसके प्रमुख घटक भाजपा को 2019 की अपेक्षा इस बार सीटें कम मिली हैं। सीटें कम मिलने के अनेक कारण बताए जा रहे हैं। कुछ 'इस बार 400 पार'' के नारे को इसके लिए जिम्मेदार मान रहे हैं। इस नारे से प्रभावित होकर उसके अनेक समर्थकों ने मतदान न करने की लापरवाही दिखलाई और विपक्ष ने यह आरोप लगा दिया कि सरकार संविधान संशोधन करके ओबीसी का आरक्षण समाप्त करने वाली है। कुछ लोगों का आरोप है कि भाजपा एवं मोदी सत्ता के मद में अहंकारी हो गए हैं। कुछ ने कहा कि प्रत्याशियों के चयन में योगी की राय की उपेक्षा की गई। अन्य दलों द्वारा जातिवाद को बढ़ावा देकर हिंदू वोटों को विभाजित करने का षड्यंत्र रचा गया। मुस्लिमों ने एक जुट होकर भाजपा विरोधी दल को वोट दिया। नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता को नकार दिया। बीएसपी का किसी भी सीट पर लड़ाई में न होने के कारण सभी मुस्लिमों एवं अधिकतर दलितों के एकमुश्त वोट उस विरोधी दल को मिल गए जो भाजपा को हरा सकता था। योगी के बढ़ते कद से जलने वाले नेताओं ने उनको किनारा करने की कोशिश की। महंगाई, बेरोजगारी ने निम्न एवं मध्यम वर्ग को बहुत परेशान किया। राजपूतों की नाराजगी आदि ने भी भाजपा की सफलता की राह में कांटे बोए।

धर्मेंद्र नाथ रस्तोगी, गाजियाबाद

दूषित भोजन के नुकसान

वैश्वीकरण के बाद इन तीन दशकों में हमारे खान-पिन, रहन-सहन में काफी बदलाव आए हैं। हमारे जीवन में फास्ट फूड और जंक फूड का दायरा काफी बढ़ा है। अधिक फास्ट फूड और जंक फूड के कारण हमारी जीवन शैली काफी हद तक प्रभावित हुई है और हमें कई तरह के बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार दूषित खाने से हर साल लाखों लोग बड़े स्तर पर बीमार होते हैं जिनमें से कई लोगों को दूषित भोजन के कारण अपने जीवन से हाथ भी धोना पड़ता है। दूषित भोजन के कारण ही हमें 200 से अधिक खतरनाक बीमारियों जैसे कि (पीलिया, हैजा, उल्टी, डायरिया आदि) का सामना करना पड़ता है। आम जनमानस को चाहिए कि वह दूषित भोजन से बचने के लिए आम जागरूकता का पालन करें और भोजन से जुड़ी स्वच्छता और सफाई पर अधिक से अधिक ध्यान देकर अपने आप को कई बड़े बीमारियों से बचाए।

विजय किशोर तिवारी, नई दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

150 वां स्थान प्राप्त किया है आइआइटी दिल्ली ने विश्व के शीर्ष संस्थानों में, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2025 में। वहीं दिल्ली विश्वविद्यालय ने 328वां स्थान हासिल किया है। पिछले वर्ष ये क्रमशः 197वें और 407वें स्थान पर थे।

कैलाश बिश्नोई
उच्च शिक्षा मामलों के जानकार

आजकल

उच्च शिक्षण संस्थानों की उन्नति का मार्ग

गुणवत्ता मूल्यांकन के आधार पर विश्व भर के विश्वविद्यालयों की हाल ही में वैश्विक उच्च शिक्षा थिंक-टैंक क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2025 जारी की गई है। क्यूएस रैंकिंग के नवीनतम संस्करण में शीर्ष चार सौ उच्च शैक्षणिक संस्थानों में 10 भारतीय विश्वविद्यालयों का जगह बनाना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रैंकिंग का विश्लेषण करने से पता चलता है कि इस बार 61 प्रतिशत भारतीय यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में सुधार हुआ है और भारत विश्व के सबसे तेजी से विस्तार करने वाले अनुसंधान केंद्रों के रूप में उभर रहा है

आइआइटी दिल्ली का स्थान देश में शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों में है। फाइल

पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं। शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक बदलाव पर ध्यान देने की वजह से भारत ने वर्ष 2015 के 11 विश्वविद्यालयों से बढ़कर वर्ष 2025 में 46 तक पहुंचकर विश्व स्तर पर उच्च शैक्षणिक संस्थानों की रैंकिंग में 318 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जो उत्साहवर्धक है। अच्छी बात है कि भारत सरकार देश के उच्च शैक्षणिक संस्थानों की वर्ल्ड रैंकिंग में सुधार को लेकर ठोस इरादे भी दिखा चुकी है। किसी भी देश की उच्च शिक्षा की तस्वीर यह बताती है कि वहां की सरकार की प्राथमिकता में शिक्षा की जगह क्या है और वह इससे कितना सरोकार रखती है। पिछले कई वर्षों से लगातार जब भी दुनिया भर में बेहतर गुणवत्ता वाले विश्वविद्यालयों की सूची सामने आई है, उसमें भारत ने निरंतर सुधार किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 जैसी दूरदर्शी नीतियों से भी रैंकिंग सुधारने में मदद मिली है। हालांकि क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में टाप 100 में कोई भारतीय संस्थान नहीं है। आने वाले वर्षों में यदि हम उच्च शिक्षा में सुधार की प्रक्रिया को और आगे बढ़ाते हैं तो निश्चित तौर पर हमारे उच्च शिक्षण संस्थान भी दुनिया के शीर्ष 100 में संस्थानों में अपनी जगह बना पाएंगे।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 से 2022 के दौरान 30 लाख से अधिक भारतीय उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए थे। अकेले वर्ष 2022 में ही 7.5 लाख भारतीयों ने विदेश जाने का अपना उद्देश्य अध्ययन करना बताया था। भारत जैसे विशाल देश में यह संख्या भले ही ज्यादा नहीं लगती हो, लेकिन एक बात साफ है कि विश्व स्तरीय रैंकिंग में भारतीय उच्च शिक्षण संस्थाओं का काफी नीचे के पायदान पर होना भी इसकी एक महत्वपूर्ण वजह है। इसमें दो राय नहीं है कि आजादी के 75 वर्षों में हमारे देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संख्यात्मक दृष्टि से काफी तरक्की हुई है, लेकिन बात गुणात्मक दृष्टि की करते हैं तो इस बात पर काफी काम करने की जरूरत महसूस होती है। देश के राज्यों को चाहिए कि विश्वविद्यालयों को प्रवेश, भर्ती और दी जाने वाली डिग्री से जुड़ी गैर जरूरी पाबंदियों से मुक्त करके, उन्हें प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देना चाहिए।

आज दुनियाभर के विश्वविद्यालयों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनके प्रशासन से जुड़ी हुई है। भारतीय विश्वविद्यालय कोई अपवाद नहीं हैं। विश्वविद्यालय का प्रशासन संगठन की बहुमुखी प्रकृति संकाय, कर्मचारियों, छात्रों, अभिभावकों, मान्यता प्राप्त निकायों, सरकारी विभागों, नियामक एजेंसियों, अंतरराष्ट्रीय भागीदारों और दाताओं जैसे अनेक हितधारकों की अपेक्षाओं के कारण जटिल हो गया है। इस संदर्भ में हमें विश्वविद्यालय की समाज में भूमिका को समझने की आवश्यकता है, और फिर उसका प्रशासन इस तरीके से करना है कि वह अपने विभिन्न हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा कर सके।

भारत में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। यही कारण है कि भारत से प्रतिभाओं का पलायन लगातार हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर बना हुआ है। आज हर अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा के लिए विदेश भेजने के इच्छुक दिखाई देते हैं। हमने कभी उन कारणों की तलाश ही नहीं की जिनके चलते ऐसी स्थिति पैदा हुई है। हमारे यहां केवल 20 प्रतिशत आबादी ही यूनिवर्सिटी या फिर वोकेशनल कोर्स पूरा कर पाई है। हालांकि भारत सरकार ने शिक्षा के लिए अधिक बजट आवंटन करने की घोषणा की है। शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन निजी क्षेत्र वहीं निवेश करता है जहां उसे फायदा नजर आए।

शिक्षा को रोचक बनाना भी जरूरी है, ताकि कुछ बच्चों को स्कूल-कालेज बोरिंग न लगे, 11वीं और 12वीं कक्षा तक आते-आते कई बच्चों को स्कूल-कालेज बोरिंग लगने लगता है। इस कारण वे स्कूल-कालेज देरी से जाना चाहते हैं, क्लास बंक कर देते हैं। पढ़ाई से लगाव न होने की वजह से अक्सर छात्र स्कूल-कालेज छोड़ देते हैं। किसी भी वजह से छात्रों का पढ़ाई छोड़ने का मन करना, अभिभावकों के लिए एक बड़ी परेशानी है, लेकिन यह शिक्षा की एक बड़ी कमी की ओर भी इशारा करता है। इसके अलावा विशेषज्ञों की मानें तो उच्च शिक्षा के जीईआर के कम होने के पीछे एक और बड़ा कारण स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थानों की कमी या फिर उनके कोर्सों की डिजाइन भी है, क्योंकि इन कोर्सों को करने के बाद भी उन्हें नौकरी के लिए भटकना पड़ता है। ऐसे में वह दसवीं या बारहवीं के बाद ही पढ़ाई छोड़कर काम धंधे की तलाश में जुट जाते हैं।

आगे की राह : सवाल उठता है कि हमारे संस्थानों को उत्कृष्ट कैसे बनाया जाए? इसके लिए दो प्रकार के माडल हैं। एक तो अमेरिका का माडल है, जहां अधिकतर निजी विश्वविद्यालयों ने सफलता प्राप्त की है। इसके पीछे वहां के धनी व्यापारियों का हाथ है, जो इन संस्थानों को दान देते हैं। वहां के निजी विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता दी जाती है। इसके एवज में उन्हें पूरी तरह जवाबदेह भी होना पड़ता है। वे अपनी उत्कृष्टता स्थापित करने के लिए एक तरह से निष्ठुर होकर काम करते हैं। भारतीय संस्थानों के लिए ऐसा करना संभव नहीं हो पाता। दूसरा माडल सिंगापुर-हांगकांग का है, जहां संस्थानों को उत्कृष्ट बनाने के लिए सरकार ही मुक्त हाथ से अनुदान देती है। इन विवि के डीन को विश्वभर से शिक्षक चुनने का अधिकार दिया जाता है। इनका वेतन भी विश्वस्तरीय होता है। लेकिन इनकी भी जवाबदेही तय कर दी जाती है।

शोध और अनुसंधान को मिले व्यापक प्रोत्साहन

देश में शोध संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कई कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में पीएचडी में प्रवेश के लिए नई शिक्षा नीति के अनुसार नियमावली जारी करते हुए यूजीसी ने कहा है कि शोध में रुचि रखने वाले छात्र अपने चार साल के स्नातक डिग्री कार्यक्रम के पूरा होने के बाद बिना पोस्ट ग्रेजुएशन किए पीएचडी कर सकते हैं। यह कदम सराहनीय एवं स्वागतयोग्य है, क्योंकि इससे देशभर में पीएचडी कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलने के साथ हमारे देश में शोध संस्कृति विकसित होने की भी उम्मीद जगी है। सरकार ने देश में शोध व अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने के लिए एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) का गठन करने का प्रस्ताव किया है। इसकी स्थापना से शिक्षा जगत को मंत्रालयों और उद्योगों के साथ संयुक्त किया जा सकेगा तथा स्थानीय आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक अनुसंधान के लिए रकम उपलब्ध कराई जा सकेगी। एनआरएफ को लेकर शोध क्षेत्र में एक शीर्ष संरचना के रूप में कार्य करने की आशा की जा रही है। यह वास्तव में स्वायत्त ही रहे तो यह एक बड़ा बदलाव होगा, भारत के उपेक्षित विश्वविद्यालयों और कालेज के शोधकर्ताओं को एनआरएफ जैसी एक नई फंडिंग एजेंसी मिल रही है।

पिछले वर्षों में शोध के प्रति रुझान बढ़ने का एक कारण यह भी है कि इस बीच भारत सरकार द्वारा नई-नई शोधवृत्तियां (फैलोशिप) शुरू की गई हैं तथा यूजीसी की जूनियर रिसर्च फैलोशिप और सीनियर रिसर्च फैलोशिप को भी बढ़ाया गया है। भारत सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित और चिकित्सा तथा भारतीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों में भारतीय डायस्पोरा के बीच सहयोग की सुविधा हेतु वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (वैभव) नामक एक नया फैलोशिप कार्यक्रम शुरू किया है। शोध को बढ़ावा देने का एक बेहतर तरीका यह भी हो सकता है कि उद्योग जगत और देश के विश्वविद्यालयों के बीच साझा गठजोड़ बने, ताकि प्रयोगशाला में हुए शोध को बाजार तक पहुंचाया जा सके। हमारे देश में आविष्कार और शोध की संस्कृति को भी बढ़ावा मिल सकता है, बशर्ते हम ऐसे कार्यों के लिए सकारात्मक परिवेश बनाएं।

भारत में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों में महज एक प्रतिशत छात्र ही शोध करते हैं। अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार देशभर में हर वर्ष लगभग सात हजार शोधार्थी ही विज्ञान विषयों में पीएचडी करते हैं। इनमें से अधिकतर शोधार्थियों की पीएचडी थीसिस से उस विषय में कोई नवाचारी पुट का समावेश नहीं होता है तथा शोध सतही होते हैं जिससे शोधार्थियों के शोध अध्ययन से समाज तथा राष्ट्र को कोई खास लाभ नहीं मिल पाता है, और न ही अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल पाती है। कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में उपलब्धियों को छोड़ दें तो वैश्विक संदर्भ में भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुसंधान की स्थिति धरातल पर उतनी मजबूत नहीं, जितनी भारत जैसे बड़े देश की होनी चाहिए। ऐसे में कुछ तथ्यों पर गौर करना जरूरी है। जैसे- वैज्ञानिक प्रतिद्वंद्विता के नजरिये से विश्व में भारत कहां है? लिहाजा विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षकों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के अभाव जैसी समस्या को दूर किया जा सके। **(कैलाश बिश्नोई)**

विश्वविद्यालय का आकलन: एक विश्वविद्यालय को उसके सामाजिक परिप्रेक्ष्य में आंका जाना चाहिए। बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य और आवश्यकता के ढांचे के भीतर एक विश्वविद्यालय के विचार को समय-समय पर परिभाषित किया जाना चाहिए। इसके अलावा विश्वविद्यालयों के लिए समाज में उनकी भूमिका और प्रभाव को फिर से परिभाषित किया जाना चाहिए। सभी प्रकार के विश्वविद्यालयों को उनके निर्धारित प्रतिमान (समाज में योगदान) के लिए अधिक प्रतिबद्ध बनाए जाने की आवश्यकता है। इस हेतु शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, अनुकूल नियामक तंत्र बनाने और विश्वविद्यालयों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की जरूरत है।

खरी-खरी

बाल्यावस्था का दोहन काल

अलंकार रस्तोगी

बारह साल के बंटी का कमरा अमूमन उतना ही बड़ा था जितना कि किसी मध्यम वर्ग के बच्चे का हो सकता है। सामने की दीवार पर बैडमिंटन बिलकुल उसी शैली में टंगा हुआ था, जैसे प्राचीन काल में राजा-महाराजाओं के महल में तलवारें टंगी हुआ करती थी। दीवार के दक्षिणी कोने में लगी एक कील पर मुक्केबाजी वाले दस्ताने भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवा रहे थे।

मतलब बंटी के दो खेलों में पारंगत होने की संभावना बढ़ गई थी। लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है कि बंटी क्रिकेट के दीवानों के देश में इस खेल से अछूता रह जाए, इसलिए उसके बेड के नीचे क्रिकेट की किट भी बराबर से शोभायमान थी। लोग उसके कमरे में बड़े ही संभल कर आते थे, क्योंकि उसके खेल के 'मेन्यू' में स्केटिंग भी थी और उसके शूज कहीं भी पड़े हो सकते थे। अभी तक के रुझान से यही लग रहा था कि बंटी गजब का खेलोमुखी प्राणी है।

काश ऐसा होता, क्योंकि बंटी इन्हें नहीं खेलता था, बल्कि यह सब उसकी भावनाओं के साथ खेलते थे। उसके अंदर के चेस के खिलाड़ी को अब तक बाक्सिंग का पंच जड़ दिया गया है, उसके अरमानों को बैडमिंटन की चिड़िया अपने साथ न जाने कहां उड़ा ले गई है, क्रिकेट ने उसके सपनों को कब का हिट विकेट कर रखा है, स्केटिंग के पहिये उसे निराशा के न जाने किस रपटीली राहों पर ले जा रहे हैं। यानी उसके मां-बाप की नजरों में ऐसी अनोखी योग्यताओं के साथ उनका लाल अब आल राउंडर बन चुका है। उसकी गर्मियों की छुट्टियां उसके इस कथित टैलेंट को उभारने के काम में लगा दी गई हैं। बगल के शर्माजी के लड़के ने समर कैंप में नाम लिखा लिया है। पूरे दो घंटे का सदुपयोग कर रहा है। इस बार पक्का कैशियो का मास्टर हो जाएगा। इसलिए इस बार बंटी को भी कुछ सीखना है, गिटार या कैशियो अपनी इच्छा से तय कर ले। उस पर किसी बात के लिए जोर नहीं डाला जाता है। बंटी वाकई भाग्यशाली बच्चा है जिसे उसकी इच्छा पूछने वाले मां-बाप मिले हैं।

X पोस्ट

राजनीतिक दलों को अब तक मनपसंद रिपोर्टर ही चाहिए थे, लेकिन अब उन्हें मनपसंद सवाल भी चाहिए! कुछ भी कहो, मीडिया का खौफ तो अभी भी है।
प्रभाकर कुमार मिश्र@PMishra_Journo

मैंने हमेशा से कहा है कि भारत इसलिए सेक्युलर देश है, क्योंकि यहां के हिंदू सेक्युलर हैं। भारत की मूल प्रकृति सेक्युलर है। हालिया लोकसभा चुनाव ने इसे एक बार फिर साबित कर दिया है।
डा. एसवाई कुरैशी@DrSYQuraishi

अगर कोई व्यक्ति अपनी वर्दी पर अपनी राजनीतिक विचारधारा को हावी होने देता है तो वह निश्चित रूप से मानसिक और नैतिक रूप से उस वर्दी को पहनने के लिए उपयुक्त नहीं है।
तुषार गुप्ता@Tushar15_

कंगना रनौत को थप्पड़ मारे जाने पर जो लोग जश्न मना रहे हैं, उनकी कही न जाने कितनी बातों के लिए न जाने कितने थप्पड़ प्रतीक्षा में होंगे। नफरत में अंधे होकर इस घटिया हरकत की वाहवाही करने वालों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हिंसा हिंसा को जन्म देती है!
अभिषेक उपाध्याय@upadhyayabhii

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या गठबंधन सरकार को सहयोगी दलों के दबाव का सामना करना पड़ेगा?

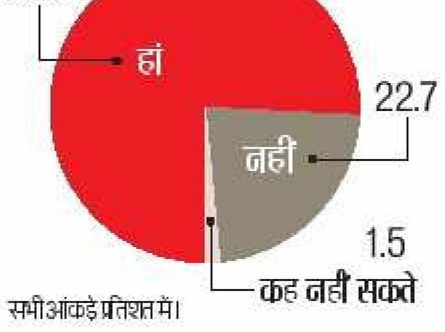

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

मतदाता भगवान में दिखे एक ही खोट,
कर दो लाख विकास पर गिरे जाति पर वोट।
गिरे जाति पर वोट भयंकर ये बीमारी,
भारत माता आज इसी से दिखती हारी।
सुख-सुविधा की खेप भले वह रोज उड़ाता,
पर जाता है भूल सभी कुछ ये मतदाता!
– ओमप्रकाश तिवारी

अरुण अशेष
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बिहार

बिहार डायरी

विधानसभा चुनाव में भूल सुधार का अवसर

नई दिल्ली में शुक्रवार को राजग की बैठक को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार। प्रेट्र

लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर प्रत्यक्ष रूप से राज्य के सभी राजनीतिक दलों में जय-जय का भाव है। आंतरिक भाव यह है कि जो मिला, बहुत मिल गया। उम्मीद तो इतनी की भी नहीं थी। क्योंकि पूरे चुनाव में सभी दलों के आम कार्यकर्ता उपेक्षित रहे। इनका काम वोटरों को अपने पक्ष में सहमत कराने के बदले बड़े नेताओं की सभा के लिए भीड़ जुटाने का रह गया था। राजनीतिक दलों की प्रादेशिक इकाइयां चुनाव की तैयारी करती हैं। इसमें पंचायत या बूथ स्तर तक की इकाइयों का योगदान रहता है। बूथ की इकाइयां ऊपर की इकाइयों को जनता के मनोभाव के बारे में जानकारी देती हैं। उस आधार पर प्रादेशिक इकाइयां केंद्रीय नेतृत्व को क्षेत्र में दल की कमजोरी या मजबूत स्थिति के बारे में ठोस जानकारी देती हैं। इन्हीं पर केंद्रीय नेतृत्व उम्मीदवार का चयन होता है। चुनाव में जीत की रणनीति बनाता है।

इस बार राजग या आइएनडीआइए ने उम्मीदवारों के चयन में इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया। नेतृत्व को क्षेत्र की वास्तविक जानकारी कार्यकर्ताओं के बदले पेशेवर सर्वेक्षण एजेंसियों से मिली। नीचे से कोई जानकारी भी मिली तो उसे यह कह कर अस्वीकार किया गया कि वोट तो नारा और समीकरण पर मिलता है। राजग के नेतृत्व में यह भाव गहरा पैठ गया था कि वोट तो नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार के नाम पर मिलेगा। उम्मीदवार का चेहरा भला कौन देखता है? ऐसे में सही सलाह देने वाले लोगों ने चुप रहना ही उचित समझा।

यही भाव आइएनडीआइए के नेतृत्व के मन में भी था। किसी को टिकट दे दो। राजग का विरोध करने वाले लोग तो वोट दे ही देंगे। वोटों का विभाजन अगड़े-पिछड़े के आधार पर होना है। इस सिद्धांत के प्रतिपादक अपनी रणनीति को सही ठहरा रहे हैं। आइएनडीआइए के दलों को नौ सीटों पर जीत मिली है। इस समीकरण की विफलता के बारे में चर्चा नहीं की जा रही है। पूर्णिया में अति पिछड़ी जाति की बीमा भारती को आइएनडीआइए का उम्मीदवार बनाया गया। आकलन यह कि बीमा को अति पिछड़ी जातियों का पूरा वोट मिल जाएगा। उसमें माय समीकरण का वोट जुड़ेगा और जीत पक्की हो जाएगी। यह आकलन उलट गया। बीमा भारती को 27 हजार वोट ही मिले। जमानत नहीं बची। उससे चार हजार कम वोट नोटा पर पड़े। जीतने वाले निर्दलीय पप्पू यादव को पांच लाख 67 हजार से अधिक वोट मिले। वोटों का विभाजन बताता है कि आइएनडीआइए के नेतृत्व को पूर्णिया की जमीनी समझ नहीं थी।

दूसरी तरफ देखिए। राजग के घटक जदयू की जिन तीन सीटों- पूर्णिया, कटिहार और जहानाबाद में हार हुई, इनके निवर्तमान सांसदों के बारे में स्थानीय इकाइयों की अच्छी राय नहीं थी। यहां भी उसी सिद्धांत का सहारा लिया गया, मोदी-नीतीश के नाम पर वोट मिल जाएगा। दोनों गठबंधनों की जिन सीटों पर हार हुई है, प्राथमिक इकाइयों ने उन सबके उम्मीदवारों के बारे में नेतृत्व को जानकारी दी थी कि ये साहब चलने वाले नहीं हैं। नेतृत्व ने जिद कर उम्मीदवार दिया। कुछ चले भी तो बड़ी कठिनाई से मंजिल तक पहुंच पाए। सारण में भाजपा के बड़े नेता राजीव प्रताप रूडी पिछला चुनाव एक लाख 38 हजार के अंतर से जीते थे। इस बार 13 हजार रह गया। वोट तो नाम पर मिलेगा- यह भाव अहंकार बन कर फैल गया था। विशेषकर राजग के सांसद जो इस बार भी उम्मीदवार बने थे, उनके मन में यह भाव 2019 में चुनाव जीतने के दिन से ही बना हुआ था।

अधिसंख्य उम्मीदवार सांसदों पर यह आरोप लगा कि चुनाव जीतने के बाद कभी क्षेत्र में नहीं आए। कुछ क्षेत्रों में तो पांच साल बाद पहुंचे सांसदों को लोक पहचान भी नहीं पाए। ऐसे क्षेत्रों में किसी मोटे, तगड़े और सांसद की तरह दिखने वाले पार्टी प्रचारकों को ही पकड़ कर भला बुरा कह दिया गया। हालांकि किसी किसी क्षेत्र में सांसद की निरंतर उपलब्धता भी जीत का कारण नहीं बन सका। पाटलिपुत्र के भाजपा उम्मीदवार रामकृपाल यादव लोकसभा का सत्र समाप्त होने के बाद लगातार क्षेत्र में बने रहते थे। मगर, चुनाव हार गए। रामकृपाल को अपवाद माने लें तो हारे हुए ज्यादा सांसदों पर क्षेत्र में कम उपस्थिति, मिलने-जुलने वालों के साथ अहंकारपूर्ण व्यवहार का आरोप लगा। राजनीतिक दलों के लिए अच्छी बात यह है कि लोकसभा चुनाव की भूल सुधारने का अवसर जल्द ही आ रहा है। अगले साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा का चुनाव होगा। उसमें भूल-चूक की लेनी देनी हो सकती है।

अयोध्या में भाजपा की हार

केवल तोड़-फोड़ नहीं कारण

ओमप्रकाश तिवारी
opt@mbi.jagran.com

सरयू नदी एवं घाटों समेत समूची अयोध्या का नए सिरे से किया गया है विकास। फाइल

उन दिनों अयोध्या में श्रीराम मंदिर आंदोलन धीरे-धीरे परवान चढ़ रहा था। नौ नवंबर, 1989 को मंदिर का शिलान्यास हुआ और उसी माह 22 एवं 26 नवंबर, 1989 को देश में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान हुए। संयोग से इस चुनाव में फैजाबाद (संसदीय क्षेत्र अभी भी अयोध्या ही है) लोकसभा सीट से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार मित्रसेन यादव ने कांग्रेस के उम्मीदवार निर्मल खत्री को मात्र 5,855 मतों से पराजित कर दिया। जबकि उससे पूर्व 1984 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर में निर्मल खत्री एक लाख वोट से जीते हुए थे। लेकिन 1989 में बहुत कम मतों के अंतर से हुई उनकी हार के बाद फैजाबाद से प्रकाशित होनेवाले घोषित वामपंथी रुझान के दैनिक 'जनमोर्चा' ने जो संपादकीय प्रकाशित किया, उसका शीर्षक था- अयोध्या का संदेश।

उस चुनाव में फैजाबाद में भाजपा का तो कहीं नाम निशान भी नहीं था। हार कांग्रेस की हुई थी। उस समय तक तो भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा भी प्रारंभ नहीं की थी। इसके बावजूद 'जनमोर्चा' अपने संपादकीय के जरिये यह संदेश देना चाहता था कि फैजाबाद संसदीय सीट से कांग्रेस की हार और सीपीआइ की जीत का अर्थ है कि वहां के 'सर्वहारा मतदाता' अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण नहीं चाहते। यानी उस समय तक देश की कम्युनिस्ट पार्टियां उस कांग्रेस पार्टी को भी राम मंदिर का समर्थक मान रही थीं, जो आज राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण पाकर भी उसमें जाने से इन्कार कर देती है। ऐसा शायद इसलिए था, क्योंकि 1986 में श्रीराम जन्मभूमि का ताला उस समय खुला, जब केंद्र में राजीव गांधी प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के ही नेता वीर बहादुर सिंह मुख्यमंत्री थे। इसके बाद 1989 में हुआ राममंदिर का शिलान्यास भी कांग्रेस के कार्यकाल में ही हुआ था।

खैर, 1989 में मिला जनादेश ज्यादा दिन टिक नहीं सका। 1991 में फिर लोकसभा चुनाव हुए। तब भाजपा प्रत्याशी विनय कटियार भारी मतों से उन्हीं मित्रसेन यादव को हराकर विजयी रहे, जिनकी पिछली जीत पर 'लेफ्ट-लिबरल' ने यह अर्थ लगा लिया था कि अयोध्या के लोग तो राम मंदिर चाहते ही नहीं। तब लखनऊ से प्रकाशित होनेवाली पत्रिका 'राष्ट्रधर्म' ने भी एक लेख प्रकाशित किया। उस लेख का शीर्षक भी वही था- अयोध्या का संदेश। यानी 1989 में अयोध्या में तथाकथित 'सर्वहारा वर्ग' की हितैषी पार्टी की जीत का निहितार्थ यदि राममंदिर निर्माण के विरोध में हो सकता है, तो 1991 में बजरंग दल के तत्कालीन अध्यक्ष की जीत को श्रीराम मंदिर के निर्माण का जनादेश क्यों नहीं माना जाना चाहिए?

तब से अब तक अयोध्या से प्रवाहित होनेवाली सरयू में बहुत पानी बह चुका है। लेफ्ट लिबरल सोच द्वारा पैदा की गई अनेक बाधाओं के बावजूद श्रीराम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भी हो चुकी है और रोज लाखों भक्त वहां प्रभु बालक राम के दर्शन के लिए आ रहे हैं। इसके बावजूद अयोध्या ने एक बार फिर अपना 1989 का इतिहास दोहरा दिया है। यानी अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने एवं अंतरराष्ट्रीय विमानतल, चौड़ी-चौड़ी सड़कें, आलीशान रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, सुंदर घाट जैसे विकास कार्य होने के बावजूद अयोध्या से ही भाजपा चुनाव हार गई है। यह हार भाजपा और भाजपा समर्थकों को जहां अचरज में डाल रही है, वहीं उसके विरोधियों को तरह-तरह से आलोचनाएं करने का मौका भी उपलब्ध करा रही है।

लेकिन सच तो यह है कि अयोध्या की इस हार का कोई मतलब न तो 1989 में राम मंदिर से था, न ही 2024 में नजर आ रहा है। उस समय भी कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर मित्रसेन यादव जातीय समीकरण के बल पर चुनाव जीते थे और इस बार भी अवधेश प्रसाद जातीय समीकरण के बूते ही चुनाव जीते हैं। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में भाजपा सांसद एवं प्रत्याशी लल्लू सिंह आज भी बढ़त पर रहे हैं। यह सच्चाई है कि अयोध्या की विकास प्रक्रिया में सरकार को बड़ी तोड़-फोड़ करनी पड़ी है। अयोध्या, काशी हो या उज्जैन का महाकाल कारीडोर, विकास के लिए कुछ न कुछ तोड़ना ही पड़ता है। इंटरनेट मीडिया पर कई वीडियोज में कई रोते हुए चेहरे दिखाकर यह दर्शाने की कोशिश की जा रही है कि स्थानीय लोगों पर हुए अन्याय के कारण भाजपा अयोध्या की सीट हार गई। लेकिन कहीं यह नहीं दिखाया जा रहा है कि श्रीराम मंदिर के सामने से गुजरने वाले रामपथ ही नहीं, अयोध्या के अंदरूनी हिस्सों में भी जिन घरों के लिए किराएदार भी नहीं मिलते थे, वहीं अब 12-12 घंटे के लिए किराए पर 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' की योजना पर बुकिंग हो रही है। सैकड़ों की संख्या में होम स्टे खुल गए हैं।

सच यह भी है कि प्रशासनिक लापरवाही एवं राजनीतिक अनदेखी के कारण बहुत से लोगों को उनकी जमीनों के सही मुआवजे से वंचित रहना पड़ा है। ऐसे कई लोग आज भी कचहरी के चक्कर काटते देखे जा सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है, जिनकी जमीनों के दाम अब पहले कई गुना हो गए हैं, और उन्हें मिले रोजगार के अवसर का लाभ उनकी आनेवाली कई पीढ़ियां उठाएंगी। इसलिए अयोध्या की हार का कारण केवल वहां हुई तोड़-फोड़ को मान लेना नादानी से अधिक कुछ नहीं हो सकता।

****

वाणिज्यिक वाहन बिक्री में 4-7 प्रतिशत की कमी संभव

नई दिल्ली : रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को कहा कि कमजोर मांग के चलते चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री में 4-7 प्रतिशत की कमी रह सकती है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि वाणिज्यिक वाहन बिक्री पर पहले कुछ महीनों में इन्फ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों पर लोकसभा चुनावों का प्रभाव दिखेगा। वित्त वर्ष 2023-24 में वाणिज्यिक वाहन बिक्री में एक प्रतिशत की मामूली वृद्धि रही है। (प्रेट्र)

भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और लक्ष्य तक पहुंचने में अन्य देशों की भी मदद कर सकता है।
- रुचिरा शुक्ला, सहसंस्थापक, सिनाप्सिस

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना प्रति दस ग्राम	चांदी प्रति किलोग्राम	डालर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
76,693.36	23,290.15	₹73,650	₹95,900	₹83.40	$79.95
▲ 1,618.85	▲ 468.75	▲ ₹150	▲ ₹2,600	▼ ₹0.13	

एक नजर में

2,600 रुपये महंगी हुई चांदी, सोना 150 रुपये बढ़ा

नई दिल्ली : वैश्विक बाजारों के अनुरूप घरेलू बाजारों में भी सोना और चांदी के मूल्यों में तेजी जारी है। शुक्रवार को दिल्ली में चांदी के मूल्य में 2,600 रुपये की बढ़ोतरी रही। इस तेजी के साथ चांदी अब 95,900 रुपये प्रति किलो हो गई है। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के अनुसार, दिल्ली में सोना भी 150 रुपये बढ़कर 73,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। (प्रेट्र)

मई के दौरान चीन का निर्यात 7.6 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग : तमाम व्यापारिक तनावों के बीच मई में चीन का निर्यात 7.6 प्रतिशत बढ़ा है। यह निर्यात में बीते एक वर्ष की सबसे अधिक बढ़त है। सीमा शुल्क विभाग के डाटा के अनुसार, पिछले महीने चीन का कुल निर्यात 302.35 अरब डालर रहा है। इसी तरह, आयात भी 1.8 प्रतिशत बढ़कर 219.73 अरब डालर रहा है। (एपी)

एयरपोर्ट उद्योग को 1.3 अरब डालर का लाभ संभव

नई दिल्ली : विमानन उद्योग की सलाहकार फर्म सीएपीए इंडिया ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एयरपोर्ट उद्योग का कर-पूर्व लाभ 1.3 अरब डालर रह सकता है। यह 256.1 रुपये या 3.1 डालर प्रति यात्री के बराबर है। शुक्रवार को आयोजित सम्मेलन में सीएपीए ने कहा कि इस वर्ष हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या बढ़कर 40.49 करोड़ हो सकती है। (प्रेट्र)

कामन सर्विस सेंटर में बदले जाएंगे 10 हजार एफपीओ

नई दिल्ली : देशभर के 10 हजार किसान उत्पादक संगठनों (एफपीआइ) को कामन सर्विस सेंटर (सीएससी) में बदला जाएगा। इसको लेकर ई-गवर्नेंस सेवा प्रदाता सीएसई एसपीवी और कृषि मंत्रालय के बीच एक समझौता हुआ है। समझौते के तहत सीएससी एसपीवी एफपीओ को डिजिटल सेवा पोर्टल से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस कदम से नागरिकों से जुड़ी सेवाओं के विस्तार में मदद मिलेगी। (प्रेट्र)

आरबीआइ ने विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7 .2% किया, महंगाई पर चौकस

- आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, चालू वर्ष में भी दिखेगा इकोनमी का दम
- घरेलू मांग की सुखद स्थिति को देखकर ही बढ़ाया गया विकास दर का अनुमान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के शुरुआती वित्त वर्ष के दौरान देश की विकास दर अनुमान से बेहतर रह सकती है। शुक्रवार को आरबीआइ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विकास दर के अनुमान को पहले के सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। वर्ष 2023-24 में भी पहले विकास दर के सात प्रतिशत रहने की बात कही गई थी, लेकिन ताजा आंकड़ों में यह 8.2 प्रतिशत रही है। यह सरकार के लिए भी काफी संतोषजनक खबर है क्योंकि केंद्रीय बैंक ने कहा है कि विकास दर अनुमान ग्रामीण क्षेत्रों में मांग की स्थिति सुधार और निजी उपभोग के बेहतर होने के आधार पर किया गया है।

आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की इकोनमी ने जो दम दिखाया था, वह चालू साल में भी जारी रहने की संभावना है। घरेलू मांग की सुखद स्थिति को देख कर ही वैश्विक तनाव की चुनौतियों को दरकिनार किया गया है। दास ने कहा है कि बैंकों की तरफ से गैर-खाद्य कर्ज देने की रफ्तार भी बढ़ रही है। ब्याज दरों में तेजी के बावजूद ऐसा हो रहा है। दूसरी तरफ, कृषि क्षेत्र की स्थिति भी अच्छी रहने की संभावना है क्योंकि देश में मानसून की स्थिति अच्छी रहने वाली है। देश के जलाशयों में पानी का पर्याप्त भंडार रहने से खरीफ उत्पादन के उम्मीद से बेहतर रहने की संभावना है। इस आधार पर आरबीआइ ने वर्ष 2024-25 की चारों तिमाहियों के विकास दर के क्रमश 7.3, 7.2, 7.3 और 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। हालांकि, इसके साथ कुछ जोखिम भी है। उन्होंने कहा है कि सरकार की तरफ से पूंजीगत खर्च पर ध्यान दिए जाने और कारोबारी समुदाय में काफी सकारात्मक ऊर्जा बनी हुई है। इससे देश में निवेश का माहौल बने रहने की संभावना है। इसके अलावा वैश्विक कारोबार में भी सुधार हो रहा है जिससे भारत में निर्मित उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना है।

महंगाई की स्थिति उम्मीदों के मुताबिक : आरबीआइ गवर्नर ने कहा कि विकास दर और महंगाई की स्थिति अभी हमारी उम्मीदों के मुताबिक ही है। महंगाई की स्थिति पूरी दुनिया में नरम हो रही है। हालांकि भविष्य को लेकर अनिश्चितता है। दुनियाभर के केंद्रीय बैंक महंगाई को रोकने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने इस कयास को खारिज किया कि आरबीआइ अमेरिका के केंद्रीय बैंक के आधार पर अपने यहां ब्याज दरों पर फैसला करता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय मौसम व परिस्थितियों के मुताबिक फैसला करता है। ब्याज में कटौती के सवाल पर दास ने कहा कि इसका फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि हम मुख्य महंगाई दर के चार प्रतिशत पर स्थिर रहने को लेकर कितने भरोसेमंद है। आरबीआइ सालाना महंगाई दर को चार प्रतिशत पर रखने को लेकर काम करता है। अभी यह पांच प्रतिशत के करीब है। अगर यह चार प्रतिशत पर आ जाती है और इसी स्तर पर बनी रहता है तो मौद्रिक नीत में बदलाव हो सकता है।

शुक्रवार को मुंबई में मौद्रिक नीति समिति के फैसलों की जानकारी देते आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास • प्रेट्र

डिजिटल पेमेंट्स इंटेलिजेंस प्लेटफार्म से धोखाधड़ी रोकेगा आरबीआइ

आरबीआइ ने डिजिटल भुगतान में होने वाले धोखाधड़ी को रोकने के लिए डिजिटल पेमेंट्स इंटेलीजेंस प्लेटफार्म बनाने का फैसला किया गया है। यह बैंकों, एनपीसीआइ, कार्ड नेटवर्क या दूसरे डिजिटल पेमेंट प्लेटफार्म वाली एजेंसियों के बीच सामंजस्य बनाएगा और शीघ्रता से धोखाधड़ी से संबंधित डाटा का आदान-प्रदान करने की सुविधा देगा। इससे फ्राड रोकने और ट्रांसफर की गई राशि को जब्त करने व अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में आसानी होगी।

आरबीआइ गवर्नर की अन्य बातें

- 31 मई को समाप्त सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.837 अरब डालर बढ़कर 651.51 अरब डालर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।
- डिजिटल पेमेंट से जुड़ी समस्याएं बैंकिंग प्रणाली की वजह से होती हैं। यूपीआइ या एनपीसीआइ की ओर से इसमें कोई दिक्कत नहीं है।
- हमारे पास पर्याप्त भंडारण क्षमता होने के कारण ब्रिटेन से 100 टन सोना भारत वापस लाया गया है। इसका कोई और मतलब नहीं निकालना चाहिए।
- बैंकों को अपने कर्ज और जमा के अंतर को खत्म करने के लिए कारोबारी योजना का पुनर्गठन करना चाहिए।
- थोक स्थायी जमा की सीमा को मौजूदा दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपये किया गया है। इससे बैंकों की संपत्ति देयता प्रबंधन में सुधार होगा।
- भारत का बैंकिंग क्षेत्र अच्छी स्थिति में है और लचीलापन बना हुआ है। बैंकिंग क्षेत्र का सकल एनपीए तीन प्रतिशत से कम है।
- बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान ग्राहकों से ज्यादा फीस और ब्याज दर न वसूलें।

राहुल के आरोपों के बीच शेयर बाजारों में रिकार्ड तेजी

1,618 अंक बढ़कर 76,693 के नए शिखर पर बंद हुआ बीएसई सेंसेक्स, निफ्टी फिर 23 हजार के पार

मुंबई, प्रेट्र: कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से चार जून को शेयर बाजारों में हुई उथल-पुथल को बड़ा स्टाक घोटाला बताने के अगले दिन ही घरेलू बाजारों में बड़ी तेजी रही है। इसके साथ ही शेयर बाजारों में चार जून को हुई गिरावट की भरपाई भी हो गई है। बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स शुक्रवार को 1,618.85 अंक या 2.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,693.36 अंक के नए शिखर पर जाकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,720.8 अंक बढ़कर 76,795.31 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचा था। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 468.75 अंक या 2.05 प्रतिशत बढ़कर 23,290.15 अंक के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 468.75 अंक बढ़ा था।

एक्जिट पोल के अनुरूप चुनावी नतीजे नहीं आने के कारण चार जून (मंगलवार) को सेंसेक्स में 4,300 अंक से ज्यादा की गिरावट आई थी। इससे निवेशकों की संपत्ति में करीब 31 लाख करोड़ रुपये घट गई थी। लेकिन इसके बाद राजग सरकार बनने और नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ होने के बाद से घरेलू शेयर बाजारों में तेजी जारी है। बीते तीन दिनों से जारी तेजी से बीएसई सेंसेक्स ने चार जून की गिरावट की भरपाई कर ली है और शुक्रवार को यह नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर जाकर बंद हुआ। हालांकि, बाजार पूंजीकरण के लिहाज से थोड़ी भरपाई होनी है। बीते तीन दिनों में निवेशकों की संपत्ति में 28.65 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है और अब बीएसई का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 423.49 लाख करोड़ रुपये या 5.08 ट्रिलियन डालर हो गया है। बीते तीन दिनों में सेंसेक्स में 4,614.31 अंक या 6.40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

4,614 बढ़ा बीएसई का मानक सूचकांक चार जून के बाद तीन सत्रों में

28.65 लाख करोड़ रुपये बढ़ी संपत्ति बीते तीन सत्रों के दौरान

- आरबीआइ की ओर से विकास दर अनुमान बढ़ाने का भी मिला बाजारों को लाभ
- केंद्रीय बैंकों के फैसले से बैंक, रियल एस्टेट और आटो शेयरों में रहा उछाल

राहुल ने क्या कहा था

चार जून को शेयर बाजारों में हुई उथल पुथल को बड़ा स्टाक घोटाला बताते हुए राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह सीधे तौर पर इसमें शामिल हैं। साथ ही दावा किया था कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को चुनाव नतीजों की असलियत मालूम थी, मगर मीडिया चैनलों पर झूठे एक्जिट पोल के सहारे इस घोटाले को अंजाम दिया गया है। राहुल गांधी ने घोटाले में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व वित्त मंत्री की कथित भूमिका की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग की थी।

आरबीआइ के फैसले का भी मिला लाभ

घरेलू बाजारों की तेजी में शुक्रवार को आरबीआइ की ओर से विकास दर का अनुमान बढ़ाने और ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का भी लाभ मिला। इससे ब्याज दरों के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र जैसे बैंक, रियल एस्टेट और आटो के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, इंफोसिस और टाटा स्टील सबसे ज्यादा फायदे में रहे। बीएसई सेंसेक्स में शामिल सभी 30 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एचडीएफसी सिक्युरिटीज में खुदरा शोध के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट नंदीश शाह ने कहा कि राजग की सरकार बनने जा रही है। ऐसे में तीसरे कारोबारी सत्र में निफ्टी की बढ़त जारी रही।

बीएसई ने चार जून को तकनीकी खराबी की बात नकारी

नई दिल्ली, प्रेट्र: बीएसई ने शुक्रवार को कहा कि चार जून को उसकी ओर से कोई तकनीकी खराबी नहीं आई थी। प्रमुख एक्सचेंज ने कहा कि चार जून को म्युचुअल फंड खरीदने वालों को एनएवी आवंटित करने में दिक्कत बैंकों से भुगतान प्राप्त करने में देरी के कारण हुई थी। कई निवेशकों ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी निवेश स्थिति को संतुलित करने में विफल रहने की शिकायत की थी।

अदाणी समूह के शेयरों में लगातार वृद्धि जारी

मुंबई, आइएएनएस: घरेलू शेयर बाजारों के साथ अदाणी समूह के शेयरों में भी लगातार तेजी जारी है। शुक्रवार को समूह की सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से नौ कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहे। इस दौरान एनडीटीवी के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.8 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

बीएसई में अदाणी समूह की कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 1.11 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। इसी तरह, अदाणी पावर में 2.41 प्रतिशत, अदाणी एनर्जी साल्यूशंस में 2.01, अदाणी पोर्ट में 1.93 प्रतिशत, अदाणी टोटल में 0.89 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 0.48 प्रतिशत, एसीसी लिमिटेड में 1.72 प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट में 2.02 प्रतिशत की वृद्धि रही। इस दौरान केवल अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट में बंद हुए। वहीं, सर्किट सीमा बढ़ने से पेटीएम के शेयरों में भी तेजी रही।

इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित रखेगी नई सरकार : इक्रा

नई दिल्ली, प्रेट्र: रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को कहा कि नई सरकार रेल, सड़क और पानी पर ज्यादा आवंटन के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित रखना जारी रखेगी। नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। हालांकि, उम्मीद से कम सीटें मिलने के कारण उनकी पार्टी भाजपा को गठबंधन सरकार में सत्ता साझा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

रेटिंग एजेंसी ने एक बयान में कहा कि सभी हितधारकों को ध्यान में रखते हुए नई सरकार की प्राथमिकता में कुछ बदलाव हो सकता है। लेकिन विकास की गति बनाए रखने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पूंजीगत व्यय को जारी रखे जाने की उम्मीद है।

वहीं, मूडीज एनालिटिक्स की एसोसिएट इकोनमिस्ट अदिति रमन ने कहा कि कम होती राजनीतिक स्थिरता और आम सहमति बनाने की आवश्यकता निकट भविष्य में निवेशकों के विश्वास को कम कर सकती है।

Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464
राष्ट्रीय फलक
Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464

न्यूज गैलरी

छात्रावास में आग से चौकीदार की मौत, 40 लड़कियां बचाई गई

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे शहर के शनीपार क्षेत्र में एक पांच मंजिले भवन में गुरुवार आधी रात आग लगने से एक चौकीदार की मौत हो गई। इसी भवन में महिला छात्रावास है जहां से 40 लड़कियों को बचाया गया। पुणे नगरनिगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र पोटफोडे ने कहा कि भवन के दूसरे माले पर छात्रावास में रहने वाली 42 लड़कियों को बचाया गया। अग्निशमन दस्ते के स्थल पर पहुंचने से पहले क्षेत्र के लोगों ने लड़कियों को छात्रावास से निकाल लिया था। ज्ञात हो, हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में आग लगने की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हुए हैं। (प्रेट्र)

गुजरात में नदी में एक ही परिवार के चार लोग डूबे

आणंद : गुजरात के आणंद जिले में एक ही परिवार के चार लोगों की महिसागर नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि घटना खानपुर गांव के बाहर यह घटना हुई। लोकप्रिय पर्यटक स्थल खानपुर गांव में गर्मी के मौसम में लोग जमा होते हैं। गामडी गांव से परिवार के चार सदस्य यहां घूमने आए थे और स्नान के लिए नदी में उतरे। उनमें से एक जब डूबने लगा तो दूसरे उसे बचाने उतरे, लेकिन दुर्भाग्यवश सभी गहरे पानी में चले गए। ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे केवल शव ही निकाल पाए। (प्रेट्र)

कर्नाटक के राज्यपाल ने मंत्री का त्यागपत्र स्वीकार किया

बेंगलुरु : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र का त्यागपत्र तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। राजभवन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार संचालित कारपोरेशन से गैरकानूनी तरीके से पैसे के हस्तांतरण के आरोपों का सामना कर रहे नागेंद्र ने गुरुवार को त्यागपत्र दे दिया। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने राज्यपाल से त्यागपत्र स्वीकार करने की सिफारिश की थी। कारपोरेशन के कर्मचारी चंद्रशेखर पी ने आत्महत्या कर ली और अपने नोट में गंभीर आरोप लगाए थे। (प्रेट्र)

कोयंबटूर में हिंदू नेता की हत्या में पीएफआइ सदस्य की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली, प्रेट्र: एनआइए ने केरल में विशेष अदालत के आदेश पर 2016 में कोयंबटूर में हिंदू नेता की हत्या में शामिल प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) के सदस्य की संपत्ति अटैच कर दी। गत 22 सितंबर 2016 को पार्टी कार्यालय से बाइक पर घर लौटते समय हिंदू नेता सी. शशिकुमार की हत्या कर दी गई थी। पीएफआइ के सदस्य सुबैर, सद्दाम हुसैन, मुबारक, रफीकुल हसन शशिकुमार की हत्या में शामिल थे।

एनआइए ने बताया कि सुबैर ने 2012 में खरीदी अपनी संपत्ति 2020 में गिफ्ट डीड के जरिये मां के नाम कर दी थी। यह काम अपराध के बाद और आरोपपत्र दाखिल करने से पहले किया गया था। ऐसे में एनआइए ने 2023 में सुबैर की संपत्ति अटैच करने के लिए याचिका दायर की थी। एनआइए ने बताया कि जांच में सामने आया था कि आरोपित पीएफआइ सदस्यों ने विशेष वर्ग में आतंक पैदा करने के लिए हत्या की साजिश रची थी।

नौकरियां बेचकर बिचौलिए ने कमाए 72 करोड़ रुपये

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- ईडी ने कोलकाता की अदालत को सौंपी रिपोर्ट में किया दावा
- कहा, प्रसन्ना राय और उसके परिचितों के पास हैं 90 कंपनी

शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार कारोबारी व बिचौलिए प्रसन्ना राय ने छह साल में नौकरियां बेचकर करीब 72 करोड़ रुपये कमाए थे। ईडी ने कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया है। ज्ञात हो, प्रसन्ना पर आरोप था कि वह शिक्षा विभाग के अफसरों और अयोग्य उम्मीदवारों के बीच बिचौलिया का काम करता था। जांच एजेंसी ने कोर्ट में यह भी कहा कि प्रसन्ना और उसके परिचितों के पास 90 कंपनियां हैं। एसएससी भर्ती भ्रष्टाचार मामले में प्रसन्ना पर सलाहकार समिति के पूर्व प्रमुख शांतिप्रसाद सिन्हा के करीबी होने का आरोप लगाया गया था। वह राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के भी संपर्क में था। भर्ती भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों की जांच के दौरान सीबीआइ को प्रसन्ना का नाम मिला। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

शुक्रवार को एसएससी भर्ती भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई कलकत्ता सिटी सेशन कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत मुखर्जी की पीठ में हुई। सुनवाई के दौरान ईडी ने प्रसन्ना के खिलाफ रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी। साथ ही दावा किया कि जांच एजेंसी को भर्ती भ्रष्टाचार की जांच के बाद पता चला कि प्रसन्ना के बैंक खाते में छह साल में 72 करोड़ रुपये जमा हुए थे। यह रकम नौकरी बेचने के जरिए आई है। हालांकि प्रसन्ना के वकील का दावा है कि उनके मुवक्किल के खाते में जमा रकम व्यापार संबंधित है।

दिल्ली हाई कोर्ट सुकन्या मंडल की याचिका पर जल्द फैसला करे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, आइएएनएस: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट से पशु तस्करी मामले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में टीएमसी नेता अणुव्रत मंडल की बेटी सुकन्या मंडल द्वारा दायर जमानत याचिका पर शीघ्र निर्णय लेने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट में बेटी के वकील ने कहा, जमानत याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में 11 माह से लंबित है और पिछली सुनवाई में मामले को स्थगित कर दिया गया था और 12 जुलाई को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया गया था। जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली अवकाश पीठ ने हाई कोर्ट से छुट्टियां पूरी होने के बाद तीन सप्ताह के भीतर जमानत याचिका पर फैसला करने के लिए कहा है। पीठ ने मामले की योग्यता पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। जमानत से इन्कार करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को जुलाई 2023 में दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। तब से यह मामला हाई कोर्ट में लंबित है।

जयपुर के ज्वेलर ने अमेरिकी महिला से ठगे छह करोड़

जागरण संवाददाता, जयपुर

- चांदी के जेवर पर सोने की पालिश चढ़ाकर बेचा और सस्ते पत्थर को लाखों का बताया

जयपुर में एक विदेशी महिला को नकली ज्वेलरी देकर छह करोड़ रुपये ठगने का मामला सामने आया है। सोने-चांदी का काम करने वाले ज्वेलर पिता-पुत्र ने चांदी की चेन पर सोने की पालिश चढ़ा और तीन सौ रुपये वाले पत्थरों को लाखों का हीरा बताकर बेच दिए। इन दोनों ने इसके लिए फर्जी प्रमाण पत्र भी दे दिए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने फर्जी प्रमाण-पत्र देने वाले आरोपित नंदकिशोर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पिता-पुत्र फरार हैं। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी है। उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करवाया गया है। जांच में सामने आया कि धोखाधड़ी की रकम से ज्वेलर पिता-पुत्र ने जयपुर में तीन करोड़ का फ्लैट खरीदा है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त बजरंग सिंह ने बताया कि विदेशी महिला चेरिस ने 18 मई को जयपुर के माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। वह गत दो वर्ष से ज्वेलर राजेंद्र सोनी और उसके बेटे गौरव सोनी के संपर्क में थी। वह पिता-पुत्र से जेवर खरीदकर अमेरिका में व्यापार करती थी। इस दौरान उसने पिता-पुत्र से छह करोड़ रुपये के जेवर व पत्थर खरीदे थे। अप्रैल में अमेरिका में लगी प्रदर्शनी में जांच करवाने पर जेवर व पत्थर नकली निकले। इस पर उसने पिता-पुत्र से संपर्क का प्रयास किया पर उनसे बात नहीं हो सकी। दो दिन पहले वह जयपुर पहुंची। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह पिता-पुत्र की दुकान पर गई तो उन्होंने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। इस पर पीड़िता ने पुलिस थाने में रिपोर्ट करवाई।

कोयला तस्करी से भी जुड़ा था संदेशखाली कांड का मुख्य आरोपित शाहजहां शेख

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता

- शाहजहां और उसके भाई आलमगीर के खिलाफ कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में सीबीआइ ने किया दावा

बंगाल के संदेशखाली कांड का मुख्य आरोपित शाहजहां शेख राशन आवंटन भ्रष्टाचार के साथ कोयला तस्करी से भी जुड़ा था। हाल में शाहजहां और उसके भाई आलमगीर शेख सहित चार लोगों के खिलाफ कोर्ट में जमा की गई चार्जशीट में सीबीआइ की ओर से यह दावा किया गया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी के अनुसार शाहजहां आसनसोल से दक्षिण 24 परगना के निकटवर्ती क्षेत्रों में करीब सौ ईंट भट्ठा मालिकों को कोयले की आपूर्ति करता था और और उनसे इस बाबत रंगदारी टैक्स भी वसूलता था। ये ईंट भट्ठा संदेशखाली के निकट हैं। 2015 से 2020 तक आसनसोल से ईंट भट्ठा मालिकों को प्रतिदिन लगभग 1500 टन से अधिक कोयले की आपूर्ति की गई थी। शाहजहां ईंट भट्ठा मालिकों से प्रति टन पर 2000 रुपये की अतिरिक्त रकम वसूलता था। इस प्रकार वह प्रतिदिन लगभग 30 लाख रुपये की वसूली करता था। शाहजहां पर उत्तर 24 परगना के संदेशखाली और आस-पास के इलाकों के कई निवासियों की जमीन पर जबरन कब्जा करने और वहां अवैध रूप से मछली व झींगा पालन केंद्र खोलने का आरोप है। वह इस व्यवसाय की आड़ में राशन घोटाले की काली कमाई को सफेद करता था। वह फिलहाल जेल में है।

शाहजहां शेख। फाइल

भारत-अमेरिका के तकनीकी विशेषज्ञ समूह की हुई बैठक

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत और अमेरिका के बीच 2024 के लिए पहली कमांड एंड कंट्रोल कम्पेटिबिलिटी बोर्ड (सीसीसीबी) बैठक चार से सात जून तक नई दिल्ली में आयोजित की गई। इसमें अमेरिकी इंडोपैकोम के कार्यकारी निदेशक पाल निकोलसन के नेतृत्व में 29 सदस्यीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और हेडक्वार्टर्स इंटिग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के ब्रिगेडियर राहुल आनंद के नेतृत्व में 38 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया।

सीसीसीबी भारत-अमेरिका के बीच संचार कम्पेटिबिलिटी व सुरक्षा समझौते (कामकासा) के तहत गठित तकनीकी विशेषज्ञ समूह है। सितंबर 2018 में हुए समझौते के बाद यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी में निरंतर प्रगति को मापने व सुदृढ़ करने के लिए सातवीं ऐसी बैठक थी। दोनों पक्षों ने अंतर-संचालन परिदृश्यों व परिचालन संचार जरूरतों को समझने के लिए कई दौर की चर्चा की। चर्चा भारतीय त्रि-सेवाओं की संचार जरूरतों के लिए परस्पर सहमति से हल निकालने में सहायक रही।

मौत से पहले दिए बयान में असमानता तो मजिस्ट्रेट के समक्ष दिया बयान ही मान्य

राज्य ब्यूरो, जागरण • रांची

- जमशेदपुर की अदालत ने प्रार्थी को सुनाई थी आजीवन कारावास की सजा

झारखंड हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि यदि मौत से पहले मृतक का दो या दो से अधिक बयान दर्ज कराया जाता है और बयान में असमानता है तो धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान को ही सही माना जाएगा। इसके साथ ही अदालत ने अमीर मल्लिक की याचिका खारिज कर दी। इस मामले में जमशेदपुर की निचली अदालत ने अमीर को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ अमीर ने हाई कोर्ट में अपील की थी।

प्रार्थी की ओर से यह कहते हुए निचली अदालत के आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया गया कि मृतका के विरोधाभासी बयानों के बाद भी उसे सजा सुनाई गई है। हाई कोर्ट ने ऐसी परिस्थिति में मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान को ही सही माने जाने की बात कही। साथ ही मृतका की ननद को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। इस मामले को लेकर जमशेदपुर में वर्ष 2012 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सुनवाई अदालत ने 13 मार्च 2014 को इस मामले में सजा सुनाई थी। याचिका में कहा गया था कि पीड़िता ने मौत से पूर्व दो बयान दिए थे। एक में कहा था कि वह बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी कर रही थी, जबकि पति सुबह की सैर पर थे। इसी दौरान जेठ, सास और ननद ने उस पर केरोसिन तेल छिड़ककर आग लगा दी। जबकि, मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान में कहा था कि जेठ और सास ने आग लगा दी है। चिल्लाने पर आसपास के लोग जमा हुए और उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां पहले पुलिस फिर सीआरपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान लिया गया था। इसके पांच दिनों बाद उसकी मौत हो गई थी।

पांच बड़ी कंपनियों के मसालों के सैंपल फेल

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एमडीएच और एवरेस्ट सहित पांच बड़ी कंपनियों के मसालों के सैंपल की जांच करवाई थी जिसमें वह फेल हो गए। इन मसालों में कीटनाशक निर्धारित मात्रा से ज्यादा मिला है। विभाग ने मसालों के स्टाक को सीज करने का निर्णय लिया है।

विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि अभियान के तहत बड़ी कंपनियों के मसालों के कुल 93 नमूने लिए गए थे। सेंट्रल लैब की जांच में इन मसालों में पेस्टिसाइड और इंसेक्टिसाइड (कीटनाशक)की मात्रा काफी अधिक मिली है। प्रदेश के सभी जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र लिखकर गुणवत्तापूर्ण नहीं पाए गए मसालों को सीज करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एमडीएच मसालों की फैक्ट्री हरियाणा, एवरेस्ट और गजानंद मसालों की फैक्ट्री गुजरात में होने के कारण वहां के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को भी कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखे गए हैं।

****

इजरायल का शरणार्थियों पर फिर हमला, 23 की मौत

विरोध में स्पेन ने की अंतराष्ट्रीय न्यायालय में जाने की घोषणा

फलस्तीन के गाजा पट्टी में नुसिरत शरणार्थी शिविर में इजरायल बमबारी के बाद बिखरा खून। यहां संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित स्कूल को इजरायली बलों ने निशाना बनाया। एपी

यरुशलम, एपी : इजरायल के हवाई और जमीनी हमलों में गाजा के मध्य और दक्षिण भागों में कई बच्चों समेत 23 लोग मारे गए हैं। ये हमले गुरुवार-शुक्रवार की रात हुए हैं। इससे करीब 24 घंटे पहले नुसीरत में संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित स्कूल के भवन पर हमले में 33 लोग मारे गए थे। सभी मृतक स्कूल भवन में शरण लिए हुए थे।

इजरायल के ताजा हमले नुसीरत और मेघाजी के शरणार्थी शिविरों पर हुए हैं। इन हमलों में चार बच्चों और एक महिला समेत 18 लोग मारे गए हैं। इसके अतिरिक्त रफाह में हुई गोलाबारी में पांच लोग मारे गए हैं। जबकि इजरायल ने कहा है कि दो दिनों में उसके हमलों में दर्जनों फलस्तीनी आतंकी मारे गए हैं। ये आतंकी स्कूल भवन और आमजनों के बीच छिपकर रह रहे थे। लेकिन गाजा में आमजनों पर हो रहे लगातार हमलों से इजरायल को लेकर अंतरराष्ट्रीय विरोध बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को स्पेन ने घोषणा की कि वह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में गाजा में नरसंहार रोकने की दक्षिण अफ्रीका की अर्जी में सहयाची बनेगा। जबकि अमेरिका ने कहा है कि इजरायल अपने हमलों में पारदर्शिता दिखाए और आमजनों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए कार्रवाई करे। इस बीच इजरायल ने आमजनों पर हमलों से इन्कार किया है। गाजा में आठ महीनों से जारी इजरायली हमलों में अभी तक कुल 36,731 लोग मारे जा चुके हैं।

स्वीडिश पुलिस ने 19 फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

कोपेनहेगन, एपी : स्वीडिश पुलिस ने शुक्रवार को प्रख्यात तकनीकी शिक्षा व अनुसंधान संस्थान रायल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में मोर्चाबंदी करने वाले 19 फलस्तीन समर्थक कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। स्टाकहोम में पुलिस ने दो घंटे की मशक्कत के बाद नकाबपोश कार्यकर्ताओं को बाहर निकाला। उन पर अतिक्रमण करने का मुकदमा चलाया जा सकता है। दोपहर के करीब समर्थकों ने संस्थान के छात्र भवन (केटीएच) के प्रवेश द्वार को कुर्सियों और मेजों से बंद कर दिया। कुछ लोगों ने फ्री फलस्तीन के नारे लगाए व खिड़कियों पर फलस्तीनी झंडे लटका दिए। पुलिसकर्मियों ने छात्र भवन पर कब्जा जमाए लोगों को निकाला। पिछले हफ्ते भी पुलिस ने कुछ फलस्तीन समर्थकों को हिरासत में लिया था।

हाउती ने संरा के नौ कर्मियों को बंदी बनाया

दुबई, एपी : संयुक्त राष्ट्र के यमन में तैनात नौ कर्मियों समेत कई लोगों को हाउती विद्रोहियों ने बंदी बना लिया है। बंदी बनाए गए सभी कर्मी यमनी मूल के हैं। संयुक्त राष्ट्र कर्मियों को किन हालात में बंदी बनाया गया और उन्हें कहां रखा गया है, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

> आर्थिक तंगी के चलते विद्रोही गुट के कृत्य का अनुमान

यमन के बड़े इलाके पर कब्जा किए हाउती विद्रोही गाजा में इजरायली हमले के विरोध में बीते सात माह से लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर हमले कर रहे हैं। अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व वाला गठबंधन भी इन हमलों को रोक पाने में सफल नहीं हो पाया है, लेकिन इस दौरान अमेरिका व ब्रिटेन ने यमन में हाउती के कब्जे वाले इलाकों पर लगातार हवाई हमले किए हैं। माना जा रहा है कि इस कारण आर्थिक तंगी महसूस कर रहे हाउती ने संयुक्त राष्ट्र कर्मियों पर हमला कर दबाव बनाने की कोशिश की है। चंद रोज पहले हाउती के कथित न्यायालय ने सऊदी अरब समर्थक 44 लोगों को मौत की सजा सुनाई थी।

संयुक्त राष्ट्र के जो कर्मी बंदी बनाए गए हैं वे मानवाधिकार परिषद, विकास व खाद्य कार्यक्रम से जुड़े थे। एक विशेष दूत को भी बंदी बनाया गया है। बंदियों में एक महिला भी शामिल है। पर संयुक्त राष्ट्र ने इस घटनाक्रम पर अभी कोई बयान नहीं दिया है। पता चला है कि हाउती ने अमरान, होदेदा, सादा व सना प्रांत में तैनात कर्मियों को बंदी बनाया है।

अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचकर खुशी से झूम उठीं सुनीता विलियम्स

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद उल्लासित भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स। एपी

ह्यूस्टन, प्रेट्र : भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स जब गुरुवार को तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पहुंचीं तो वह खुशी से झूम उठीं। उनका एक वीडियो प्रसारित हो रहा है जिसमें वह डांस करते नजर आ रही हैं।

सुनीता ने सीएसटी-100 स्टारलाइनर से अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर के साथ बुधवार को अंतरिक्ष की उड़ान भरी थी। सुनीता इस मिशन की पायलट हैं जबकि विल्मोर इस मिशन के कमांडर हैं। नासा ने अपने इंटरनेट मीडिया हैंडल पर वीडियो साझा किया गया है, जिसमें सुनीता को आइएसएस डाकिंग क्षेत्र में सबसे पहले प्रवेश करते हुए दिखाया गया है, जहां सहकर्मियों ने उनका स्वागत किया।

स्टारशिप पृथ्वी पर वापस लौटा, परीक्षण सफल रहा

वाशिंगटन, रायटर : उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप राकेट गुरुवार को अंतरिक्ष से सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लौट आया। टेक्सास से प्रक्षेपण के मात्र 65 मिनट बाद राकेट ने हिंद महासागर में लैंडिंग की। चौथे प्रयास में स्टारशिप का यह परीक्षण मिशन पूरा हुआ। अप्रैल 2023 में पहले परीक्षण के दौरान ऊपर उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद राकेट में विस्फोट हो गया था। नवंबर में दूसरे प्रयास में अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद राकेट में विस्फोट हुआ था। इस वर्ष मार्च में तीसरे प्रयास में हिंद महासागर के ऊपर लगभग 64 किमी की दूरी पर वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान राकेट में विस्फोट हो गया।

रूस ने जासूसी के आरोप में फ्रेंच नागरिक को किया गिरफ्तार

मास्को, एएनआइ : रूस ने जासूसी के आरोप में एक फ्रेंच नागरिक को गिरफ्तार किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा, गिरफ्तार व्यक्ति और फ्रांस सरकार के बीच कोई संबंध नहीं है। यूक्रेन पर हमले के बाद से ही रूस और पश्चिमी देशों में तनाव की स्थिति है। इस दौरान पश्चिमी देशों के नागरिकों को रूस में पकड़ा गया है।

> राष्ट्रपति मैक्रों बोले, सरकार व गिरफ्तार व्यक्ति के बीच संबंध नहीं

मैक्रों ने कहा कि वह फ्रांस के लिए काम नहीं कर रहा था। अब हम बहुत सतर्क हैं। उसे इस प्रकार के मामलों में मिलने वाली सभी कांसुलर सुरक्षा प्रदान की जाएगी। रूसी जांच समिति के अनुसार, गैर-लाभकारी संस्था में नौकरी करने वाले फ्रेंच नागरिक के सैन्य खुफिया जानकारी एकत्रित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जांच समिति द्वारा जारी वीडियो में सेना के वाहन में ले जाने से पहले सुरक्षाकर्मी मास्को के कैफे में उसे पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूसी जांच समिति ने आरोप लगाया कि फ्रेंच नागरिक कई साल से रूस की सेना और सैन्य तकनीकी गतिविधियों की खुफिया जानकारी एकत्रित कर रहा था। इस कारण उसने मास्को समेत रूस की कई बार यात्रा की और रूस के नागरिकों के साथ बैठकें कीं।

मोदी के साथ संदेशों के आदान-प्रदान पर चीनी विरोध अनुचित : ताइवान

नई दिल्ली, प्रेट्र : ताइवान ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत पर चीन की नाराजगी अनुचित है क्योंकि धमकियों एवं डराने-धमकाने से दोस्ती कभी नहीं बढ़ती।

> कहा, इस प्रकार की धमकियों और डराने-धमकाने से दोस्ती कभी नहीं बढ़ती
>
> अमेरिका ने कहा, ऐसे बधाई संदेश राजनयिक कामकाज का सामान्य तरीका

ताइवान के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर यह भी कहा, कि ताइवान भारत के साथ पारस्परिक लाभ और साझा मूल्यों पर आधारित साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने भी कहा कि इस तरह के बधाई संदेश राजनयिक कामकाज का सामान्य तरीका है। गौरतलब है कि आम चुनावों में जीत हासिल करने पर प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर के नेताओं ने बधाई और शुभकामना संदेश भेजे हैं। इसी क्रम में ताइवान के राष्ट्रपति लाई ने भी मोदी को बधाई दी थी। उन्होंने अपने संदेश में कहा था कि ताइवान भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने एवं व्यापार, तकनीक व अन्य क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने की इच्छा रखा है, ताकि हिंद प्रशांत क्षेत्र की शांति एवं समृद्धि में योगदान दिया जा सके। जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति लाई को धन्यवाद देते हुए पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक एवं तकनीकी साझेदारी की दिशा में काम करने के लिए संबंधों को घनिष्ठ बनाने की इच्छा जताई थी। संदेशों के इसी आदान-प्रदान पर चीन ने आपत्ति व्यक्त की थी और दोहराया था कि ताइवान चीन का अभिन्न हिस्सा है। साथ ही भारत को याद दिलाया था कि वह एक चीन के सिद्धांत को समर्थन देता रहा है इसलिए उसे ताइवान की चालों में नहीं फंसना चाहिए।

रूस की संप्रभुता पर खतरा दिखा तो परमाणु हमले से परहेज नहीं

सेंट पीटर्सबर्ग, एपी : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि उन्हें फिलहाल रूस की संप्रभुता पर कोई खतरा दिखाई नहीं दे रहा है। अगर कभी रूस को ऐसा खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से परहेज नहीं करेगा। इसके लिए पश्चिमी देशों को निशाना बनाने वाले हथियार अविलंब निर्धारित स्थलों पर तैनात कर दिए जाएंगे।

> लेकिन फिलहाल ऐसा खतरा नजर नहीं आ रहा : पुतिन

पुतिन ने यह बात अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच की सेंट पीटर्सबर्ग में हो रही बैठक में कही है। उन्होंने कहा, परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की स्थिति बेहद असामान्य मामलों में बनती है। उन्हें विश्वास है कि ऐसी स्थिति कभी नहीं बनेगी। इससे पहले पुतिन साफ कर चुके हैं कि पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को भेजे जा रहे हथियार अगर उसकी संप्रभुता के लिए खतरा बनते हैं तो रूस परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से नहीं हिचकेगा और ऐसे में वैश्विक अस्थिरता का खतरा पैदा हो जाएगा।

बाइडन ने जेलेंस्की से जताया खेद : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन को हथियार व अन्य मदद मिलने में हो रही देरी के लिए यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की से खेद जताया है। बाइडन ने कहा, अमेरिकी संसद से स्वीकृति में विलंब के चलते यूक्रेन को मदद मिलने में देर हो रही है। ज्ञात हो, हथियारों और गोला-बारूद की कमी के चलते रूसी सेना के सामने यूक्रेनी सेना को युद्ध में पीछे हटना पड़ रहा है। दोनों नेता पेरिस में शुक्रवार को मिले थे।

नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में आयोजित हुआ योग सत्र

काठमांडू, एएनआइ : काठमांडू में भारतीय दूतावास की ओर से शुक्रवार को पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में योग सत्र का आयोजन किया गया। एक्स पोस्ट में दूतावास की ओर से कहा गया कि यह आयोजन योग के संबंध में जागरूकता बढ़ाने और आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में किया गया था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य विश्व स्तर पर योग करने से होने वाले लाभ के बारे में लोगों को जागरूक करना है। योग के संबंध में प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महासभा के 69वें सत्र के उद्घाटन के दौरान अपने संबोधन में पेश किया था। उन्होंने कहा था कि योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। योग केवल व्यायाम नहीं है। यह स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की खोज का एक तरीका है।

सहपाठी को बचाने के प्रयास में रूस में चार भारतीय मेडिकल छात्र नदी में डूबे

मास्को, प्रेट्र : रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास तेज बहाव वाली वोल्खोव नदी में डूबने से चार भारतीय मेडिकल छात्रों की मौत हो गई। वे अपनी सहपाठी को बचाने के प्रयास में डूब गए। मरने वाले सभी छात्र हर्षल अनंतराव देसाले, जिशान अशपाक पिंजारी, जिया फिरोज पिंजारी और मलिक गुलामगौस मोहम्मद याकूब महाराष्ट्र के जलगांव के रहने वाले थे। वे नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। स्थानीय लोगों ने छात्रा निशा भूपेश सोनावणे को बचा लिया। अब तक नदी से दो शव निकाले गए हैं। मरने वालों की उम्र 18 से 20 वर्ष के बीच थी।

> रूस के सेंट पीटर्सबर्ग के पास हुआ हादसा, एक भारतीय छात्रा अस्पताल में भर्ती
>
> हादसे में जान गंवाने वाले सभी छात्र महाराष्ट्र के जलगांव जिले के रहने वाले थे

जिशान व जिया जलगांव के अमलनेर के रहने वाले थे और रिश्ते में भाई-बहन थे। हर्षल जिले के भडगांव के निवासी थे। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सेंट पीटर्सबर्ग में भारतीय वाणिज्य दूतावास, विश्वविद्यालय और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और हर संभव मदद प्रदान की जा रही है। दुर्घटना के बाद भारतीय दूतावास ने छात्रों को समुद्र तटों, नदियों, झीलों, तालाबों और अन्य ऐसे स्थानों पर जाने पर अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह जारी की है।

परिवार के सदस्यों के आंखों के सामने डूबे छात्र : जिशान के परिजन ने बताया कि सभी छात्र शाम को खाली समय में नदी के किनारे टहल रहे थे। अचानक वे नदी में प्रवेश कर गए। नदी में खड़े होकर जिशान ने उन्हें वीडियो काल किया था। उसके पिता और परिवार के अन्य लोग जिशान और सभी छात्रों से पानी से बाहर निकलने को कह रहे थे, तभी तेज लहर उन्हें बहा ले गई। यह परिवार के लिए एक विनाशकारी क्षण था, क्योंकि उनके बच्चे उनकी आंखों के सामने डूब गए।

न्यूज गैलरी

पाकिस्तान में सुरक्षा अभियान में पांच आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सुरक्षा अभियान में पांच आतंकी मारे गए। सुरक्षा बलों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में गुरुवार को अभियान चलाया और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के पांच आतंकियों को मार गिराया। प्रांत के लक्की मारवात जिले में आतंकियों ने आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) के अधिकारी की जान ले ली थी। (आइएएनएस)

रोमानिया में डीआइवाई स्टोर में विस्फोट से 13 घायल

बुखारेस्ट : उत्तर-पूर्वी रोमानिया के एक चेन होम इम्प्रूवमेंट स्टोर में हुए विस्फोट में 13 लोग घायल हो गए, जिनमें एक की स्थिति गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि सुसेवा काउंटी के बोटोसानी शहर में घटनास्थल पर एक मोबाइल आइसीयू वाहन भेजा गया है। आग बुझाने के लिए दो दमकल गाड़ियों के साथ दो एंबुलेंस भेजे गए हैं। स्टोर के भीतर तलाशी एवं बचाव अभियान चलाया गया। (एपी)

अगले सप्ताह हवाना पहुंचेंगे रूसी युद्धपोत

हवाना : क्यूबा ने कहा है कि अगले सप्ताह चार रूसी युद्धपोत हवाना पहुंचेंगे। इनमें से एक परमाणु पनडुब्बी है। क्यूबाई अफसरों ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों और रूस के साथ जारी युद्ध में यूक्रेन को पश्चिम के सैन्य समर्थन के कारण बढ़ते तनाव का उल्लेख किया। क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि रूसी पोत 12 से 17 जून तक हवाना में रहेंगे। (एपी)

शहबाज ने चीन के राष्ट्रपति चिनफिंग से मुलाकात की

बीजिंग : चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को हुई मुलाकात में रणनीतिक सहयोग को गहरा करने के संबंध में चर्चा की। बीजिंग और इस्लामाबाद नरेन्द्र मोदी के पीएम के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए रविवार को होने वाले शपथ ग्रहण पर गहरी दृष्टि रखेंगे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सार्क सदस्य देशों के नेता भाग लेंगे, अकेला पाकिस्तान इससे दूर रहेगा। (प्रेट्र)

नेपाल ने भारत सहित 11 देशों से अपने राजदूत बुलाए

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल की सरकार ने भारत और अमेरिका समेत 11 देशों से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। इनमें नेपाली कांग्रेस कोटा के तहत नियुक्त राजदूत भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के नेपाली कांग्रेस से अपना गठबंधन तोड़ केपी शर्मा ओली के साथ हाथ मिलाने के तीन महीने बाद यह कदम उठाया गया है।

समाचारपत्र काठमांडू पोस्ट के अनुसार, उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की कड़ी आपत्ति के बावजूद सरकार ने गुरुवार को भारत में नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा समेत अन्य राजदूतों को बुलाया। यह कदम रविवार को नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए प्रचंड की नई दिल्ली यात्रा के पहले उठाया गया है। विदेश मंत्रालय के कई अधिकारियों ने कहा कि इस तरह का कदम घोर अराजनयिक संदेश देने वाला है। विदेश मंत्री श्रेष्ठ ने प्रचंड और ओली से इन राजदूतों को नहीं बुलाने को कहा था।

भारत में नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा (फाइल)। साभार : काठमांडू पोस्ट

पाकिस्तान के पंजाब विधानसभा में पंजाबी में बोलने का अधिकार मिला

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान के पंजाब विधानसभा में अब विधायकों को पंजाबी सहित चार स्थानीय भाषाओं में बोलने का अधिकार मिल गया है। इसे लेकर एक संशोधन को मंजूरी दी गई है। स्पीकर मलिक मोहम्मद अहमद खान के नेतृत्व में पंजाब विधानसभा की विशेष समिति ने गुरुवार को इस संशोधन को मंजूरी दी।

इसमें अंग्रेजी, उर्दू के अलावा पंजाबी, सरायकी, पोटोहारी व मेवाती में सदन को संबोधित करने का अधिकार दिया गया है। इससे पहले अगर किसी शख्स को उर्दू और अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा में बोलना होता था, तो उन्हें स्पीकर से मंजूरी लेने की जरूरत पड़ती थी। हमेशा इसे लेकर मंजूरी नहीं मिल पाती थी। अहमद खान ने कहा, आधिकारिक कार्यवाही में क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करना पंजाब की भाषाई विरासत के प्रति सांस्कृतिक सम्मान और स्वीकार्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन विधायकों को विधायी चर्चाओं में प्रभावी ढंग से भाग लेने में सक्षम बनाएगा।

इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट के सामने केजरीवाल के केस का दिया हवाला

इस्लामाबाद, प्रेट्र : जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शीर्ष कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के केस का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि भारत में हुए आम चुनाव के दौरान अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने के लिए केजरीवाल को जमानत दी गई थी, लेकिन पाकिस्तान में उन्हें दमन का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान उन्होंने अपने साथ जेल में हुए दुर्व्यवहार की भी शिकायत की। वह गुरुवार को पांच सदस्यी पीठ के सामने पेश हुए थे, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश काजी फैज इसा ने की थी। वह राष्ट्रीय जवाबदेही अध्यादेश (एनएओ) में संशोधन से संबंधित एक मामले में सुनवाई में शामिल हुए थे। इमरान खान ने कहा कि अप्रैल 2022 में सरकार से हटाए जाने के बाद से ही उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

> बोले, केजरीवाल को अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए दी गई जमानत
>
> चुनाव में शामिल होने से रोकने के लिए मुझे पांच दिनों में दोषी ठहराया गया

इमरान खान। फाइल

इमरान ने कहा, पाक में आठ फरवरी को हुए चुनाव से दूर रखने के लिए उन्हें पांच दिनों के भीतर ही दोषी करार दे दिया गया था। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा सरकार की ओर से केस की सुनवाई के लाइव प्रसारण की अपील खारिज करने के कोर्ट के फैसले पर भी निराशा जताई।

'वास्तविक शक्ति जिनके पास, उन्हीं से करूंगा बात'

इस्लामाबाद, प्रेट्र : इमरान ने शुक्रवार को कहा, वह बातचीत सिर्फ उन्हीं लोगों से करेंगे, जिनके पास देश में वास्तविक शक्ति है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक ने अल कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल में पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, सरकार में शामिल दलों के पास ताकत नहीं है। उन्होंने मुशर्रफ काल के दौरान शौकत अजीज के साथ भी बात नहीं की थी। मैंने केवल मुशर्रफ के प्रतिनिधि से बात की थी। वहीं, पूर्वी पाकिस्तान के अलग होने के बारे में किए गए पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर कहा, हां पोस्ट की पर वीडियो के बारे में कोई जानकारी नहीं है, जिसके लिए संघीय जांच एजेंसी उनकी और उनकी पार्टी के नेताओं की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय फलक

झारखंड में जिसे मृत समझ दफना दिया गया वह 20 दिनों के बाद जिंदा लौटी

दीपक ● जागरण

गढ़वा : झारखंड के गढ़वा जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिस 19 वर्षीय युवती काजल बानो को मृत समझ दफना दिया गया था वह 20 दिनों बाद जिंदा घर लौटी। उसे देख कर माता-पिता भौंचक रह गए। पुलिस ने कड़ी से कड़ी मिलाते हुए पूरी कहानी बताई तो सच्चाई सामने आ गई। घर में खुशियां लौट आईं। माता-पिता ने युवती को गले लगा लिया।

दरअसल, गढ़वा जिले के भंडरिया थाना क्षेत्र के चिरैयाटांड जंगल से 15 मई को पुलिस ने एक युवती का क्षत-विक्षत शव बरामद किया। शव की पहचान भंडरिया निवासी असगर अली ने बेटी काजल बानो के रूप में की थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया। असगर ने शव दफना दिया।

> जंगल में मिले शव को अपनी बेटी के रूप में की थी पहचान

घर लौटी काजल बानो।

> छह महीने से गायब काजल बेंगलुरु में कर रही थी काम

दरअसल, छह माह पहले काजल भंडरिया के जोगियामठ मेले में जाने की बात कहकर घर से निकली थी। वह घर नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद भी काजल का कोई अता-पता नहीं चला तो असगर ने भंडरिया थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इस बीच 15 मई को पुलिस ने जंगल से एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया। असगर ने शव के अंगों पर निशान के माध्यम से उसकी पहचान काजल बानो के रूप में की थी।

युवती के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस को किसी से सूचना मिली कि काजल जिंदा है। वह बेंगलुरु चली गई है और सहेलियों के साथ किसी कंपनी में काम कर रही है। इसके बाद पुलिस ने काजल को भंडरिया बुलाया। उसे लेकर उसके घर गए। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद स्वजन को सौंप दिया।

उलझ गई शव की गुत्थी : काजल के जिंदा मिलने के बाद 15 मई को जंगल से बरामद युवती के शव की पहचान की गुत्थी उलझ गई है। आखिर वह शव किसका था? पुलिस के लिए पता लगाना बड़ी चुनौती बन गई है। भंडरिया थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा, उसकी भी पहचान जल्द हो जाएगी। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।

बिहार में एकतरफा प्रेम में युवक ने सगी बहनों को चाकू से गोदा

जागरण संवाददाता, पटना : बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार को एकतरफा प्रेम में युवक ने दिनदहाड़े घर में घुसकर सगी बहनों को चाकू से गोद दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद वह भाग निकला। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों बहनों को उपचार के लिए पटना मेडिकल कालेज अस्पताल (पीएमसीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी है।

आरोपित 37 वर्षीय गोविंद शादीशुदा है और ई-रिक्शा चलाता है। पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दिनेश कुमार पांडेय ने बताया कि एक दिन पहले दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक हुई थी। आरोपित की तलाश में छापेमारी जारी है।

बिहार में शराब तस्करों ने दो जवानों को मारी गोली, गंभीर

जागरण संवाददाता, जयनगर (मधुबनी)

बिहार के मधुबनी में बेखौफ शराब तस्करों ने पुलिस के दो जवानों को गोली मार दी। इसके बाद वह फरार हो गए। घटना शुक्रवार की रात करीब आठ बजे उस समय हुई, जब पुलिस टीम ने करीब 12 किलोमीटर तक शराब तस्करों का पीछा किया। गंभीर रूप से घायल दोनों जवानों को स्थानीय लोगों के सहयोग से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने गंभीर स्थिति को देखते हुए घायलों को दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। घायल जवानों की पहचान महमूद आलम और राहुल सिंह के रूप में हुई है। महमूद के सिर और राहुल सिंह के पैर में गोली लगी है। डीएसपी विप्लव कुमार ने बताया कि शराब तस्करों का पीछा कर रहे जयनगर थाने के दो जवानों को घात लगाए बदमाशों ने गोली मार दी। बदमाशों व तस्करों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

> पुलिस टीम ने करीब 12 किलोमीटर तक शराब तस्करों का पीछा किया

जानकारी के अनुसार जयनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ शराब तस्कर नेपाल से शराब लेकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर अन्य जगह भेजने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम के महमूद आलम व राहुल कुमार ने अन्य के सहयोग से शराब तस्करों को पकड़ने के लिए बाइक से पीछा शुरू किया। इसी दौरान शराब तस्करों ने पीछा कर रहे जवानों पर तीन राउंड फायरिंग की। इससे पुलिस टीम के दोनों जवान गंभीर रूप से घायल हो गए।

****

महामुकाबले का 'विराट' खिलाड़ी

कमजोर पाकिस्तान के लिए कोहली से निपटना आसान नहीं, कल भारत और पाकिस्तान के बीच होगी सबसे बड़ी भिड़ंत

अभिषेक त्रिपाठी, न्यूयार्क से

डलास में अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में मिली हार के बाद टुकड़ों में बंटी पाकिस्तानी टीम बुरी तरह से कराह रही है। उसे न्यूयार्क में रविवार को होने वाले टी-20 विश्व कप के महामुकाबले में भारतीय टीम से भिड़ना है। पाकिस्तानी टीम एक और हार बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि इस पराजय के बाद उसका दूसरे दौर में पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाएगा। कुछ समय पहले रैंकिंग में पहले पायदान पर रही पाकिस्तानी टीम में कप्तान बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के दो खेमे हैं। यही कारण है कि उसे हाल ही में आयरलैंड से हार का सामना करना पड़ा था और गुरुवार को अपना पहला विश्व कप खेल रही मेजबान अमेरिकी टीम से मुंह की खानी पड़ी। जब वह नसाऊ काउंटी के आइजनहावर पार्क में बने अस्थायी स्टेडियम में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के विरुद्ध उतरेंगे तो उनके सामने एक ऐसा विराट खिलाड़ी होगा जिससे पार पाना उनके लिए आसान नहीं होगा।

वनडे और टी-20 मिलाकर अब तक जितने भी विश्व कप में ये दोनों टीमें आपस में भिड़ी हैं उसमें सिर्फ एक बार 2021 में दुबई में हुए टी-20 विश्व कप में विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को पराजय का सामना करना पड़ा था। भारत ने आठ बार वनडे विश्व कप और छह बार टी-20 विश्व कप में पड़ोसी देश की टीम को हराया है। इस विश्व कप में बाबर आजम की कप्तानी में उतरी पाकिस्तानी टीम इस देश को अब तक की सबसे कमजोर टीम नजर आ रही है, वहीं रोहित की कप्तानी में आयरलैंड के विरुद्ध अपना पहला मैच जीत चुकी भारतीय टीम फुल फार्म में है। पहली बार 20 टीमों के साथ अमेरिका और वेस्टइंडीज में हो रहे इस विश्व कप के ग्रुप-ए में भारत, पाक के अलावा आयरलैंड, अमेरिका और कनाडा हैं। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान को हरा देती है तो उसका दूसरे दौर में पहुंचना लगभग तय हो जाएगा।

विराट के सामने परेशान होते हैं पाकिस्तानी गेंदबाज: विराट पांच टी-20 विश्व कप में इस टीम के विरुद्ध खेले हैं जिसमें चार बार वह अविजित रहे हैं। उन्होंने इस दौरान चार अर्धशतकों के साथ 308 रन बनाए हैं। पाकिस्तान की अपनी तेज गेंदबाजी के लिए जाना जाता है। यह टीम इस बार भी शाहीन, नसीम शाह और हारिस रऊफ के अलावा मोहम्मद आमिर को लेकर आई है। ये वही आमिर हैं, जिन्होंने लंदन में 2017 में चैंपियंस ट्राफी के फाइनल में लगातार दो गेंदों में कोहली को दो बार शिकार बनाया था। एक गेंद पर कोहली का पहली स्लिप कैच छूटा तो अगली ही बैक आफ लेंथ गेंद पर वह कैच आउट हो गए। विराट की कप्तानी में पहला आइसीसी टूर्नामेंट खेल रही भारतीय टीम वह मैच 180 रनों से हारी थी। पाकिस्तान ने पहली बार किसी आइसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भारत को हराया था। हालांकि तब आमिर 25 साल के थे और अब वह दोबारा संन्यास के बाद वापसी करके इस विश्व कप में उतरे हैं। उन्होंने अमेरिका के विरुद्ध पिछले मैच में सुपर ओवर में वाइड के सात रन देकर अपनी टीम की हार को पक्का लिखी है। विराट इस बार कप्तान रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कर रहे हैं। उन्हें नई गेंद से गेंदबाजी करने वाली आमिर और शाहीन की जोड़ी को खेलने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। हालांकि यहां की पिच उतनी अच्छी नहीं है। वह पिछले मैच में भले ही एक रन पर आउट हो गए थे लेकिन आइपीएल में उन्होंने सीजन की शुरुआत करते हुए 700 से ज्यादा रन बनाकर आरेंज कैप हासिल की थी।

कौन भूल सकता है मेलबर्न की पारी: 2022 में मेलबर्न क्रिकेट मैदान में पाकिस्तान ने शान मसूद (52) और इफ्तिखार अहमद (51) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 76 रनों की साझेदारी की बदौलत 159 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने पावरप्ले में ही केएल राहुल, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव के विकेट गंवा दिए और ऐसा लग रहा था कि यहां पर भी दुबई की कहानी दोहराई जाएगी। भारत ने 11वें ओवर तक चार विकेट के नुकसान पर सिर्फ 54 रन बनाए थे लेकिन विराट अपनी कप्तानी में चैंपियंस ट्राफी फाइनल और दुबई में मिली हार का बदला लेने को आतुर थे। भारत को आखिरी 18 गेंद पर 48 रन चाहिए थे। विराट ने पाकिस्तान के मुख्य गेंदबाज अफरीदी और रऊफ को खूब मारा। एक समय भारत को आठ गेंद पर 28 रन चाहिए थे। कोहली ने रऊफ पर एक सीधा छक्का मारा। शायद वह कोहली की जिंदगी का सबसे बेहतरीन शाट है। गिल्लियों की ऊंचाई पर आने वाली लेंथ गेंद पर उन्होंने सीधे बल्ले से गेंदबाज के सिर के ऊपर छक्का मार दिया। उन्हें पता था कि रऊफ अगली गेंद लंबी फेंकेंगे। कोहली ने थोड़े से पैर हिलाए और कलाइयों के सहारे फाइन लेग पर छक्का मारकर भारतीयों को बल्लियों उछलने का मौका दे दिया। भारत को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे। हार्दिक, नवाज की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। अगली गेंद पर दिनेश कार्तिक ने एक रन लिया। कोहली ने डीप स्कवायर लेग पर छक्का मारा और अंपायर की तरफ देखकर पूछा क्या ये नोबाल नहीं है? अंपायर ने नोबाल दी। अगली गेंद वाइड हुई। फ्री हिट पर वह बोल्ड हुए और भारत ने दौड़कर तीन रन लिए। दो गेंद पर दो रन बचे। अगली गेंद पर दिनेश कार्तिक स्टंप हो गए। नवाज ने अगली गेंद पर कार्तिक की तरह ही अश्विन को फंसाने की कोशिश की कि वह भी लेग स्टंप से बाहर जाकर खेलेंगे लेकिन उन्होंने गेंद को देखा और छोड़ दिया। वाइड का एक रन मिला और इसके बाद अश्विन ने आखिरी गेंद पर एक रन लेकर जीत दिला दी। विराट की यह शानदार पारी पाकिस्तानी के विरुद्ध भारतीय बल्लेबाजों की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है।

विराट कोहली • फाइल फोटो, एएफपी

308 का औसत है विराट का पाकिस्तान के विरुद्ध टी-20 विश्व कप में

टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के विरुद्ध विराट का प्रदर्शन

2012, श्रीलंका: विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टी-20 विश्व कप मुकाबला साल 2012 में खेला था। श्रीलंका के कोलंबो में हुए इस मैच के दौरान पाकिस्तान की टीम 128 रन पर ही आलआउट हो गई थी। इस मैच में विराट ने 61 गेंदों पर नाबाद 78 रन की पारी खेली थी। भारत ने 17वें ओवर में ही मैच जीत लिया था।

2014, बांग्लादेश: ढाका में हुए मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 130 रन ही बना पाई। विराट ने 32 गेंद पर नाबाद 36 रन बनाकर मैच को टीम इंडिया के पाले में कर दिया।

2016, भारत: कोलकाता में खेले गए इस मैच में पाकिस्तान की टीम 18 ओवरों में 118 रन ही बना पाई। विराट ने मैच में 37 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाकर भारत को 13 गेंद बाकी रहते ही जीत दिला दी थी।

2021, संयुक्त अरब अमीरात: दुबई में 49 गेंदों पर 57 रनों की पारी खेली। वह पहली बार टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ आउट हुए। इस मैच में भारत को किसी भी क्रिकेट विश्व कप में पहली बार पड़ोसी देश से हार का सामना करना पड़ा।

2022, आस्ट्रेलिया: मेलबर्न में इस भारतीय बल्लेबाज ने हारे हुए मैच में 53 गेंदों पर नाबाद 82 रन की पारी खेल कर पड़ोसी देश के गेंदबाजों के छक्के छुड़ा दिए। वह पाकिस्तान के जबड़े से जीत को छीनकर ले आए

पाकिस्तान के विरुद्ध महामुकाबले को तैयार पांड्या

न्यूयार्क: हार्दिक पांड्या पाकिस्तान के विरुद्ध टी-20 विश्व कप के आगामी महामुकाबले को 'जंग' की तरह नहीं देखते लेकिन भारतीय हरफनमौला उस प्रतिद्वंद्वी का सामना करने को बेताब है, जिसके विरुद्ध उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच टक्कर रविवार को होगी और पांड्या चिर प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध पिछली सफलता दोहराना चाहेंगे। पांड्या ने कहा, 'मैं बड़े मैचों में खेलने को लेकर रोमांचित रहता हूं मुझे यह बहुत खास लगता है और पाकिस्तान ऐसी टीम है, जिसके विरुद्ध मैंने कई मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है।' पांड्या ने पाकिस्तान के विरुद्ध छह टी-20 मैच खेलकर 84 रन बनाए, लेकिन 7.5 की इकोनामी रेट से 11 विकेट लिए हैं। उन्होंने बीसीसीआइ से कहा, 'यह कोई जंग नहीं है, एक मैच ही है। भारत और पाकिस्तान के मैच हमेशा रोमांचक होते हैं। जज्बात का सैलाब उमड़ता है लेकिन मैं आशा करता हूं कि हम अनुशासित प्रदर्शन करेंगे और एक ईकाई के रूप में अपना लक्ष्य हासिल करेंगे। अगर ऐसा कर सके तो एक और दिन अच्छा होगा।'

कनाडा को टी-20 विश्व कप में मिली पहली जीत

न्यूयार्क, प्रेट्र : निकोलस किर्टन की शानदार पारी के बाद गेंदबाजों के दम पर कनाडा ने आयरलैंड को 12 रन से हराकर टी-20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। शुक्रवार को न्यूयार्क के अस्थायी नसाऊ काउंटी स्टेडियम में किर्टन ने 35 गेंदों में 49 रन का पारी खेली, जिसकी मदद से कनाडा ने 137 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके बाद जर्मी गार्डन और डिलन हेलिंगर ने दो-दो विकेट लेकर आयरिश टीम को 125 रन पर रोक दिया। किर्टन को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

137 टी-20 विश्व कप में तीसरा न्यूनतम स्कोर है, जिसका कनाडा ने सफलतापूर्वक बचाव किया है। कनाडा टी-20 विश्व कप में कोई मैच जीतने वाली 22वीं टीम भी बन गई है। अब तक केवल केन्या और पापुआ न्यू गिनी ही ऐसी टीमें हैं, जिन्होंने कोई मैच नहीं जीता है। केन्या ने 2007 विश्व कप में दो मैच खेले थे और दोनों में उसे हार मिली थी। वहीं पापुआ न्यू गिनी 2021 और 2024 में पांच मैच खेल चुकी और पांचों में हारी है। इस हार के साथ ही आयरलैंड का अगले दौर में पहुंचना मुश्किल हो गया है। यह उसकी लगातार दूसरी हार है और वह ग्रुप में पांचवें स्थान पर है। आयरलैंड के लिए मार्क एडेयर ने 34 और जार्ज डाकरैल ने अविजित 30 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

आयरलैंड को 12 रन से हराया, किर्टन ने खेली शानदार पारी

निकोलस किर्टन • एपी

स्काटलैंड ने नामीबिया को पांच विकेट से हराया

ब्रिजटाउन, एपी: स्काटलैंड ने टी-20 विश्व कप में नामीबिया को पांच विकेट से हराकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया। नामीबिया ने नौ विकेट पर 155 रन बनाए और स्काटलैंड ने नौ गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान रिची बेरिंगटन ने 35 गेंद में अविजित 47 रन बनाए और पांचवें विकेट के लिए (माइकल लीस्क 17 गेंद में 35 रन) के साथ 74 रन की साझेदारी की। स्काटलैंड की चार टी-20 मैचों में नामीबिया पर यह पहली जीत है। स्काटलैंड को इंग्लैंड के विरुद्ध वर्षा के कारण रद हुए मैच से एक अंक मिला था। अब वह तीन अंक लेकर शीर्ष पर है। आस्ट्रेलिया और नामीबिया के दो अंक हैं। नामीबिया ने ओमान को पहले मैच में सुपर ओवर में हराया था।

चैंपियन इंग्लैंड के सामने अब आस्ट्रेलिया की चुनौती

ब्रिजटाउन, प्रेट्र: गत चैंपियन इंग्लैंड को आस्ट्रेलिया के विरुद्ध शनिवार को टी-20 विश्व कप ग्रुप बी के मैच में अपनी गेंदबाजी में सुधार करना होगा। इंग्लैंड और स्काटलैंड के बीच पहला मैच वर्षा के कारण रद हो गया था। इससे इंग्लैंड की गेंदबाजी की कमजोरी उजागर हुई। ऐसे में डेविड वार्नर और मार्कस स्टोइनिस जैसे खतरनाक आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उन पर आसानी से दबाव बना सकते हैं। एक बार फिर जोफ्रा आर्चर पर फोकस होगा। आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी में एकमात्र कमजोर कड़ी ग्लेन मैक्सवेल का खराब फार्म है। आस्ट्रेलिया को इस मैच में उनके फार्म में लौटने की आशा होगी।

द. अफ्रीका का सामना नीदरलैंड्स से: दिन के अन्य मैच में दक्षिण अफ्रीका ने का सामना नीदरलैंड्स से होगा, जिसने पिछले वर्ष उसे वनडे विश्व कप में हराया था।

न्यूजीलैंड अभियान की शुरुआत अफगानिस्तान के विरुद्ध करेगी। कीवी टीम अफगानिस्तान को हल्के मे लेने की भूल नहीं कर सकती है। दिन के चौथे मुकाबले में श्रीलंका और बांग्लादेश बीच भिड़ंत होगी।

डलास में 'भारतीयों' ने लिखी पाकिस्तान की हार की पटकथा

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

न्यूयार्क: पहली बार टी-20 विश्व कप खेल रही अमेरिकी टीम ने अपने दूसरे ही मैच में 2009 की चैंपियन और 2022 में उपविजेता रही पाकिस्तानी टीम को सुपर ओवर में पटखनी देकर सनसनी मचा दी। इस ऐतिहासिक जीत में भारतीय मूल के खिलाड़ियों को अहम योगदान रहा, जिनकी बदौलत क्रिकेट का ककहरा सीख रहे अमेरिका ने पाकिस्तान जैसी दिग्गज टीम को धूल चटाई। इनमें से कई क्रिकेटर प्रथम श्रेणी में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद बेहतर मौके की तलाश में अमेरिका पहुंचे तो कुछ क्रिकेट में एक और अवसर चाहते थे।

करियर बनाने अमेरिका पहुंचे मोनांक: अमेरिका की कप्तानी कर रहे मोनांक पटेल ने पाकिस्तान के विरुद्ध अर्धशतकीय पारी खेली और वह इस विश्व कप में पचासा जड़ने वाले रोहित शर्मा के बाद दूसरे कप्तान भी बन गए। मोनांक को उनकी पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। अहमदाबाद में जन्में मोनांक उन चुनिंदा लोगों में से हैं, जिन्हें भारत में अवसर नहीं मिला तो क्रिकेट में करियर बनाने के लिए अमेरिका में आकर बस गए। राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलने के दौरान वह सप्ताह में तीन दिन भारतवंशी बच्चों को क्रिकेट के गुर सिखाते थे और कोचिंग क्लीनिक चलाते थे। मोनांक के पिता दिलीप पटेल भी विकेटकीपर-बल्लेबाज थे और उन्हें गुजरात में जिला स्तर पर क्रिकेट खेला है। मोनांक ने भी 11 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था और आणंद जिले की अंडर-15 टीम में उनका चयन भी हो गया था। तब अपने प्रदर्शन से मोनांक ने गुजरात क्रिकेट संघ के मुख्य कोच अंशुमन गायकवाड़ का ध्यान भी खींचा, लेकिन दुर्भाग्य से वह गुजरात की सीनियर टीम में जगह नहीं बना सके। इसके बाद वह 2014 में अमेरिका आ गए और ग्रीन कार्ड लेकर न्यूजर्सी में बस गए। तब शायद मोनांक भी नहीं जानते होंगे कि 10 वर्ष बाद उन्हें अमेरिकी टीम की कप्तानी करने का अवसर मिलेगा।

नेत्रवलकर ने 14 साल बाद लिया हार का बदला: पाकिस्तान के विरुद्ध सुपर ओवर डालने वाले सौरव नेत्रवलकर ने इससे पहले मोहम्मद रिजवान और इफ्तिखार अहमद के विकेट लिए। सुपरओवर में भी उन्होंने केवल 13 रन दिए और टीम की जीत की पटकथा लिखी। मुंबई के रहने वाले नेत्रवलकर 2010 में अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे। तब पाकिस्तान ने क्वार्टर फाइनल में भारत को हराया था। अब 14 साल बाद उसी गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप में मिली हार का हिसाब इस तरह लिया। अंडर-19 विश्व कप के बाद नेत्रवलकर को कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने के बाद अमेरिका की कार्नेल यूनिवर्सिटी में एमएस करने के लिए छात्रवृत्ति मिली और वह पढ़ाई करने चले गए। हालांकि वह खुद को क्रिकेट से कभी अलग कर पाए और अमेरिकी क्रिकेट में हर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करके उन्होंने सुर्खियां बटोरी। क्रिकेट से इतर उन्हें सिलिकान वैली में ओरेकल के कार्यालय में देखा जा सकता है जहां वह सीनियर कर्मचारी हैं।

नोश्तुष केंजिगे ने स्क्वाश छोड़कर खेला क्रिकेट: तमिल मूल के अमेरिकी नोश्तुष केंजिगे ने पाकिस्तान के विरुद्ध तीन विकेट लिए। केंजिगे माता-पिता के साथ ऊटी छोड़कर अमेरिका आ बसे थे। 13 वर्ष की उम्र में स्पिनर बनने से पहले वह बाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज थे। जब वह 18 वर्ष के हुए तो उनके माता-पिता ने उन्हें बेंगलुरु भेज दिया, जहां उन्हें केएससीए का प्रथम डिविजन लीग खेला। उन्हें अहसास हो गया कि कर्नाटक की टीम में भी जगह बनाना मुश्किल है तो वह अमेरिका लौट आए। वाशिंगटन में नौकरी के दौरान वह स्क्वाश खेला करते थे और वहीं उन्हें न्यूयार्क में क्लब क्रिकेट के बारे में पता चला। उन्होंने नौकरी छोड़ी और आईसीसी के डब्ल्यूसीए डिविजन 4 में अमेरिका के लिये खेले।

टी-20 विश्व कप में अमेरिका की पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत में भारतीय मूल के खिलाड़ियों का अहम योगदान

मोनांक पटेल • सौरभ नेत्रवलकर • नोश्तुष केंजिगे •

नीतिश कुमार ने चौका जड़ बचाया मैच

अंतिम गेंद पर अमेरिका को पांच रन चाहिए थे और भारतीय मूल के नीतिश ने चौका जड़कर मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया। 2011 में जब भारत ने विश्व कप दिलाया तब स्कूल में पढ़ने वाले नीतिश कनाडा के लिए जिंबाब्वे के विरुद्ध 16 वर्ष 283 दिन की उम्र में वनडे विश्व कप खेलकर सबसे युवा होने का विश्व रिकार्ड बनाया था। 13 वर्ष बाद रऊफ की गेंद पर चौका उनके करियर का सबसे सुनहरा पल था।

नीतिश कुमार •

अमेरिका को कमतर आंकना पड़ा भारी

नई दिल्ली, जेएनएन : अमेरिका ने गुरुवार रात पाकिस्तान को हराकर इस टी-20 विश्व कप का सबसे बड़ा उलटफेर किया। पहली बार विश्व कप खेल रही अमेरिका ने पहले 159 रन के जवाब में 159 रन बनाकर मैच टाई कराया और फिर सुपरओवर में पाकिस्तान को पटखनी दे डाली। इस मुकाबले से पहले माना जा रहा था कि पाकिस्तान टीम को जीत दर्ज करने के लिए ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ेगा, लेकिन अमेरिका ने हर विभाग में उससे बेहतर कर 2009 की चैंपियन को चौंका दिया। इस मुकाबले में पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने अमेरिकी टीम के कमतर समझा और ये मैदान पर उसके खिलाड़ियों के रवैये से भी दिखा और यही भूल पाकिस्तानी टीम पर भारी पड़ी।

शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने खराब शाट खेलकर विकेट गंवाए और बाद में उसके विश्व स्तरीय गेंदबाज भी विकेट लेने के लिए जूझते दिखे तो क्षेत्ररक्षकों ने लचर फील्डिंग की। हार के बाद खुद कप्तान बाबर आजम ने माना की किसी भी टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ तैयारी जरूरी होती है। यह मानसिकता की बात है। सहयोगी देशों जैसी टीम के विरुद्ध आप चीजों को हलके में ले लेते हैं।

खुद कप्तान का ये बयान बताता है कि पाकिस्तानी टीम इस मैच को लेकर कितनी गंभीर थी। इसके साथ ही बाबर ने कप्तान के रूप में कई निर्णय लिए, जो उसे भारी पड़े। इनमें से आमिर से सुपर ओवर कराना भी एक है। आमिर ने वाइड से सात रन लुटाए। इसके अलावा खुद बाबर और रिजवान का सुपर ओवर में बल्लेबाजी करने न उतरना और उनकी जगह इफ्तिखार और फखर जमां को भेजा।

अमेरिका के विरुद्ध मुकाबले के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ी • फाइल फोटो, एएफपी

> पाकिस्तानी टीम ने इस मैच कई रणनीतिक गलतियां की, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। सुपर ओवर में जब बाएं हाथ का गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा था तब फखर जमां को स्ट्राइक लेनी चाहिए थी। कोई भी ऐसे बुरे दिन से सीख सकता है और मुझे उम्मीद है कि बाबर आजम और अन्य खिलाड़ी अब हर मैच को करो या करो के रूप में लेंगे।
>
> **-यूनिस खान**, पूर्व पाक कप्तान

> यह सिर्फ एक हार नहीं है, यह हमारे खिलाड़ियों की मानसिक कमजोरी को दिखाता है। मुझे नहीं पता कि क्या हो रहा है लेकिन कहीं न कहीं मुझे लग रहा है कि हमारे खिलाड़ियों ने अमेरिका को कमतर आंका था। **-वसीम अकरम**, पूर्व पाकिस्तानी कप्तान

> यह पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास का एक काला दिन है। मेरा मतलब है कि हमारे खिलाड़ियों ने वह आत्मसम्मान और जुझारूपन नहीं दिखाया जिसके लिए वह जाने जाते है।
>
> **- ओमैर अल्वी**, क्रिकेट विश्लेषक

प्रगनानंद की एक और हार से कार्लसन को बढ़त

खेल डायरी

स्टावंगर, एएनआइ: जैसे-जैसे नार्वे शतरंज टूर्नामेंट अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, इसका रोमांच शतरंज प्रेमियों के लिए उतना ही बढ़ता जा रहा है। प्रतियोगिता के नौवें दौर के सभी क्लासिकल मुकाबले ड्रा रहे और विजेता का निर्धारण आर्मागेडोन टाईब्रेकर के आधार पर हुआ। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद के पास खिताब जीतने का एक अच्छा अवसर था लेकिन उन्हें आर्मागेडोन मैच में अमेरिकी फैबियानो कारूआना के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा। प्रगनानंद को अब अंतिम दौर के मुकाबले में हिकारू नाकामुरा को हराना होगा और उम्मीद करनी होगी कि 16 अंकों लेकर पहले स्थान पर चल रहे मैग्नस कार्लसन कारुआना के विरुद्ध अपने मैच में हार जाएं।

मौजूदा समीकरण के अनुसार कार्लसन के लिए अंतिम दौर में जीत उन्हें टूर्नामेंट भी जिता देगी। वहीं आर्मागेडोन में वर्तमान विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से हार के बाद हिकारू नाकामुरा की टूर्नामेंट जीतने की संभावनाएं कम हो चुकी हैं। महिला वर्ग में दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत लेई टिंगजी बनाम आर वैशाली मैच से आई, जिसमें चीनी ग्रैंडममास्टर लेई ने केवल 30 चालों में सफेद मोहरों के साथ निर्णायक जीत प्राप्त की।

सहरावत को रजत पदक

बुडापेस्ट, एएनआइ: भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने हंगरी के बुडापेस्ट में पालीक इमरे और वर्गा जेनोस मेमोरियल 2024 कुश्ती टूर्नामेंट में रजत पदक अपने नाम किया। पुरुषों के 57 किग्रा फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और रियो 2016 ओलिंपिक के रजत पदक विजेता जापान के री हिगुची से 11-1 से हार गए। हिसहरावत ने क्वार्टर फाइनल में जार्जिया की राबर्टी डिंगाशविली पर 11-1 से जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आर्यन स्युद्रिन को 14-4 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

सिफत ने जीता कांस्य

म्यूनिख, प्रेट्र: भारतीय निशानेबाज सिफत कौर समारा ने शुक्रवार को यहां आइएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) के अंतिम दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह से दो पदक जीत कर इस प्रतियोगिता में अपने अभियान का अंत किया। सरबजोत सिंह ने गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था। सिफत मामूली अंतर से रजत पदक हासिल करने से चूक गई। उन्होंने 452.9 अंक बनाए जो चीन की मौजूदा विश्व चैंपियन हान जियायू से केवल 0.1 कम था।

लक्ष्य सेन के हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता, प्रेट्र: स्टार शटलर लक्ष्य सेन की पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां भारत की चुनौती समाप्त हो गई। विश्व में 14वें नंबर के खिलाड़ी सेन एक घंटे और एक मिनट तक चले मैच में विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को कड़ी टक्कर देने के बावजूद 22-24, 18-21 से हार गए। दोनों खिलाड़ियों के बीच पांच मैचों में यह एंटोनसेन की तीसरी जीत है।

पहले फ्रेंच ओपन खिताब से एक कदम दूर अलकराज

कार्लोस अलकराज • रायटर

पेरिस, रायटर : स्पेन के कार्लोस अलकराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जानिक सिनर को हराकर पहली बार रोलां गैरो के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। अलकराज ने सिनर को चार घंटे से ज्यादा चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से पराजित किया। फाइनल में अलकराज का सामना कैस्पर रूड और एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

अलकराज 21 वर्ष की आयु में तीन अलग-अलग सतह पर ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले स्पेन के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 2022 में हार्ड कोर्ट पर यूएस ओपन, 2023 में घासियाले कोर्ट पर विंबलडन जीता था और अब रोलां गैरो में लाल मिट्टी पर चैंपियनशिप के लिए खेलेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त अलकराज ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी की, लेकिन तीसरे सेट में फिर हार गए। इसके बाद उन्होंने लगातार दो सेट अपने नाम किए और तीसरे ग्रैंडस्लैम फाइनल में प्रवेश किया। अलकराज ने 65 विनर्स लगाए। अलकराज ने कहा, ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचना उपलब्धि होती है और रोलां गैरो में यह बहुत मुश्किल है।

2004 के बाद नडाल, जोकोविक और फेडरर के बिना होगा फाइनल

रोलां गैरो में 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता राफेल नडाल पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गए थे। वहीं, गत चैंपियन नोवाक जोकोविक चल रहे फ्रेंच ओपन में चोटिल होने के बाद अपना नाम वापस ले लिया था। उन्होंने पेरिस में अपनी सर्जरी करवाई और जल्द ही वह कोर्ट पर वापसी करने की आशा कर रहे हैं। जबकि रोजर फेडरर पहले ही संन्यास ले चुके हैं, जिसके कारण 2004 के बाद से नडाल, जोकोविक या फेडरर में से कम से कम एक के बिना पेरिस में यह पहला खिताबी मुकाबला होगा।

खिताबी भिड़ंत में पाओलिनी का सामना स्वियातेक से

पेरिस, एपी: विश्व नंबर एक इगा स्वियातेक का सामना शनिवार को फ्रेंच ओपन के फाइनल में इटली की जैसमीन पाओलिनी से होगा। स्वियातेक अब तक तीन बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। वहीं, पाओलिनी पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंची हैं। स्वियातेक ने 21 करियर सिंगल्स खिताब अपने नाम किए हैं, जबकि पाओलिनी के पास दो खिताब हैं। इस वर्ष से पहले फ्रेंच ओपन में पाओलिनी का करियर रिकार्ड 3-5 था। गफ को रोलां गैरो से बाहर करने के बाद स्वियातेक का करियर यहां रिकार्ड 34-2 है। पाओलिनी ने मिर्रा आंद्रीवा को 6-3, 6-1 से हराकर फ्रेंच ओपन फाइनल में प्रवेश कर किया, जो उनके करियर का पहला फाइनल होगा। पाओलिनी ने कहा, 'ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह असंभव जैसा था लेकिन अब सच हो गया है।' इससे पहले, स्वियातेक ने अमेरिका की कोको गफ को सीधे सेटों में हराकर गुरुवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश किया था।

जैसमीन पाओलिनी • एएफपी   इगा स्वियातेक • एएफपी

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
जोश नई राहों का
शनिवार, 8 जून, 2024

एनडीए/एनए (2)-2024

आनलाइन तैयारी से बनाएं राह आसान

संघ लोक सेवा आयोग की ओर से नेशनल डिफेंस एकेडमी एंड नेवल एकेडमी एग्जामिनेशन (2)-2024 का आयोजन एक सितंबर को होने वाला है। ऐसे में इस परीक्षा के लिए अभी तीन माह का वक्त बचा है। आइए जानें, आनलाइन माध्यम से कैसे आप अपनी तैयारी को और धारदार बना सकते हैं...

पिछले कुछ वर्षों से युवाओं के बीच एनडीए में जाने को खूब उत्सुकता देखी जा रही है। क्योंकि कम उम्र में महज 12वीं के बाद थल सेना, वायु सेना और नौसेना में अधिकारी बनने का यह सबसे आसान राह है। यही वजह है कि इसके हर सत्र (अप्रैल एवं सितंबर) में बड़ी संख्या में उम्मीदवार शामिल होते हैं, लेकिन सीटों की कम संख्या और कठिन परीक्षा (लिखित परीक्षा एवं एसएसबी इंटरव्यू) के चलते कम ही उम्मीदवार इसमें सफल हो पाते हैं। ऐसे में आपको आनलाइन माध्यम से अपनी तैयारी को आगे बढ़ाने के साथ-साथ कुछ उपयोगी एप्स की भी मदद लेनी चाहिए, इससे माक टेस्ट, क्विज टेस्ट और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के माध्यम से आपकी अच्छी प्रैक्टिस भी हो जाएगी और अपने कमजोर एरिया को समय रहते सुधार भी सकेंगे। यहां ऐसे ही कुछ एप्स दिए जा रहे हैं, जैसे कि:

एनडीए एग्जाम 2024: आनलाइन तैयारी के लिए यह एक उपयोगी एप है। इसमें आपको एनडीए सिलेबस, एनडीए माक टेस्ट, एनडीए प्रिवियस ईयर क्वेश्चन पेपर, एनडीए नोट्स आदि कंटेंट की सुविधाएं मिलेंगी। कुल मिलाकर, तैयारी के लिहाज से इस एक ही एप में आपको बहुत कुछ मिल जाएगा। अपनी तैयारी के प्रदर्शन का विश्लेषण भी यहां कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें सभी कंटेंट हिंदी और इंग्लिश दोनों भाषाओं में उपलब्ध हैं। इसका यूजर इंटरफेस भी बहुत सुविधाजनक है। यह एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

एनडीए एग्जाम प्रैक्टिस पेपर्स: आपके लिए यह भी एक उपयोगी एप हो सकता है। यहां आपको पिछले कई वर्षों के प्रश्नपत्र मिल जाएंगे। इससे न सिर्फ प्रश्नों की प्रकृति और इसके कठिनाई के स्तर को समझने में आपको आसानी होगी, बल्कि इसी बहाने तमाम विषयों और टापिक्स की फिर से आपकी तैयारी भी हो जाएगी। इसके अभ्यास से आपको अपना समय प्रबंधन ठीक करने में भी मदद मिलेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। यह एप भी गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

धीरेंद्र पाठक

एक्स्ट्रा शाट

गुणवत्ता की ओर

हाल में दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में आइआइटी मुंबई-दिल्ली और डीयू ने बड़ी छलांग लगाई है, जो देश में बढ़ती गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बड़ा संकेत है। हालांकि युवाओं को सक्षम बनाने के साथ देश को विकसित भारत की राह पर आगे बढ़ाने के लिए इस दिशा में अभी और बहुत कुछ करना शेष है, बता रहे हैं अरुण श्रीवास्तव...

फोटो: इमेजेज बाजार

47 पायदान की छलांग आइआइटी दिल्ली और 79 पायदान की छलांग दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने लगाई है क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में

150 वें स्थान पर आ गया है अब आइआइटी दिल्ली (पिछले वर्ष 197वें), जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय आ गया है 328वें स्थान पर (पिछले वर्ष 407वें)

118 स्थान पर पहुंच गया है आइआइटी बांबे 31 रैंक ऊपर चढ़कर, जो पिछले वर्ष 149वें स्थान पर था

हाल के वर्षों में भारतीय शिक्षण संस्थान विश्वस्तरीय गुणवत्ता के मानकों पर किस तरह तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, इसका बड़ा उदाहरण है क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की ताजा रैंकिंग। इसमें आइआइटी बांबे, आइआइटी दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने रैंकिंग में ऊंची छलांग लगाई है। शिक्षा के क्षेत्र में क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में ऊंचा स्थान पाना किसी संस्थान के लिए बड़े गौरव और प्रतिष्ठा का प्रमाण होता है। इससे उस संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा, रोजगार परिणाम, नियोक्ता प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क जैसे अनेक मापदंडों की प्रामाणिकता साबित होती है। इससे छात्रों के लिए इन संस्थानों का आकर्षण और बढ़ जाता है।

निखर रहे हैं संस्थान: वर्ष 2020 में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) आने के बाद इसने सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों को शिक्षण, नवाचार, अनुसंधान आदि क्षेत्रों में अपनी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रेरित और लगातार प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया है। इससे ये संस्थान अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप स्वयं को अनवरत उन्नत कर रहे हैं। इसका लाभ वहां पढ़ने वाले युवाओं को मिल रहा है, जो पाठ्यक्रम पूरा करने की चाह रखने वाले नवाचार की राह पर भी आगे बढ़ रहे हैं।

थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत: हालांकि भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश और यहां बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की चाह रखने वाले युवाओं को देखते हुए, हमारे सभी शैक्षणिक संस्थानों को उन्नत बनाने की आवश्यकता है। स्वाभाविक है कि हर युवा को आइआइटी या आइआइएम या इनके समकक्ष संस्थानों में प्रवेश नहीं मिल सकता, लेकिन यदि छोटे शहरों में स्थित संस्थान भी अपने को हर तरह से उन्नत करने पर ध्यान देंगे, तो उसका प्रत्यक्ष लाभ आसपास रहने वाले युवाओं को मिलेगा।

सरकार करे निगरानी: शिक्षा के क्षेत्र में अधिकतर संस्थान निजी हैं, जिनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। पढ़ने की इच्छा रखने वाले युवाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए संस्थानों को उम्मीद से अधिक एडमिशन भी मिल जाते हैं। बड़ी संख्या में हो रहे दाखिलों को देखते हुए, ज्यादातर संस्थानों का प्रबंधन आत्ममुग्ध हो सकता है कि वे बहुत अच्छा कर रहे हैं। ऐसे संस्थान यदि अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग नहीं होते, तो केंद्र व राज्य सरकार को इनकी निगरानी और नियंत्रण के लिए आगे आना होगा, ताकि वहां पढ़ने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण उपलब्ध करवाया जा सके।

युवा स्वयं रहें सजग: किसी भी शिक्षण संस्थान में प्रवेश लेने से पहले युवाओं को खुद उसके शैक्षणिक रिकार्ड की पड़ताल अवश्य कर लेनी चाहिए। केवल संस्थान की ऊपरी चमक-दमक से प्रभावित न हों।

आनलाइन अर्निंग

छात्रों के लिए बेहतरीन आनलाइन नौकरियां

अभिभावकों की वित्तीय स्थिति को देखते हुए यदि आप पढ़ाई के साथ-साथ किसी ऐसे काम की तलाश में हैं, जो आपकी पढ़ाई के समयानुकूल हो और जिससे अपना खर्च चलाने के लिए कुछ कमाई भी हो सके, तो कैसा रहेगा। धीरेंद्र पाठक से जानें, कुछ ऐसे ही आनलाइन जाब्स के बारे में...

अक्सर छात्रों का जीवन बहुत व्यस्त रहता है। क्योंकि उनका सारा समय पढ़ाई में ही बीतता है। इसलिए, अक्सर काम करने के लिए इन्हें ज्यादा समय नहीं मिल पाता। लेकिन बहुत से छात्रों को पारिवारिक जरूरतों के चलते कुछ न कुछ काम करना भी जरूरी होता है, ताकि अपना खर्च चला सकें। यदि ऐसी ही कुछ स्थिति आपकी भी है, तो अपने कौशल और रुचि के अनुसार निम्न जाब्स करके आसानी से आनलाइन माध्यम से पैसे कमा सकते हैं, जैसे कि:

ट्रांसक्रिप्शन: यह एक सदाबहार जाब है, जो आजकल आनलाइन माध्यम से खूब हो रहा है। इस काम के लिए बहुत ज्यादा किसी स्किल की भी जरूरत नहीं होती है। बस, आपको क्लाइंट की जरूरत के अनुसार आडियो/रिकार्डिंग को सुनकर हिंदी या इंग्लिश में टाइप करना आता हो। वैसे, टाइपिंग का यह काम आजकल मोबाइल पर भी बहुत आसानी से होने लगा है, इसके लिए अलग से पीसी या लैपटाप की भी जरूरत नहीं है। एआइ और इसके एडवांस वर्जन चैटजीपीटी के आ जाने से इस क्षेत्र में भी डाटा एनोटेशन तथा इमेज मार्किंग के लिए पार्टटाइम काम करने वालों की बहुत जरूरत देखी जा रही है। इससे आप हर महीने अच्छी कमाई कर सकते हैं।

आनलाइन मार्केटिंग/ कस्टमर सर्विस: तमाम बिजनेस के आनलाइन हो जाने से कंपनियों को अपने उत्पादों और सेवाओं के प्रचार-प्रसार से लेकर क्लाइंट तक अपनी पहुंच बनाने के लिए, उन्हें अटेंड करने के लिए पार्टटाइम प्रोफेशनल्स की जरूरत पड़ रही है। खासकर यह जाब उन युवाओं के लिए बहुत उपयुक्त हो सकता है, जो इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। उसकी बारीकियों को जानते-समझते हैं। इस क्षेत्र में आपको कंटेंट तैयार करने से लेकर, पोस्ट तैयार करने, शार्ट वीडियो बनाने, यूजर्स से इंटरैक्शन करने जैसे कई तरह के काम आनलाइन माध्यम से घर बैठे मिल सकते हैं। चाहें, तो आनलाइन माध्यम से कस्टमर सर्विस उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों से भी जुड़कर हर महीने अच्छी कमाई कर सकते हैं। ये जाब भी आजकल शिफ्ट के अनुसार हो रहे हैं। इन्फ्लुएंसर का काम भी कमोबेश इसी फील्ड से मिलता जुलता है, जो किसी उत्पाद के साथ अपने स्वयं के अनुभव को साझा करके लोगों को उत्पाद खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर अच्छी फैन फालोइंग वाले इस माध्यम से काफी अच्छा पैसा कमा रहे हैं।

आनलाइन ट्यूशन: यदि आपकी अपने विषय में अच्छी पकड़ है, तो यह भी आनलाइन ट्यूशन के माध्यम से कमाई का एक अच्छा तरीका हो सकता है। इस माध्यम से आप एक समय में हजारों लोगों को एक साथ पढ़ा सकते हैं। आमतौर पर आनलाइन ट्यूटर वीडियो चैट, इंस्टेंट मैसेज या ईमेल के माध्यम से छात्रों को पढ़ाते हैं। सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, आप किसी भी क्षेत्र में ट्यूटर हो सकते हैं, जिसमें आपकी कुशलता और विशेषज्ञता है। यह सब आजकल खूब हो भी रहा है।

वर्ग पहेली-2654

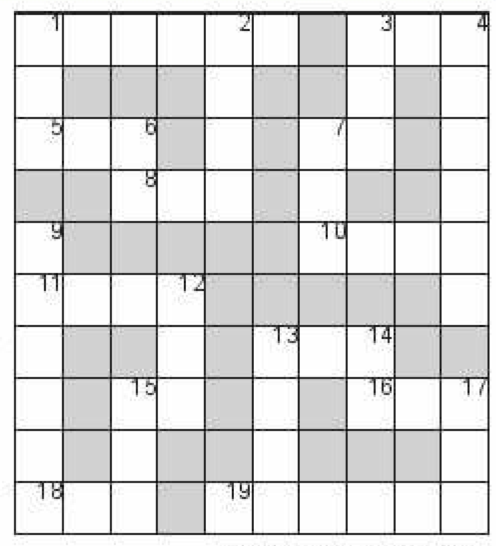

बाएं से दाएं
1 भारत के पूर्व राष्ट्रपति और विज्ञानी (3,3)। 3 पूरा, संपूर्ण, समाप्त (3)। 5 प्रतीत होना, अनुभव होना (3)। 7 झाड़-फूंक करने वाला (2)। 8 ऐसी भूमि जो कुछ वर्षों से जोती-बोई गई न हो (3)। 10 माता पार्वती के पति (4)। 11 छत्रपति शिवाजी की माता का नाम था (4)। 13 शुभ लक्षण, पूर्व लक्षण (3)। 15 दादा की समधन (2)। 16 मनुष्य, आदमी (3)। 18 कसक होना (3)। 19 ...अकबर ...1977 में बनी एक कामेडी फिल्म है (3,3)।

ऊपर से नीचे
1 रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन के नाम का पहला शब्द (3)। 2 छुईमुई, शर्मीली (4)। 3 युवती, किशोरी (3)। 4 भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से पुरस्कृत एक हिंदी लेखिका (4,2)। 6 अनुमान, परिमाण, स्केल (2)। 7 ताश के पत्ते में भी होता है यह, दास (3)। 9 मूर्छित लक्ष्मण के लिए हनुमान लाए थे (4,2)। 12 देवी दुर्गा को यह भी कहते हैं (3)। 13 ओस का पर्यायवाची शब्द (4)। 14 गीला तर, भीगा हुआ (2)। 15 नृत्य करना, (3)। 17 माता, जन्म देने वाली (3)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

आ	थि	ना	य	क			ब्रा		ज
				ल	च	क	ना		ल
ती	र		प	ह	ल				प्ला
	स		ह		ना	खु	श		ब
	प	गा	र				म	लि	न
शा	ति	र				प	न	प	
न		त	ल	ब		र		ट	
शौ				थ	र	ती		ना	ज
क		स	मा	न	ता				
त		ह			लू	क	ल	गा	ना

जागरण सुडोकू-2654

7	1		9		4		8	5
9				3				6
				7	8			
		3	8			7		4
5	7			2	6	1		3
	2		3				6	
			7	4				2
2					3			9
8	4		5	1		6	3	

कल का हल

4	5	6	9	8	1	2	7	3
8	3	1	2	7	4	6	5	9
2	9	7	3	6	5	8	4	1
7	8	3	4	2	6	9	1	5
1	4	9	5	3	8	7	6	2
5	6	2	7	1	9	3	8	4
9	7	5	6	4	3	1	2	8
3	2	8	1	5	7	4	9	6
6	1	4	8	9	2	5	3	7

आज का भविष्यफल- 08 जून, 2024 शनिवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष द्वितीया।
आज का राहुकाल : प्रातः 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व। आज का पर्व एवं त्योहार : वेदारंभ

कल 09 जून, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पश्चिम
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की तृतीया 15 घंटे 45 मिनट तक, तत्पश्चात चतुर्थी पुनर्वसु नक्षत्र 20 घंटे 21 मिनट तक, तत्पश्चात पुष्य नक्षत्र वृद्धि योग 17 घंटे 21 मिनट तक, तत्पश्चात ध्रुव योग मिथुन में चंद्रमा 14 घंटे 07 मिनट तक तत्पश्चात कर्क में।

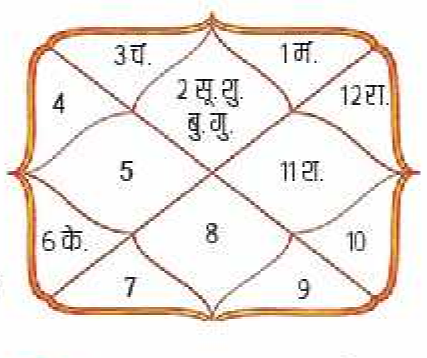

मेष : क्रोध पर नियंत्रण रखें। रिश्तों में तनाव आ सकता है।
वृष : किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
मिथुन : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। प्रयास सार्थक होगा।
कर्क : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।
सिंह : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। अफसरों का सहयोग रहेगा।
कन्या : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
तुला : व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
वृश्चिक : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं।
धनु : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
मकर : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होगा।
कुंभ : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया कार्य संपन्न होगा।
मीन : जीवन सुखमय होगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

'खालिस्तानी स्टाइल' में वह पीछे से आई और थप्पड़ मारा : कंगना

मुंबई, आइएएनएस : फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के साथ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर बदसलूकी के बाद उन्होंने घटना के बारे में विस्तार से बताया। गुरुवार दोपहर कंगना को सीआइएसएफ की एक महिला कांस्टेबल ने थप्पड़ मारा था। कंगना ने बताया कि कांस्टेबल ''खालिस्तानी स्टाइल'' में चुपचाप पीछे से आई और उनके चेहरे पर मारा।

कंगना ने शुक्रवार सुबह अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पूर्व सैन्य अधिकारी गौरव आर्या का एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा था, ''कंगना रनोट पर हमला करने वाली सीआइएसएफ कांस्टेबल कुलविंदर कौर को सजा मिलेगी। उसकी नौकरी जा सकती है। शायद उसने यही साजिश रची थी। किसान आंदोलन का समर्थन करने की पूरी बात बकवास है।'' उन्होंने कहा, ''कुलविंदर कौर की अभी-अभी राजनीति में एंट्री हो चुकी है। अगर बेअंत सिंह का बेटा सिर्फ इसलिए चुनाव जीत सकता है क्योंकि उसके पिता ने इंदिरा गांधी की हत्या की थी और अमृतपाल सिंह इसलिए जीतता है क्योंकि वह जरनैल सिंह भिंडरावाले जैसा दिखता है, तो कुलविंदर कौर को भी समर्थन मिल सकता है।'' पोस्ट को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, ''यह मैं समझ गई कि उसने रणनीति के तहत मेरे जाने का इंतजार किया और फिर खालिस्तानी स्टाइल में चुपचाप पीछे से आई और बिना कुछ कहे मेरे चेहरे पर मारा।'' मंडी से नवनिर्वाचित भाजपा सांसद कंगना घटना के समय दिल्ली जा रही थीं। कंगना ने लिखा, ''जब मैंने पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उसने नजरें फेर लीं और उस पर फोकस फोन कैमरों को संबोधित करना शुरू किया। किसान कानून निरस्त कर दिए गए हैं और शायद यह उसका खालिस्तान में शामिल होने का तरीका था, जो पंजाब में प्रमुख राजनीतिक सीटें जीत रहा है।'' कंगना ने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाया गया है। उन्होंने लिखा, 'इमरजेंसी (फिल्म) में जल्द ही दिखाई देगा कि कैसे एक निहत्थी बुजुर्ग महिला को उसके ही घर में वर्दीधारी लोगों ने मार डाला, जिन पर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी थी।'

- नवनिर्वाचित भाजपा सांसद ने शेयर किया पूर्व सैन्य अफसर का पोस्ट
- उन्होंने लिखा-इस घटना के साथ महिला कांस्टेबल की राजनीति में एंट्री

कंगना रनौत। फाइल

रनौत के समर्थन में आई रवीना और विवेक रंजन अग्निहोत्री

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : अभिनेत्री कंगना रनौत ने थप्पड़ मारने वाली घटना के बाद बालीवुड में चुप्पी पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा कि फिल्म इंडस्ट्री वालों या तो आप लोग मेरे साथ हुए एयरपोर्ट हमले का जश्न मना रहे हैं या इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। याद रखें, कल जब आप बिना सुरक्षा के देश की सड़कों पर निकलेंगे या विदेश में कहीं जाएंगे और तभी कुछ इजरायली और फलस्तीनी आपको या आपके बच्चों को मारेंगे, क्योंकि आप राफा या इजरायल के बंदियों का समर्थन कर रहे थे, तो आप देखेंगे कि मैं आपके लिए खड़ी रहूंगी। मेरी नजर राफा गैंग (उनका आशय उन बालीवुड सेलिब्रिटी से है जिन्होंने राफा का समर्थन किया) पर है। कंगना के इस पोस्ट के बाद अभिनेत्री रवीना टंडन ने बिना कंगना का नाम लिए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लिखा कि यह ऐसी दुनिया है, जहां सार्वजनिक जांच बेहद कठोर होती है। ऐसे में यह याद रखना जरूरी है कि प्रख्यात महिलाएं भी इंसान हैं। प्रसिद्धि के लिए उनका अपमान करना गलत है। द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने लिखा कि कंगना के साथ हुई घटना की निंदा हर समझदार व्यक्ति को करनी चाहिए। समझदार इसलिए कहा, क्योंकि उन्हें ही समझ आएगा कि यह लोकतंत्र के लिए कितना खतरनाक है।

कंगना को थप्पड़ मारने वाली कांस्टेबल जाबांज

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान में सीकर संसदीय सीट से इंडी गठबंधन में शामिल माकपा के नव निर्वाचित सांसद अमराराम ने कहा कि किसान आंदोलन के खिलाफ बोलने पर जाबांज सिपाही ने कंगना रनौत को जो जवाब दिया है, इसके लिए मैं उसको धन्यवाद देता हूं। यह हो सकता है कि सिपाही को निलंबित कर दिया जाए या फिर बर्खास्त कर दिया जाए, लेकिन शहीद ए आजम भगत सिंह भी फांसी पर झूल गए थे। उन्होंने शुक्रवार को सीकर में मीडिया से बात करते हुए कहा, कंगना को थप्पड़ मारने वाली सिपाही किसान परिवार से आती है। बता दें कि कंगना को गुरुवार को चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर ने थप्पड़ मार दिया था।

वीवीआइपी के प्रोटोकाल संग सुरक्षा को भी तरजीह देगा सीआइएसएफ

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : अभिनेत्री व भाजपा सांसद कंगना रनौत के साथ गुरुवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुए दुर्व्यवहार के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) ने चंडीगढ़ एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया है। सीआइएसएफ अब प्रोटोकाल के साथ सिक्योरिटी पर भी ध्यान देगा। एयरपोर्ट परिसर में वीवीआइपी मूवमेंट के साथ सशस्त्र सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे, जिसका जिम्मा प्रथम श्रेणी के सीनियर अधिकारी संभालेंगे।

गौरतलब है कि अभी तक एयरपोर्ट पर वीवीआइपी मूवमेंट के दौरान सिर्फ प्रोटोकाल पर ही ध्यान दिया जाता था। गुरुवार को सीआइएसएफ की महिला जवान ने कंगना रनौत को थप्पड़ मार दिया था। इसी मामले में सीआइएसएफ के एआइजी ने शुक्रवार को एयरपोर्ट की सुरक्षा में लगे अधिकारियों के साथ आनलाइन मीटिंग की और उन्हें निर्देश दिए कि भविष्य में सीआइएसएफ प्रोटोकाल के साथ सिक्योरिटी पर भी ध्यान देगा। एयरपोर्ट पर वीवीआइपी मूवमेंट के लिए पहले से ही योजना बनाई जाएगी। बताते हैं कि एयरपोर्ट प्रबंधन ने भी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि यहां पर वैसे ही सुरक्षा चाक चौबंद रहती है, लेकिन महिला जवान की तरफ से प्रोटोकाल को तोड़ा गया है, जो असामान्य घटना थी। सुरक्षा प्रबंधों को लेकर नए सिरे से योजना बनाई गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो।

- सांसद कंगना रनौत पर बदसलूकी के बाद अथारिटी ने लिया फैसला
- सीआइएसएफ के एआइजी ने सुरक्षा में तैनात अधिकारियों से की मीटिंग

आरोपित महिला जवान पर किया गया केस दर्ज

कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के मामले में सीआइएसएफ की शिकायत पर एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उसके खिलाफ आइपीसी की धारा 323 और 341 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों धाराएं जमानती होने के कारण उसे पुलिस स्टेशन से ही जमानत मिल गई। धारा 323 में एक साल तक सजा और जुर्माने का प्रविधान है। धारा 341 में एक माह की सजा और 500 रुपये जुर्माने का प्रविधान है।

दो माह में अबूझमाड़ में मिली चौथी बड़ी सफलता

प्रथम पृष्ठ से आगे

16 अप्रैल को छोटेबेठिया में 29 नक्सली को मार गिराने के बाद से अब तक चार बड़ी मुठभेड़ों में कुल 52 नक्सली को मार गिराया गया है। इससे नक्सलियों के पूर्वी डिवीजन को बड़ी चोट पहुंची है।

नक्सलियों के विरुद्ध आक्रामक अभियान के साथ ही संवेदनशील क्षेत्र के विकास के लिए सुरक्षा बल समर्पित है। सुरक्षा कैंपों को विकास कैंप की तरह विकसित कर ग्रामीणों तक जनसुविधाएं पहुंचाने का काम भी कर रहे हैं। इससे जनाधार अब सुरक्षा बल के साथ है। नक्सलियों से अपील है कि वे आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें।

-पी. सुंदरराज, आइजीपी बस्तर

इस वर्ष की यह सातवीं बड़ी सफलता

- 27 मार्च को बीजापुर के चिपुरभट्टी में छह नक्सली ढेर।
- 2 अप्रैल को गंगालूर बीजापुर के गंगालूर में 13 नक्सली मारे गए।
- 16 अप्रैल को अबूझमाड़ के छोटेबेठिया में 29 नक्सली ढेर।
- 30 अप्रैल को अबूझमाड़ के टेकमेटा में 10 नक्सली मारे।
- 10 मई को बीजापुर के पीड़िया में 12 नक्सली ढेर।
- 23 मई अबूझमाड़ के रेकावाही में आठ नक्सली मारे।
- 7 जून को अबूझमाड़ के मुंगेडी में सात नक्सली मारे।

बिना इनर लाइन परमिट समदो पहुंचा चीनी नागरिक, पत्नी सहित गिरफ्तार

जासं, रिकांगपिओ : हिमाचल के किन्नौर जिले मे पुलिस ने बस में जा रहे चीनी नागरिक व उसकी महाराष्ट्र निवासी पत्नी को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास इनर लाइन परमिट नहीं था। 35 वर्षीय गुओ युडोंग के पास वीजा सहित विवाह के दस्तावेज सही पाए गए हैं, लेकिन सीमांत क्षेत्र किन्नौर व स्पीति में प्रवेश के लिए आवश्यक इनर लाइन परमिट नहीं था। दोनों ने बताया है कि वे किन्नौर व स्पीति घूमने जा रहे थे।

पुलिस ने पूह थाना में मामला दर्ज किया है। दोनों को शुक्रवार को अदालत के समक्ष पेश किया गया, अदालत ने 10 जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है, क्योंकि किन्नौर अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा है।

300 करोड़ की संपत्ति के लिए ससुर की हत्या करवाई, हिट एंड रन का दिया रूप

नागपुर, प्रेट्र: ससुर की हत्या करवाने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि महिला ने ससुर की 300 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए ससुर की हत्या की साजिश रची। नागपुर क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि 22 मई को बालाजी नगर में कार से कुचलने से पुरुषोत्तम पुत्तेवार की मौत हो गई थी, लेकिन जांच और इलाके के सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि यह हत्या का मामला था।

जांच के बाद टाउन प्लानिंग विभाग में सहायक निदेशक अर्चना मनीष पुत्तेवार को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। आरोपित महिला को नौ जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उसने ससुर की हत्या के लिए पुरानी कार खरीदने के लिए सह आरोपित को पैसे दिए ताकि हत्या को दुर्घटना जैसा दिखाया जा सके। जाहिर तौर पर उसका मकसद ससुर की 300 करोड़ रुपये की संपत्ति पर कब्जा करना था। अधिकारी ने कहा, हमने दो कार, सोने के आभूषण, मोबाइल फोन आदि जब्त कर लिए हैं। उस पर अपने पति के ड्राइवर बागड़े और दो अन्य लोगों नीरज निमजे और सचिन धार्मिक के साथ मिलकर हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

- आरोपित महिला गिरफ्तार, पुरानी कार खरीदने के लिए सह आरोपित को दिए थे पैसे
- ड्राइवर बागड़े और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर रची ससुर की हत्या की साजिश

अयोध्या की हनुमानगढ़ी में दस जुलाई तक वीआइपी दर्शन पर रोक

जासं, जागरण • अयोध्या : सीढ़ियों के निर्माण के कारण अयोध्या की सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में दस जुलाई तक वीआइपी दर्शन पर रोक लगा दी गई है। राम मंदिर के साथ हनुमानगढ़ी में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने के कारण पीछे के निकास द्वार को बंद कर सीढ़ी निर्माण को तेज करने का निर्णय लिया गया है। मार्ग को और चौड़ा किया जा रहा है, जिससे दर्शनार्थियों को असुविधा न हो सके।

शुक्रवार को निर्वाणी अनी अखाड़ा की बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि सात जून से लेकर दस जुलाई तक हनुमानगढ़ी पर वीआइपी दर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। हनुमानगढ़ी मंदिर में श्रद्धालु जिस रास्ते से दर्शन करने जाते थे, उसी रास्ते से वे भी वापस आएंगे। निकासी मार्ग को भी बंद कर दिया गया है।

पिता की नौकरी छूटी पर नहीं छोड़ी हिम्मत, बनीं डिप्टी कलेक्टर

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेन : यह कतई आवश्यक नहीं कि महंगी कोचिंग करने पर ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलती है। एमपी पीएससी की राज्य सेवा परीक्षा-2021 में पहला स्थान प्राप्त करने वालीं अंकिता पाटकर इसी का प्रेरक उदाहरण हैं। उनका चयन डिप्टी कलेक्टर पद के लिए हुआ है। उन्होंने बिना किसी महंगी कोचिंग या किसी बड़े शहर में पढ़ाई किए यह उपलब्धि हासिल की है।

एक साधारण परिवार में पांच बहनों में सबसे छोटी अंकिता की उपलब्धि उन सब विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों के अभाव की बात कहते हैं। अंकिता के पिता दौलतराम पाटकर मध्य प्रदेश राज्य परिवहन में कर्मचारी थे। विभाग बंद होने के बाद वह पोस्ट आफिस में बतौर एजेंट काम करने लगे। मामूली आय में उन्होंने सभी बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाई। पाटकर दंपती की पांच बेटियां और एक बेटा है। अंकिता पांचों बहनों में सबसे छोटी हैं। उनसे छोटा भाई है। मेहनत का नतीजा है कि पांचों बेटियां शासकीय सेवा में है।

पिता दौलतराम पाटकर और मां चंद्रकला के साथ अंकिता पाटकर (बीच में)। फोटो-नईदुनिया

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में सीबीआइ ने 78 लोगों को बनाया आरोपित

जासं, नई दिल्ली : जमीन के बदले रेलवे में नौकरी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीबीआइ ने राउज एवेन्यू कोर्ट के समक्ष अंतिम आरोपपत्र दाखिल किया। सीबीआइ ने अपने आरोपपत्र में 78 लोगों को आरोपित बनाया है। इसमें 38 उम्मीदवार और कुछ अधिकारी भी शामिल हैं। सीबीआइ ने कहा कि अभी इस पर सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी का इंतजार है, उम्मीद है छह जुलाई तक इस मामले में मंजूरी मिल सकती है।

मालूम हो कि रेलवे में जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्य भी आरोपित हैं। सीबीआइ ने इससे पहले तीन आरोपितों के खिलाफ मार्च में पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था।

****

बंबई से लंदन के बीच शुरू हुई भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान

1948 में आज ही भारत ने पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा बंबई (अब मुंबई) से लंदन के बीच शुरू की थी। 40 सीटों वाला एयर इंडिया का विमान मालाबार प्रिंसेस काहिरा और जेनेवा होते हुए 24 घंटे में लंदन पहुंचा था। इसके टिकट की कीमत 1720 रुपये थी। इसके कैप्टन केआर गुजदार थे।

अधिनियम लागू कर परमाणु मुक्त राष्ट्र हुआ न्यूजीलैंड

1987 में आज ही न्यूजीलैंड की संसद ने परमाणु मुक्त क्षेत्र, शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण अधिनियम को अपनाकर खुद को परमाणु मुक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित किया था। इसी के साथ न्यूजीलैंड परमाणु मुक्त क्षेत्र की दिशा में कानून बनाने वाला पहला पश्चिमी देश बन गया।

जातिवाद के खिलाफ सोनाराम ने उठाई थी आवाज

स्वतंत्रता सेनानी सोनाराम चुटिया का जन्म 1915 में आज ही असम के जोरहाट में हुआ था। उन्होंने स्कूल की शिक्षा के दौरान ऊंची जातियों के छात्रों से आपत्तिजनक टिप्पणियां सुनकर जातिवाद और नस्लवाद के खिलाफ आवाज उठाने की ठानी। शिक्षक की नौकरी से इस्तीफा देकर 1940 में जातीय महासभा से जुड़ गए। उन्होंने देश में चल रहे 1942 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया और जेल गए। 1946 में सामाजिक-धार्मिक संगठन श्रीमंत शंकरदेव में शामिल हो गए और अपना शेष जीवन इसी संस्था को समर्पित कर दिया।

गेहूं की दो नई प्रजाति : पानी बचेगा, पैदावार बढ़ेगी

कपिल पूनिया • जागरण

- भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान केंद्र ने दो नई प्रजातियां की जारी
- एक प्रजाति कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए
- 6 साल तक किया गया शोध 58 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन का दावा
- दोनों प्रजातियों को सभी तरह के रोगों से लड़ने में सक्षम बनाया गया

करनाल : भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि विज्ञानियों ने छह साल के शोध के बाद गेहूं की दो नई प्रजातियां विकसित की हैं। पैदावार कम पानी में होंगी। डीबीडब्ल्यू 377 और डीबीडब्ल्यू 359 नाम दिया गया है। सितंबर के अंतिम सप्ताह से वितरित किया जाएगा। डीबीडब्ल्यू 377 का दाना अभी तक की गेहूं की सभी प्रजातियों से मोटा है, वहीं डीबीडब्ल्यू 359 केवल दो पानी में ही अधिकतम पैदावार देगी।

दोनों प्रजातियों को सभी तरह के रोगों से लड़ने में सक्षम बनाया गया है। इससे पहले संस्थान की ओर से बीते सीजन रिलीज की गई गेहूं की प्रजाति डीबीडब्ल्यू 370, 371 और 372 ने अब तक की सर्वाधिक 33.7 क्विंटल प्रति एकड़ तक की पैदावार दी है।

करनाल के गेहूं और जौ संस्थान में गेहूं की पैदावार। फाइल

कर्नाटक, महाराष्ट्र के लिए उत्तम

डीबीडब्ल्यू 359 प्रजाति कम पानी में अधिक पैदावार देगी। इस प्रजाति को कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। सामान्य तौर पर गेहूं की फसल को चार से पांच बार सिंचाई की जरूरत होती है। जबकि इस प्रजाति में केवल दो ही सिंचाई से फसल ली जा सकती है। इसी प्रजाति की पैदावार 56 से 58 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

डीबीडब्ल्यू 377 की विशेषता

डीबीडब्ल्यू 377 प्रजाति का दाना अब तक की गेहूं की सभी प्रजाति से मोटा है। हालांकि इस प्रजाति में नाइट्रोजन समेत अन्य खाद दूसरी प्रजाति की तुलना में डेढ़ गुना लगता है, लेकिन इससे पैदावार भी बढ़ती है। इस प्रजाति की पैदावार 65 से 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। जो सर्वाधिक है।

रोटी होगी सफेद और स्वादिष्ट

इन किस्मों की रोटी अन्य किस्मों से सफेद होगी। आटा गूंथने में भी आसानी होगी और समय भी बचेगा। इनकी रोटियां ज्यादा स्वादिष्ट भी होंगी। सितंबर महीने से शुरू होगा वितरण दोनों नई प्रजातियों का वितरण सितंबर के अंतिम सप्ताह से शुरू किया जाएगा। इसके लिए किसानों को संस्थान के पोर्टल पर आवेदन करना होगा। प्रति आधार कार्ड पांच किलोग्राम बीज दिया जाएगा। ताकि अधिक से अधिक किसानों को गेहूं का उन्नत बीज प्राप्त हो सके।

डीबीडब्ल्यू 359 प्रजाति को पानी की कमी वाले क्षेत्रों के लिए विकसित किया गया है। यह प्रजाति अगेती और समय से बिजाई के लिए उपयुक्त है। गेहूं की पैदावार दाने के आकार पर निर्भर करती है। डीबीडब्ल्यू 377 का दाना सबसे अधिक मोटा है। छह वर्ष के शोध के बाद दोनों प्रजातियों को विकसित किया गया है।

– डा. रत्न तिवारी, निदेशक, गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल।

फिल्म रिव्यू
मुंजा ★★★

प्रमुख कलाकार : शरवरी वाघ, अभय वर्मा, मोना सिंह, सुहास जोशी, एस. सत्यराज, निर्देशक : आदित्य सरपोतदार, अवधि : दो घंटे तीन मिनट

न बहुत डराती है, न बहुत हंसाती है

निर्माता दिनेश विजन हालीवुड की तर्ज पर अपनी हारर कामेडी फिल्मों का यूनिवर्स बनाने की तैयारी में हैं। स्त्री, रूही, भेड़िया फिल्मों के बाद इस कड़ी में मुंजा चौथी फिल्म है। इस बार उन्होंने महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र की लोककथा को आधार बनाया है। हालांकि फिल्म न बहुत डरा पाती है, न ही बहुत हंसा पाती है।

डरपोक और दब्बू स्वभाव का बिट्टू (अभय वर्मा) पुणे में ब्यूटी पार्लर चलाने वाली मां पम्मी (मोना सिंह) और आजी यानी दादी (सुहास जोशी) के साथ रहता है। गांव में अपनी चचेरी बहन की सगाई के लिए अपनी मां और दादी के साथ बिट्टू भी जाता है। वहां चेटूकवाड़ी नाम की अभिशप्त कही जाने वाली जगह है, जिसके बारे में मान्यता है कि अगर किसी ब्राह्मण लड़के की मुंडन होने के दस दिन के भीतर मौत हो जाए तो वह ब्रह्मराक्षस यानी मुंजा बनता है। बिट्टू चेटूकवाड़ी पहुंच जाता है। वहां पर मुंजा आजाद हो जाता है। वह उसकी दादी की जान ले लेता है। दादी की मौत से दुखी बिट्टू मां के साथ घर लौटता है। तब उसे पता चलता है कि मुंजा उसके साथ है। वह सूर्यास्त के बाद आता है और सूर्योदय के समय गायब हो जाता है। वह बिट्टू पर मुन्नी नामक लड़की को ढूंढ़ने को लेकर दबाव बनाता है। वह उससे शादी करना चाहता है। बिट्टू दोस्त स्पीलबर्ग (तरनजोत सिंह) की मदद से मुन्नी को खोजता है। उधर मुंजा का दिल बिट्टू की बचपन की दोस्त बेला (शरवरी) पर आ जाता है। वह बेला से शादी करने की जिद करता है। बिट्टू मुंजा से छुटकारा पाने के लिए तांत्रिक (एस सत्यराज) के पास जाता है। वे बेला को झूठ बोलकर गांव लाते हैं। यहां पर कैसे शादी होती है? क्या वे उससे छुटकारा पाएंगे? कहानी यह बताती है।

कहानी में नयापन है, लेकिन मध्यांतर के बाद लड़खड़ा जाती है। फोटो सौ. : फिल्म टीम

योगेश चंद्रेकर द्वारा लिखित कहानी में ताजगी और नयापन है। फिल्म मध्यांतर से पहले तेजी से आगे बढ़ती है। इस दौरान बिट्टू के साथ-साथ बेला की जिंदगी से परिचित होते हैं, फिर मुंजा के आने के बाद बिट्टू का जीना हराम हो जाता है। यहां तक फिल्म में रोचकता रहती है। मध्यांतर के बाद कहानी लड़खड़ाती है। मुंजा के एक शरीर से दूसरे शरीर में प्रवेश करने के प्रसंग में कोई रोमांच नहीं है। चेटूकवाड़ी को जितना डरावना संवादों में बताया है, वह उतनी डरावनी नहीं लगती। मुंजा से छुटकारा दिलाने का दावा करने वाला तांत्रिक बाद में असहाय नजर आता है।

बिट्टू बने अभय वर्मा का काम सराहनीय है। उन्होंने बिट्टू के डरपोक, शर्मीले व दिमाग से तेज पात्र को जीवंत किया है। शरवरी का पात्र प्रभावशाली नहीं बन पाया है। उनका आइटम नंबर दमा दम अंत में है। सत्यराज प्रभाव नहीं छोड़ पाते हैं। दादी की भूमिका में सुहास जोशी याद रह जाती हैं। मोना सिंह के हिस्से में दमदार दृश्य नहीं है।

–स्मिता श्रीवास्तव

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

सबसे पहले बकरी के सीने में धड़केगा 'हृदयंत्र'

जागरण संवाददाता, कानपुर

- आइआइटी कानपुर ने तैयार किया है कृत्रिम दिल, टेबल टाप वर्जन का हो चुका परीक्षण
- पशुओं पर प्रयोग की मिली मंजूरी, अगले तीन माह में शुरू हो सकता प्रयोग

आइआइटी कानपुर में कृत्रिम हृदय 'हृदयंत्र' बनकर तैयार हो चुका है। पशुओं पर इसके प्रयोग की अनुमति भी मिल चुकी है। अगले दो से तीन महीने में आइआइटी की टीम बकरी के सीने में हृदयंत्र लगाकर पहला प्रयोग करेगी।

आइआइटी निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में बताया कि हृदयंत्र पर काम कर रही आइआइटी की टीम ने बड़ी सफलता प्राप्त कर ली है। इस उपकरण को जानवरों के शरीर में लगाकर प्रयोग करने की अनुमति मिल चुकी है। सबसे पहले बकरी के सीने में इसे लगाकर प्रयोग किया जाएगा। डिवाइस को तैयार करने का काम पहले ही पूरा हो चुका था, लेकिन ऐसे प्रयोगों के लिए वैश्विक संस्थाओं से अनुमति की जरूरत होती है। इस अनुमति को पाने में समय लगा है। अब जल्द ही परीक्षण को पूरा किया जाएगा। आइआइटी के इंजीनियरों और देश के वरिष्ठ हृदय रोग चिकित्सकों ने कृत्रिम हृदय तैयार किया है। इसका उद्देश्य शरीर में खून को सही रूप से सभी अंगों तक पहुंचाना है जिस तरह से शरीर में दिल काम करता है। इस डिवाइस को इस तरह से तैयार किया गया है कि शरीर के अंदर मौजूद कोशिकाओं के साथ सहज संबंध स्थापित कर सके। इसे एक वर्ष पहले जानवरों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया था, लेकिन संस्था ने अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार डिवाइस में कई सारे बदलाव कराए हैं। इसके बाद पशुओं पर प्रयोग की हरी झंडी मिली है।

नेचुरल गैस इंफ्रास्ट्रक्चर से कोरल रीफ को खतरा

फिलीपींस के बटांगस प्रांत के वर्डे द्वीप के पास कोरल (मूंगा) के पास जांच के लिए पहुंचा गोताखोर। फिलीपींस वर्डे द्वीप में दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस के इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है, इससे क्षेत्र में कोरल रीफ और मछली पकड़ने वाले समुदाय के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। समुद्री पारिस्थितिकी की दृष्टि से कोरल को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। एपी

इधर-उधर की

पिता-पुत्र ने मिलकर बनाया दुनिया का सबसे तेज ड्रोन

ड्रोन की औसत गति 298.47 मील प्रति घंटे है। इंटरनेट मीडिया

केपटाउन, एजेंसी : दक्षिण अफ्रीका के एक पिता-पुत्र की जोड़ी ने दुनिया का सबसे तेज ड्रोन बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। ल्यूक बेल और उनके पिता माइक बेल ने इस ड्रोन को क्वाडकाप्टर पेरेग्रीन 2 नाम दिया है। गिनीज के अनुसार ड्रोन 3डी-प्रिंटेड कार्बन फाइबर, बैट्री संचालित और रिमोट नियंत्रित है। इसे बनाने में दोनों ने एयरोथर्मल इंजीनियर क्रिस रोसेर की मदद ली। रिकार्ड हासिल करने के लिए उन्होंने ड्रोन को विपरीत दिशाओं में दो बार उड़ाया। इस दौरान उन्होंने 317 मील प्रति घंटे की शीर्ष गति और औसतन 298.47 मील प्रति घंटे की गति देखी। इसे तैयार करने में दोनों को कुछ महीनों का समय लगा था।

हाई बीपी पीड़ितों में व्यायाम से कम हो सकता है डिमेंशिया का खतरा

अनुसंधान

ब्लड प्रेशर। फाइल

एक शोध में सामने आया है कि हाई बीपी से पीड़ित 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोग अगर हफ्ते में कम से कम एक बार खूब पसीना बहाने वाला व्यायाम करें तो डिमेंशिया का खतरा कम हो जाता है। पिछले अध्ययनों में सामने आया था कि हाई बीपी या हाइपरटेंशन से पीड़ित लोगों में डिमेंशिया सहित संज्ञानात्मक हानि का खतरा बढ़ जाता है। इसमें याददाश्त और सोचने की क्षमता प्रभावित होती है, जिससे उनके दैनिक जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

अमेरिका की वेक फारेस्ट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अध्ययन किया कि हाई बीपी से पीड़ित 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में किस तरह तेज शारीरिक गतिविधि संज्ञानात्मक हानि के जोखिम को कम करता है। टीम ने पाया कि सप्ताह में कम से कम एक बार तेज गति से टहलने या व्यायाम करने वालों में संज्ञानात्मक हानि और डिमेंशिया की दर कम थी। लगभग 60 प्रतिशत प्रतिभागियों, जिनकी उम्र 50 वर्ष और उससे अधिक थी, ने बताया कि उन्होंने सप्ताह में कम से कम एक बार ऐसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस दौरान पसीना निकला और हृदय गति और सांस तेज हो गई थी।

शोध से जुड़े प्रोफेसर रिचर्ड काजिब्वे ने कहा कि यह स्वागत योग्य खबर है कि लोग अधिक संख्या में व्यायाम को जीवन में अपना रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि जो व्यायाम के महत्व को पहचानते हैं, वे अधिक तीव्रता से व्यायाम के इच्छुक हो सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने पाया कि अधिक तीव्रता वाले व्यायाम का फायदा 75 वर्ष से कम उम्र के लोगों पर अधिक स्पष्ट दिखता है। (प्रेट्र)

सन्नो उत्सव पर पोर्टबल मंदिर की शोभायात्रा

जापान के प्रमुख सन्नो उत्सव पर राजधानी टोक्यो में शाही पोशाक पहनकर श्रद्धालु पोर्टेबल मंदिर (मकोशी) की शोभायात्रा निकालते हैं। यह उत्सव मात्सुरी म्होत्सव का हिस्सा है, जो टोक्यो के तीन सबसे प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है। शोभायात्रा की शुरुआत अकासाका के पास स्थित हीई तीर्थस्थल से होती है और यहीं इसका समापन होता है। एपी

स्क्रीन शाट

उन दो घंटों में किसी का फोन नहीं उठाते मनोज बाजपेयी

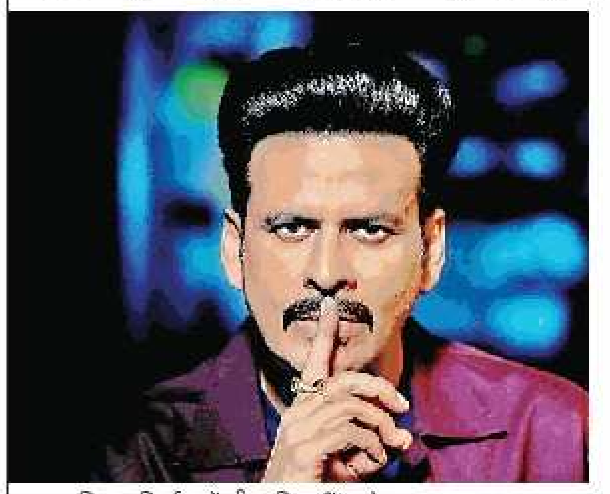

अब फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हैं मनोज। फाइल

खुद के शरीर का ख्याल रखने या फिट रहने को लेकर जब बातें होती हैं, तो कई लोग व्यस्तता का वास्ता देते हुए कहते हैं कि न खाने का समय है, न एक्सरसाइज का। वहीं व्यस्त अभिनेताओं में शुमार मनोज बाजपेयी, जो निर्माता भी हैं, वह कभी अपनी फिटनेस और मानसिक सेहत को दरकिनार नहीं करते हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में मनोज कहते हैं कि अनुशासन मेरे अंदर ही है। मुझे इसके लिए अलग से कुछ करने का प्रयास नहीं करना पड़ता है। अनुशासन कई वर्षों से मेरे जीवन का हिस्सा है। वैसे ही जीया हूं। उससे अलग कैसे जीया जाता है, मुझे नहीं पता है। मैं भटकता नहीं हूं, टूटता नहीं हूं। मैं बस बीच-बीच में कभी थोड़ा सा अंतराल ले लेता हूं, ताकि शरीर और दिमाग को आराम मिल जाए। कभी-कभी खुद को सारी चीजों से अलग कर लेता हूं। लेकिन इन सबके बीच खाने-पीने को लेकर अनुशासन हमेशा बना रहता है। उसको लेकर मैं जिद्दी आदमी हूं। खाने-पीने का समय बिल्कुल बंटा हुआ है कि कब मैं दिन में खाना बंद कर दूंगा, अगला आहार कब लूंगा और कितना लूंगा। यह तय है, जो मैं कभी नहीं भूलता हूं। मेडिटेशन करना कभी नहीं छोड़ता हूं। कई लोग सुबह उठते ही फोन देखने लग जाते हैं। मैं सुबह उठने के बाद दो घंटे तक किसी का फोन नहीं उठाता हूं। न ही किसी का मैसेज देखता हूं। पहले अपने सुबह के सारे काम जैसे एक्सारसाइज, मेडिटेशन खत्म कर लेता हूं, फिर फोन देखता हूं। ऐसा करने से मेरा दिन अच्छा गुजरता है।

...इसलिए नहीं बदला अभिनेत्री ऐश्वर्या सुष्मिता ने अपना नाम

कहते हैं नाम में क्या रखा है? लेकिन अगर वह नाम प्रसिद्ध और दमदार तो समझिए उसमें बहुत कुछ रखा है। खाकी : द बिहार चैप्टर और बैड काप वेब सीरीज की अभिनेत्री ऐश्वर्या सुष्मिता को लीजिए। यह दोनों नाम ही इंडस्ट्री की दो नामचीन अभिनेत्रियों के हैं। सच बात भी यही है कि उन्हीं दोनों से ही प्रेरित है ऐश्वर्या सुष्मिता का नाम। वह जिस साल पैदा हुई थीं, उसी साल सुष्मिता सेन मिस यूनिवर्स और ऐश्वर्या राय मिस वर्ल्ड बनी थीं। दैनिक जागरण से बातचीत में ऐश्वर्या सुष्मिता कहती हैं कि मेरा नाम उन्हीं दो अभिनेत्रियों से प्रेरित है। हालांकि जब पैदा हुई थी, तो माता-पिता ने मेरा नाम साहिबा रखा था। स्कूल में जब नाम लिखवाया गया, तब ऐश्वर्या सुष्मिता रखा गया। यकीनन मम्मी-पापा के दिमाग में वह नाम होगा, तभी उन्होंने वही लिखवाया। प्रेरणा वहीं से आई थी। वह कहती हैं कि मैं इस इंडस्ट्री तक आ पहुंची हूं, तो मुझे लगता है कि नाम का असर तो होता ही होगा।

डिजिटल प्लेटफार्म पर लगातार काम कर रही हैं ऐश्वर्या सुष्मिता। इंस्टाग्राम - @aishwaryasushmita

कहीं न कहीं मेरे नाम के कारण ही मैंने सोचा होगा कि फिल्म इंडस्ट्री में आना है। हालांकि मुझ पर और न ही मेरे परिवार में इस नाम का कोई दबाव रहा है। जब मैं फिल्म इंडस्ट्री में आई थी, तो कई लोगों ने मुझे कहा था कि अपना नाम बदल लो। वहीं कुछ लोगों ने कहा कि जरूरत नहीं है, नाम क्यों बदलना। यह मेरा अपना निर्णय है कि मैंने अपने माता-पिता का दिया नाम नहीं बदला।

अब भूत पकड़ेंगे संजय दत्त

पिछले दिनों खबरें आई थीं कि अभिनेता संजय दत्त ने फिल्म वेलकम टू द जंगल से दूरी बना ली है, क्योंकि अपनी सेहत को देखते हुए उसमें एक्शन सीन नहीं करना चाह रहे थे। कामेडी, एक्शन, रोमांस समेत कई जानर में अभिनय कर चुके संजय ने हारर कामेडी में अब तक हाथ नहीं आजमाया है। अब खलनायक की भूमिका से इतर उन्होंने रास्ता थोड़ा बदलते हुए हारर कामेडी की ओर कर लिया है। संजय अपनी अगली फिल्म द वर्जिन ट्री में न केवल अभिनय, बल्कि इसका सहनिर्माण भी कर रहे हैं। इस फिल्म में वह घोस्टबस्टर यानी भूत पकड़ने वाले बने हैं। फिल्म की घोषणा साल 2022 में ही हुई थी, लेकिन फिर इसे लेकर खास जानकारियां सामने नहीं आई थी। अब फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने बताया कि हारर कामेडी होने के साथ फिल्म म्यूजिकल भी है। आजकल हारर जानर पसंद किया जा रहा है। कुछ वर्षों पहले मैंने ही संजय को एक म्यूजिक वीडियो के लिए अप्रोच किया था। उनके पास इस फिल्म कहानी थी। उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और हम इससे जुड़ गए। सिद्धांत सचदेव फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। वह हारर जानर बनाने के लिए प्रसिद्ध विक्रम भट्ट के साथ काम कर चुके हैं। मुकुट बताते हैं कि संजय फिल्म में घोस्टबस्टर जरूर बने हैं, लेकिन उनके पास तरह-तरह के गैजेट्स यानी यंत्र होंगे, जिससे वह आत्माओं व भूत-प्रेत को ढूंढेंगे और पकड़ेंगे। फिल्म की कहानी एक पेड़ के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसमें सुपरनेचुरल शक्तियां होंगी। द वर्जिन ट्री फिलहाल वर्किंग टाइटल है। संजय के साथ फिल्म में मौनी राय व पलक तिवारी भी अहम भूमिकाओं में होंगी। अगस्त में फिल्म को रिलीज करने की योजना है।

हारर कामेडी फिल्म में पहली बार काम कर रहे हैं संजय। फाइल

स्वतंत्रता दिवस पर साथ आएंगी अल्लू और जान की फिल्में। इंस्टाग्राम@alluarjunonline, इंस्टाग्राम - @thejohnabraham

अल्लू अर्जुन से टक्कर लेंगे जान अब्राहम

बाक्स आफिस पर दो बड़ी फिल्मों का एक साथ रिलीज होना कोई नई बात नहीं है। इस साल की बड़ी फिल्मों में शुमार अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2 : द रूल और अजय देवगन अभिनीत सिंघम अगेन स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त के मौके पर साथ ही रिलीज होने वाली थी। फिर खबरें आई कि रोहित शेट्टी अपनी फिल्म नवंबर में रिलीज कर सकते हैं। साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा : द राइस पैन इंडिया फिल्म बनकर उभरी थी। ऐसे में इसके सीक्वल पर दर्शकों में दिलचस्पी तो बनी ही हुई है। अब उसका टकराव जान अब्राहम अभिनीत फिल्म वेदा से होगा। जान ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए लिखा कि इस स्वतंत्रता दिवस पर वो आ रहे हैं, इंसाफ की जंग लड़ने। निखिल आडवाणी निर्देशित यह फिल्म पहले 12 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। सच्ची घटनाओं से प्रेरित वेदा की कहानी एक्शन से भरपूर होगी। वहीं पुष्पा 2 में भी एक्शन का तड़का लगा है। अल्लू काफी समय पहले ही अपनी फिल्म का प्रमोशन शुरू कर चुके हैं। वहीं जान अब फिल्म का प्रमोशन शुरू करेंगे। देखना दिलचस्प होगा कि वेदा और पुष्पा में कौन किस पर भारी पड़ेगा।

****